नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• शनिवार, 26 अप्रैल 2025 • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 332 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 2.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1755: रूस का पहला विश्वविद्यालय राजधानी मॉस्को में खोला गया।
1903: राष्ट्रपति महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में वकालत शुरू की और वहां ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की।
1920: महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का निधन।
1959: क्यूबा ने पनामा पर आक्रमण किया।
1975: सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना।

संक्षिप्त समाचार

युवती का अधजला शव मिलने से सनसनी

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। टुकुटोली में एक युवती का अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत टांगर टोली पनारी रोड स्थित खेत की है। यहां खेत में शव देखे जाने के बाद लोगों ने स्थानीय पुलिस को जानकारी दी। गुमला पुलिस ने शव बरामद कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। घटना के बाद पुलिस युवती की पहचान करने में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि युवती कहां की रहने वाली थी। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से खून से रंगा हुआ रुमाल और घड़ी बरामद किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि पहले युवती के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी गई है। हालांकि पूरा सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही सामने आएगा।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या

मोतिहारी(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र के अगरवा मुहल्ले में अज्ञात बदमाशों ने 17 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक गोलू कुमार बेलीसराय का रहने वाला था। मृतक के ममेरे भाई संजू ने बताया कि गोलू का कुछ दिन पहले अगरवा मुहल्ले के विशाल नाम के युवक से विवाद हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सदर एएसपी शिवम धाकर मौके पर कैंप कर परिजनों को शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं।

इंडो-नेपाल बॉर्डर से अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

बेतिया(नबिटा ब्यूरो)। इंडो-नेपाल बॉर्डर से इमिग्रेशन विभाग ने एक अमेरिकी नागरिक एटान बेन को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह रक्सौल में गैरकानूनी तरीके से रह रहा था। उसका वीजा भी खत्म हो चुका है। इमिग्रेशन विभाग ने अमेरिकी नागरिक को पकड़कर संबंधित थाने को मामले की जानकारी दी। एटान बेन से पूछताछ जारी है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बिहार में इंडो-नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है।

पटना में कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना(नबिटा ब्यूरो)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पूरे देश की पुलिस अलर्ट मोड में है। संदिग्ध जगहों पर लगातार छापेमारी चल रही है। इसी बीच शुक्रवार को पटना सिविल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए समीर अलबुहारी के नाम से दी गई है। धमकी देने वाले शख्स ने लिखा कि जज साहब आपकी कोर्ट में आरडीएक्स बम रखा है। फौरन पटना पुलिस की पूरी टीम बम और डॉग स्क्वायड को लेकर पहुंची और पूरे कोर्ट परिसर को खंगाला लेकिन कहीं कुछ नहीं मिला।

पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर शीघ्र वापस भेजें : अमित शाह

पटना में वीजा पर रह रहे 24 महिलाएं समेत 27 पाकिस्तानी नागरिक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्य के मुख्यमंत्रियों से बात की। उन्होंने सभी से अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा। श्री शाह ने कई मुख्यमंत्रियों से बात कर ली है और बाकियों से भी वे बात कर रहे हैं। इस बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन किया और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे। भारत ने गुरुवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की थी और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द घर लौटने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्रियों को यह भी कहा



गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उनका निर्वासन सुनिश्चित करें। पटना में इस वक्त 27 पाकिस्तानी नागरिक वीजा पर रह रहे हैं। इनमें 24 महिलाएं हैं। केंद्र सरकार के आदेश के बाद इनकी परेशानी बढ़ गई है। दरअसल, पटना के सब्जीबाग, समनपुरा, रुकनपुरा और फुलवारी शरीफ में यह सभी पाकिस्तानी एक्सटेंशन वीजा पर रह रहे थे। यह लोग तीन से सात दिन के लिए पटना आए थे लेकिन बाद में रिश्तेदार, बीमारी समेत अन्य कुछ कारण बता इनलोगों ने अपने रहने की अवधि बढ़ा ली थी। अब जब भारत सरकार ने इनका वीजा रद्द कर दिया तो बिहार पुलिस की स्पेशल ब्रांच और पासपोर्ट कार्यालय की टीम इसकी जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, एक्सटेंशन वीजा पर रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को अपना वतन लौटना होगा। अगर वह नहीं जाते हैं तो उन्हें विदेशी घुसपैठियां घोषित कर दिया जाएगा। उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। पुलिस सूत्रों की मानें तो पाकिस्तानी नागरिकों ने भारतीय नागरिकता के लिए अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया है। इनमें तीन महिलाएं भी हैं। वहीं तीन में से एक अन्य महिला पर पीरबहोर थाने में केस दर्ज है। हालांकि, कोर्ट ने महिला को जमानत दी है।

नीट पेपरलीक केस का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। नीट पेपर लीक केस में बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने पेपरलीक केस के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गिरफ्तार कर लिया है। वह पांच मई 2024 से फरार चल रहा था। पुलिस जब उसे नहीं खोज पाई तब उसपर तीन लाख का इनाम रख दिया था। शुक्रवार सुबह एसटीएफ ने उसे दानापुर इलाके के गिरफ्तार किया। संजीव मुखिया पर नीट समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा करने और पेपरलीक कराने का आरोप है। एसटीएफ की टीम संजीव मुखिया को जल्द ही कोर्ट में पेश करेगी। इसके बाद कोर्ट से आदेश मिलने पर उसे रिमांड पर लेगी। इससे पहले चार मार्च को आर्थिक अपराध इकाई (इओयू) ने फरार आरोपी संजीव मुखिया के विरुद्ध फिर कार्रवाई की थी। इओयू की विशेष टीम ने नगरनौसा थाना क्षेत्र के शाहपुर बलबा गांव में संजीव कुमार के निवास स्थान पर कोर्ट से प्राप्त इश्तिहार को चिपकाया था। यह कार्रवाई इओयू थाना पटना में दर्ज मामला संख्या 16/23 से संबंधित है, जिसने पूरे राज्य में एक बड़ी सनसनी मचा दी है। नालंदा जिले के नूरसराय वानिकी कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत संजीव कुमार उर्फ़ संजीव मुखिया बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले का मुख्य संचालक माना जा रहा है। उनपर अपने बेटे डॉ. शिव के साथ मिलकर परीक्षा प्रणाली में व्यापक स्तर पर धांधली करने का आरोप है। बता दें कि संजीव मुखिया के पुत्र डॉ. शिव पहले ही सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले में जेल में बंद है।

कोनार डैम के निकट जंगल से युवक-युवती का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के विष्णुगढ़ थाना अंतर्गत कोनार डैम के निकट जंगल से दो अज्ञात व्यक्तियों का शव बरामद किया गया है। इसमें एक पुरुष और एक महिला है। इस मामले को लेकर पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या कर दोनों का शव जंगल में फेंक दिया गया है। वहीं पुलिस शवों को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। साथ ही मामले की तफ्तीश की जा रही है। अब तक दोनों की पहचान नहीं हो पाई है। कोनार डैम के जंगल में एक युवक और एक युवती का संदेहास्पद स्थिति में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। दोनों शव सुनसान और घने जंगल क्षेत्र में पाए गए हैं जिससे यह मामला और भी रहस्यमय बन गया है। ग्रामीणों ने दोनों शवों को देखकर विष्णुगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही विष्णुगढ़ थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। दोनों शवों की शिनाख्त नहीं हो सकी है जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह दोनों स्थानीय नहीं है। इस घटना को लेकर बिष्णुगढ़ सीडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। आशंका जताई जा रही है कि दोनों की हत्या कर शवों को जंगल में फेंक दिया गया। शवों को छिपाने के लिए इस सुनसान इलाके को चुना गया। फिलहाल शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। इसके बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

सरकारी अस्पतालों में नहीं होगी कर्मियों की कमी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



रांची। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने अपने कार्यालय में सभी सिविल सर्जन और अस्पताल उपाधीक्षकों के साथ सदर अस्पताल एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन व्यवस्था पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। उन्होंने सभी को विभागीय संकल्प 58 (21), दिनांक 11.4.2025 के द्वारा निर्गत 'अस्पताल प्रबंधन हेतु मार्गदर्शिका' के अनुरूप कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों के सिविल सर्जन को निर्देश दिया है कि वह अतिशीघ्र अस्पताल में कर्मियों की कमी को पूरी करें। अपर मुख्य सचिव ने सभी को सदर अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सभी प्रकार के आवश्यक उपकरण एवं मशीनों का आकलन कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके लिए यदि राशि की आवश्यकता होगी तो विभाग से मांग की जा सकती है। उन्होंने विगत छह माह के अंदर किए गए नवाचार प्रयोग, आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत किए कार्य और क्लेम, आने वाले तीन महीने में प्रारंभ किए जाने वाली प्रक्रिया और विशेषज्ञ एवं अति विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल निर्माण की भी समीक्षा की। सभी सिविल सर्जन को अति विशेषज्ञ/विशेषज्ञों का पैनल निश्चित रूप से इस माह के अंत तक तैयार कर लेने का निर्देश दिया गया। राज्य योजना अंतर्गत मशीन के अधिष्ठापन की अद्यतन स्थिति का एवं उनके द्वारा प्रारंभ गए ऑपरेशन के संबंध में भी समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने सभी सदर अस्पताल में ओटी को आधुनिकतम ओटी में परिवर्तित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री रखरखाव एवं संचालन योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों की भी इस दौरान समीक्षा की गई एवं निर्देशित किया गया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों और उप केन्द्रों की मरम्मत एवं रंगाई पुताई निश्चित रूप से की जाए और किए हुए कार्य का फोटोग्राफ विभाग उपलब्ध कराया जाए। अपर मुख्य सचिव ने मेंटरिंग योजना के तहत जिले से संबंध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सीनियर रेजिडेंट को टीम से संबंध स्थापित कर विभिन्न प्रकार के क्लीनिकल प्रोसीजर प्रारंभ किए जाने के भी निर्देश दिए। श्री सिंह ने जिले के एम्बुलेंस व्यवस्था का भी आकलन किया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि एंबुलेंस की जल्द मरम्मत हो ताकि मरीजों को समस्या न हो। बैठक में ललित मोहन शुक्ला और विद्यानंद शर्मा पंकज के साथ कई अधिकारी भी मौजूद रहे।

जल्द जारी होगी ओबीसी सर्वेक्षण रिपोर्ट, अंतिम रूप देने में जुटा आयोग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नगर निकाय चुनाव को लेकर शहरी क्षेत्र में विगत कई महीनों से चल रहा ओबीसी सर्वे अंतिम चरण में है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग इसे अंतिम रुप देने में जुटा है। आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक जल्द ही इसे जारी किया जाएगा। इन सबके बीच राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने विगत दो नगर निकाय चुनाव में सामान्य सीटों पर चुनाव जीतकर आए झारखंड के स्थानीय ओबीसी जनप्रतिनिधियों की सूची सभी जिलों से मांगी है। आयोग के सदस्य सचिव कृष्ण कुमार सिंह के अनुसार इसके जरिए शहरी नगर निकायों में झारखंड के ओबीसी वर्ग के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की संख्या का पता चल पाएगा कि आखिर ये लोग यहां के हैं कि



बिहार के ओबीसी वर्ग से हैं। विगत कई महीनों से जिला स्तर पर चल रहा ओबीसी सर्वेक्षण का काम पूर्ण हो चुका है। जिला स्तर से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग राज्यस्तरीय रिपोर्ट तैयार करने में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक कुछ जिलों से मिले सर्वे रिपोर्ट में आंशिक गड़बड़ी पाई गई है जिसे दूर करने को कहा गया है। आयोग के सचिव कृष्ण कुमार सिंह के अनुसार एक महीने के अंदर रिपोर्ट तैयार हो जायेगी। इससे पहले ओबीसी आयोग, इसका अध्ययन किसी बड़े आर्थिक शैक्षणिक संस्थानों से कराना चाहती है जिसके लिए टेंडर की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जायेगी। इन सबके बीच आयोग में अध्यक्ष का भी मनोनयन होने की संभावना है।आयोग के अध्यक्ष ही ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट सरकार को सौंपने का काम करेंगे। गौरतलब है कि ओबीसी ट्रिपल टेस्ट की वजह से राज्य में नगर निकाय चुनाव लटका हुआ है। इसको लेकर झारखंड हाईकोर्ट नाराजगी जता चुका है। इस मामले में अगली सुनवाई मई के प्रथम सप्ताह में होने की संभावना है जिसमें सरकार की ओर से अद्यतन स्थिति की जानकारी दी जायेगी।

यूपीएससी परीक्षा में सफल छाया का भव्य स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। देश की सर्वोच्च यूपीएससी की परीक्षा पास कर गढ़वा पहुंची छाया कुमारी का मुख्यालय में भव्य स्वागत हुआ। जिले के मेराल प्रखंड के अकलवाणी की रहने वाली छाया को 530वां रैंक आया है। छाया कुमारी अभी बिहार के गया जिले मे श्रम प्रवर्तन विभाग में पदाधिकारी के रूप में प्रशिक्षण ले रही थी, लेकिन जब से वह यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की है तब से पूरे गढ़वा जिले में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। परीक्षा पास कर गढ़वा जिला मुख्यालय पहुंचने पर उसका भव्य स्वागत हुआ। शहर के मां गढ़देवी मंदिर एवं रंका मोड़ पर संकट मोचन मंदिर में भगवान का आशीर्वाद लेते हुए छाया ने बताया कि मेहनत कभी जाया नहीं जाती है। आज उन लड़कियों से भी कहना चाहती हूं कि आप खूब पढ़ो, खूब बढ़ो। इस मुकाम तक पहुंचाने में मेरे माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है। मां कभी किचेन में घुसने नहीं दी। बोलती थी तुम बस पढ़ो और पिता मेहनत कर पैसा इकट्ठा करते थे ताकि हमें पैसे की कमी ना हो। वहीं स्थानीय लोगों ने छाया की इस उपलब्धि को गढ़वा के लिए शान बताया। लोगों ने बताया कि झारखंड में कुल पांच बच्चों ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की है, जिसमें एक बच्ची गढ़वा की है। आज एक निकली है, कल और बच्चे निकलेंगे, जिससे गढ़वा का नाम और रोशन होगा।

20 प्रतिशत बच्चे फेल हुए तो संबंधित शिक्षक जिम्मेदार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में संचालित 80 उत्कृष्ट विद्यालय एवं 325 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बनाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने दिशा निर्देश जारी किया है। इसके तहत इन स्कूलों के शिक्षकों को लगातार तीन दिन लेट पहुंचने पर एक दिन की आकस्मिक छुट्टी कट जायेगी। शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह के हस्ताक्षर से जारी दिशा निर्देश में स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता बनाने के लिए कई तरह के निर्देश दिए गए हैं। जारी दिशा निर्देश के तहत स्कूलों में प्रातः कालीन प्रार्थना सभा के अंत में बच्चों को मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने, सड़क सुरक्षा, पर्यावरण और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर जागरूक करने का काम किया जाएगा। साथ ही सीबीएसई और जैक के गाइडलाइन के अनुसार स्कूलों



में विद्यार्थियों की न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति को अनुवार्य किया गया है। अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को उसे विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा चिट्ठी भेजी जाएगी। इसके अलावे क्लास मॉनिटर, बाल संसद और उच्च वर्ग में पढ़ने वाले छात्रों के द्वारा अनुपस्थित रहने वाले बच्चों को उपस्थिति हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार छात्रों के खराब परीक्षा परिणाम की संपूर्ण जवाबदेही प्रधानाचार्य और संबंधित विषयों के शिक्षक पर होगी। 20 प्रतिशत से अधिक असफल विद्यार्थी पाए जाने की स्थिति में संबंधित प्रधानाध्यापक एवं उस विषय के शिक्षकों पर विभागीय एवं अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि स्कूल की समय सारणी और शिक्षकों की समय सारणी बनाने की जवाब देही प्रधानाध्यापक की होगी। शिक्षा विभाग के अनुसार समय सारणी में सभी शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित हो। इसके अलावे हर महीने के प्रथम और द्वितीय शनिवार को हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत की व्याकरण और गणित विज्ञान की एक-एक घंटी विशेष रूप से आयोजित की जाएगी और छात्रों में सम्यक विकास हेतु क्विज हैंड राइटिंग कंपटीशन, कल्चरल एक्टिविटीज आदि आयोजित की जाएगी।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

पहलगाम हमले पर सर्वदलीय बैठक में क्यों नहीं गई नीतीश की पार्टी, जेडीयू ने दी सफाई



पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दिल्ली में गुरुवार शाम को आयोजित सर्वदलीय बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाया। वहीं, जेडीयू की ओर से सफाई देते हुए कहा गया कि मधुबनी में पीएम नरेंद्र मोदी की सभा के चलते पार्टी के वरिष्ठ नेता बिहार में थे। इस कारण जेडीयू सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पहलगाम हमले को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक में जेडीयू की गैरमौजूदगी पर सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री की प्राथमिकता चुनाव है। जेडीयू की प्राथमिकता प्रधानमंत्री है। आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक का इंतजार किया जा सकता है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा कि दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में उनकी पार्टी के नेता शामिल नहीं हो पाएंगे। जेडीयू के सभी वरिष्ठ नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मधुबनी में कार्यक्रम की व्यस्तता की वजह से दिल्ली में उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो बर्बर हमला हुआ, उसके विरोध में आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार जो भी राष्ट्र हित में फैसला लेगी, जेडीयू उनके साथ है।

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिले के झंझारपुर में गुरुवार को पंचायती राज दिवस के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर बोलते हुए आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी। पीएम ने कहा कि आतंकियों और साजिश रचने वालों को ऐसी सजा दी जाएगी, जिनकी उन्होंने कल्पना नहीं की होगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत जेडीयू और एनडीए के कई नेता मौजूद रहे।



पटना के बाद बिहार के कई जिलों में स्कूल का समय बदला, भीषण गर्मी के चलते फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार में भीषण गर्मी के बीच स्कूली बच्चों को राहत मिली है। पटना के बाद 4 और जिलों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। भागलपुर, गया, बांका और औरंगाबाद जिले में भी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के समय में बदलाव का आदेश गुरुवार को जारी कर दिया गया। भागलपुर में सुबह 11 बजे के बाद कक्षाओं के संचालन पर रोक लगा दी गई है। इसी तरह, गया और बांका जिले में भी स्कूलों का समय सुबह 11.30 बजे तक कर दिया गया है। औरंगाबाद में पौने 12 बजे स्कूल की छुट्टी कर दी जाएगी। भागलपुर के डीएम नवल किशोर चौधरी ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि जिले में चलने वाली लू और दोपहर में भीषण गर्मी के चलते बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसे देखते हुए जिले के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और प्री-स्कूलों के सुबह 11 बजे के बाद संचालन पर रोक लगाई गई है। यह आदेश 25 से 27 अप्रैल तक लागू रहेगा। इसी तरह, गया जिले में भी भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में 10वीं तक की कक्षाओं के सुबह 11.30 बजे के बाद संचालन पर रोक रहेगी। गया गुरुवार को बिहार का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 42 डिग्री के ऊपर दर्ज किया गया। बांका जिले में भी सभी निजी और सरकारी स्कूलों की छुट्टी सुबह 11.30 बजे कर दी जाएगी। डीएम अंशुल कुमार ने 27 अप्रैल तक के लिए यह आदेश गुरुवार को जारी किया। औरंगाबाद जिले में सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों पर सुबह 11.45 बजे के बाद रोक लगाई गई है।

मिड डे मील की सब्जी में निकला सांप, खाने से 200 बच्चे बीमार, एक की हालत गंभीर



पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले में मिडे डे मील खाने के बाद 200 से अधिक स्कूली बच्चे बीमार हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना मोकामा प्रखंड के मेकरा स्थित मध्य विद्यालय की है। बताया जा रहा है कि मध्याह्न भोजन यानी मिड डे मील की सब्जी में सांप गिर गया था। उसे खाने से ही बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इस घटना के विरोध में गुरुवार शाम को स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर हंगामा भी किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खत्म करवाया।

बीडीओ ने बताया कि से मामले की जांच की जा रही है। इस बीच करीब एक घंटे तक सड़क जाम रही और आवागमन पूरी तरह ठप रहा। स्कूल के दर्जनों बच्चों ने आरोप लगाया कि गुरुवार को स्कूल के मिड डे मील में चावल और आलू-कद्दू की सब्जी बनी थी। बच्चों को इस दौरान सब्जी में एक मरा हुआ सांप मिला, जिसे विद्यालय के रसोइया ने शौचालय में फेंक दिया। फिर वही सब्जी बच्चों को खिला दी।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि गुरुवार को करीब 500 बच्चों ने मध्याह्न भोजन खाया था। भोजन करने के बाद कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी तो सभी शिक्षक समय से पहले ही छुट्टी देकर स्कूल से निकल गए। बच्चे घर पहुंचे और धीरे-धीरे एक-एक कर करीब 200 बच्चों की तबीयत खराब हो गई।

ग्रामीण धीरे-धीरे एकजुट होने लगे, घटना की सूचना पर पहुंची मोकामा थाना की पुलिस ने 50 से अधिक बच्चों को ले जाकर मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके बाद एक-एक कर करीब 150 और बच्चों को लेकर उनके अभिभावक मोकामा रेफरल अस्पताल के ट्रामा सेंटर पहुंच गए। देर रात तक चिकित्सक बच्चों की जांच करते रहे। मौके पर मौजूद चिकित्सक डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि एक बच्चे की तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन अब वे भी खतरे से बाहर है। बाकी बच्चे भी ठीक हैं, सभी की जांच की जा रही है। देर रात तक अस्पताल में गहमागहमी का माहौल रहा। सैंकड़ों ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता मौके पर मौजूद रहे और बच्चों की देखभाल करते रहे।

मोतिहारी में 50 करोड़ की लागत से बन रहा आरओबी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के भितहा में रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण तेजी से चल रहा है। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। बनकट भितहा रेलवे गुमटी संख्या 158 पर बन रहे इस आरओबी से कई प्रखंडों को फायदा मिलेगा। इस आरओबी से कोटवा, कल्याणपुर, केसरिया, तुरकौलिया और हरसिद्धि समेत 6 से ज्यादा प्रखंडों का सीधा जुड़ाव जिला मुख्यालय मोतिहारी से हो जाएगा। इससे लोगों की आवाजाही आसान होगी। पहले इस रेलवे गुमटी पर रोज घंटों जाम लगता था। इससे आम लोगों के साथ एंबुलेंस और स्कूल वाहन भी प्रभावित होते थे।

समस्तीपुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक में मारी टक्कर

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के वारिसनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री समेत 4 लोग घायल हो गए। 3 की हालत गंभीर बनी हुई है। एक ही बाइक से सभी भोज खाने जा रहे थे। घटना सुखपुर गांव की है। घायलों की पहचान नथुनी महतो, पुत्री सुहानी कुमारी, दिव्या कुमारी और भाई धीरज कुमार के तौर पर हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद पिता और 2 बेटियों को डॉक्टरों ने पी.एम.सी.एच. रेफर कर दिया है।

स्टेट लेवल तक खेलेंगे सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स, ट्रेनिंग-स्कॉलरशिप मिलेगी

37,588 स्कूलों के 58 लाख छात्र-छात्राओं के लिए खेल प्रतियोगिता शुरू, हर एक को मिलेंगे टी-शर्ट और मेडल



पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में खेल प्रतिभा को पहचान दिलाने के लिए आज से स्कूलों में खेल प्रतियोगिता की शुरुआत हो रही है। मशाल-2024 कार्यक्रम के तहत बिहार के 37,588 स्कूलों में 25 से 27 अप्रैल तक खेल प्रतियोगिता होगी। इसमें 58 लाख स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता, स्कूलों में खिलाड़ियों की तलाश के लिए किया जा रहा है। स्कूलों में होने वाली प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को संकुल, प्रखंड और जिला स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा।

बालक वर्ग में 14, बालिका वर्ग में 16 साल के खिलाड़ी ले सकते हैं भाग : यह प्रतियोगिता दो श्रेणियां में आयोजित की जाएगी। बालक वर्ग में 14 वर्ष और बालिका वर्ग में 16 साल उम्र निर्धारित की गई है। विजेता को प्रखंड स्तर पर नगर राशि भी प्रदान की जाएगी। इसमें छात्रों को 1000 रुपए, सेकेंड आने पर 600 और थर्ड आने पर 400 रुपए दिए जाएंगे। साथ ही सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं मेडल दिया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यालय स्तर से खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

स्टेट लेवल पर खेलने का मिलेगा मौका : प्रखंड के बाद जिला स्तर पर चयनित टीम को स्टेट लेवल पर खेलने के मौका दिया जाएगा। इस दौरान एथलेटिक्स में क्रिकेट, बॉल थ्रो, लंबी कूद, दौड़, साइकलिंग, फुटबॉल, बॉलीवॉल प्रतियोगिताएं होंगी। जिला स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को 2500 रुपए, सेकेंड आने वाले को 1500 और थर्ड आने पर 1000 रुपए मिलेंगे। इस दौरान जो स्टूडेंट्स स्टेट लेवल पर प्रथम श्रेणी में आता है, उसे 5000 रुपए, सेकेंड आने पर 3000 रुपए और थर्ड आने पर 2000 रुपए दिए जाएंगे। राज्य स्तर पर चयनित छात्रों को खिलाड़ी के रूप में ट्रेनिंग के साथ ही स्कॉलरशिप भी दी जाएगी।

मोतिहारी में बाइक सवार की चाकू से गोदकर हत्या

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के नगर थाना क्षेत्र के अगरवा मुहल्ले में अज्ञात बदमाशों ने एक 17 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक गोलू कुमार बेलीसराय का रहने वाला था। घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। मृतक के ममेरे भाई संजू ने बताया कि गोलू का कुछ दिन पहले अगरवा मुहल्ले के विशाल नाम के युवक से विवाद हुआ था। जिसमें बुधवार रात को दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। विशाल ने गोलू को धमकी दी थी कि अगरवा में दिखने पर उसकी हत्या कर दी जाएगी। गुरुवार शाम जब गोलू अगरवा की ओर गया, तब बाइक सवार चार युवकों ने उसका पीछा किया। आरोपियों ने गोलू पर चाकू से कई वॉर किए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद एक स्थानीय लड़की की नजर घायल गोलू पर पड़ी।

उसे तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सदर एएसपी शिवम धाकर मौके पर कैंप कर रहे हैं। वे परिजनों को शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं।

जांच के लिए एसआईटी गठित : एएसपी ने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश का नतीजा है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है।

इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पटना में मौजूद 27 पाकिस्तानियों को लौटना होगा, शादी और बीमारी बताकर बढ़ाया था वीजा



पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। पटना जिले में 27 पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द किया गया है। सभी को जिले की विदेश शाखा से पाकिस्तान लौटने को कहा गया है। इस आदेश की कोई अवहेलना करता है तो तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कोर्ट के आदेश के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को डी-बोर्ड भी किया जा सकता है। अधिकतर पाक नागरिकों ने शादी और बीमारी का हवाला देकर वीजा की अवधि बढ़ाई थी और यहीं रह रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, इस समय पटना जिले में कुल 27 पाकिस्तानी नागरिक एक्सटेंशन वीजा पर रह रहे हैं। सबसे अधिक पाकिस्तानी नागरिक सब्जीबाग, समनपुरा और फुलवारीशरीफ मोहल्ले में ठहरे हुए हैं। ये सभी अपने रिश्तेदारों के यहां आए थे। सूत्र बताते हैं कि पाकिस्तानी नागरिक पटना में 3 से 7 दिनों के वीजा पर पटना आए थे। बाद में सभी ने अपने वीजा का एक्सटेंशन करवा लिया। किसी ने रिश्तेदार की शादी, तो किसी ने तबीयत बिगड़ने की बात कहकर वीजा का समय बढ़वाया था। दूसरी ओर ये लोग किन-किन जगहों पर गए और वे किनके साथ रह रहे थे, किन जगहों की तस्वीर खींची है, इसकी पूरी जानकारी स्पेशल ब्रांच की टीम ले रही है।

स्थानीय थाने के जरिए कार्रवाई

पटना में ठहरे पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से वापस जाने के लिए स्थानीय थाने के जरिए नोटिस दिया गया है। वे कैसे लौटेंगे, इसकी भी जानकारी मांगी गई है। अगर फ्लाइट से पाक लौटना है तो टिकट और बोर्डिंग पास की फोटो कॉपी स्थानीय थाने को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा दो लोगों की गवाही भी जरूरी है। ट्रेन के रास्ते पाकिस्तान जाने वाले लोगों को भी टिकट की फोटो कॉपी देनी होगी।



बिहार विधानसभा चुनाव महागठबंधन ने चार समितियां बनाई, 4 मई को बड़ी बैठक

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर पटना में गुरुवार को हुई महागठबंधन की दूसरी बैठक में कई निर्णय लिए गए। बैठक के बाद राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने बताया कि महागठबंधन ने आगामी चुनाव को लेकर घटक दलों की 4 नई साझा समितियां बनाई हैं। इनका नाम अभियान, चुनाव घोषणा पत्र, मीडिया और सोशल मीडिया कमिटी रखा गया है। इनमें आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी, सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले के नेता शामिल रहेंगे। इसके अलावा 4 मई को महागठबंधन की एक बड़ी बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी घटक दलों के जिलाध्यक्ष, सांसद, विधायक, एमएलसी मौजूद रहेंगे। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 4 मई को होने वाली बैठक की जगह बाद में तय की जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि सभी जिलों में महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच पूरी तरह तालमेल रहेगा। गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता सरकार की खामियों को मिल कर उजागर करेंगे। बता दें कि महागठबंधन की पहली बैठक 17 अप्रैल को पटना स्थित आरजेडी दफ्तर में हुई थी। उस बैठक में सभी घटक दल के नेताओं ने एक कोऑर्डिनेशन कमिटी गठित करने का फैसला लिया था। इस कमिटी का अध्यक्ष तेजस्वी यादव को बनाया गया। आगामी बिहार चुनाव से जुड़े महागठबंधन के सभी तरह के फैसले यही कमिटी लेगी।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अमित शाह की तुलना भगवान शिव से की

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ की नारेबाजी



मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के सिंहेश्वर में शिव महापुराण कथा चल रही है। इस दौरान कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तुलना भगवान शिव से की। उन्होंने कहा कि अमित शाह कलयुग में शिव का रूप हैं। उनकी मौनता और शांति के बाद तांडव जरूर देखने को मिलेगा। मुझे विश्वास है कि आतंकियों का अंत होगा। पंडित मिश्रा ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए 24 अप्रैल को अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया। जो अब वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही कहा है कि आतंकियों ने जाति नहीं देखी, सिर्फ हिंदू होने के आधार पर लोगों को निशाना बनाया। कथावाचक ने एक नवविवाहित युवक का उदाहरण दिया, जिसकी शादी को सिर्फ 8 दिन हुए थे। वह कश्मीर घूमने गया था, जहां उसकी गोली मार कर हत्या कर दी गई। उसकी पत्नी आज रोती-बिलखती दिख रही है। एनएसयूआई ने कथावाचक का पुतला जलाया है और कहा है कि इन्होंने शिव भक्तों का अपमान किया है।

शास्त्र से जरूरी है शस्त्र : कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हर घर के बेटे-बेटियों को शस्त्र चलाना आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं कि घर में शास्त्र है या नहीं, लेकिन बच्चों को शस्त्र चलाना आना चाहिए। उनके इस बयान पर कथा स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों से समर्थन जताया। हालांकि, सोशल मीडिया पर पंडित मिश्रा का यह बयान विवाद का कारण बन गया है। कई यूजर्स ने एक जीवित राजनेता की तुलना भगवान शिव से करने को अनुचित और महादेव का अपमान बताया। कुछ ने उन्हें भाजपा का प्रचारक कहा है। एक यूजर ने लिखा कि यह कथावाचन नहीं, राजनीतिक प्रचार है। कुछ अन्य यूजर्स ने इसे धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की जान गई है। मृतकों में अधिकांश पर्यटक है। इस घटना ने देश भर में आक्रोश पैदा किया है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ की नारेबाजी : कॉलेज चौक पर गुरुवार की रात एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सिंहेश्वर स्थान में आयोजित शिव महापुराण कथा के दौरान प्रदीप मिश्रा के दिए गए एक बयान के विरोध में है। जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बाबा भोलेनाथ का कलयुगी अवतार बताया था। बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद गहरा गया है। पुतला दहन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भगवान शिव की नगरी सिंहेश्वर में अमित शाह की तुलना बाबा भोलेनाथ से करना सरासर अपमानजनक है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष निशांत यादव ने कहा, प्रदीप मिश्रा कोई कथावाचक नहीं, बल्कि आरएसएस और भाजपा के एजेंट हैं। वे सत्संग के नाम पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। अमित शाह को भगवान शिव का अवतार बताकर उन्होंने शिव भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

निशांत यादव ने आगे कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब प्रदीप मिश्रा ने विवादित बयान दिया हो। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले मिश्रा ने राधा-कृष्ण के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी, जिसके चलते उन्हें मथुरा में माफी मांगनी पड़ी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रदीप मिश्रा जल्द ही सिंहेश्वर स्थान के बाबा भोलेनाथ मंदिर में शिव भक्तों से माफी नहीं मांगते और जिला प्रशासन इस मामले में कार्रवाई नहीं करता, तो एनएसयूआई चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।

बिना रजिस्ट्रेशन नहीं बिकेंगी दवाइयां मेडिकल बोर्ड की मंजूरी होगी अनिवार्य

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि राज्य में दवा कंपनियों और मेडिकल स्टोर्स का कोई भी फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दवा एक अति आवश्यक और संवेदनशील सामग्री है। इसके गलत या नकली प्रयोग से मरीज की जान जोखिम में पड़ सकती है, तथा उपचार में भी लाभ नहीं मिल पाता।

अतः दवाओं की खरीद-बिक्री पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी नजर है। स्वास्थ्य गुरुवार को लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएच) सभागार में आयोजित राज्य औषधि नियंत्रण निदेशालय की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य की जनता को पारदर्शी और सुलभ तरीके से सही एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। कहा कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया गया है। बैठक में राज्य औषधि परीक्षण



प्रयोगशाला और मानव संसाधनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने औषधि निरीक्षकों से उनके द्वारा अब तक की गई कार्रवाइयों, छापेमारी और कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने यह भी बताया कि एक सप्ताह के भीतर फिर से समीक्षा बैठक की जाएगी, जिसमें सभी अधिकारी अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होंगे। बैठक में प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक डॉ. चंद्र किशोर शाही, औषधि निदेशक रितु सहाय, संयुक्त निदेशक सुमन तिवारी समेत सभी जिलों के औषधि निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक क्लिक में मिले दवाओं की जानकारी...: स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिससे सभी मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध दवाओं की जानकारी एक क्लिक में मिल सके। सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिया गया कि वे नियमित रूप से दवा दुकानों का निरीक्षण करें, दवाओं की गुणवत्ता और स्टॉक की जांच करें। यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित दुकानदार पर सख्त कार्रवाई की जाए।

राज्य में उपलब्ध दवाओं का मांगा विवरण: स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने औषधि निदेशक रितु सहाय से यह जानकारी भी ली कि राज्य में किन-किन दवाओं की उपलब्धता है और उन पर सरकार का क्या नियंत्रण है। साथ ही, उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

बिना पर्ची के कफ सिरप देना कानूनन अपराध: मंत्री ने स्पष्ट किया कि बिना डॉक्टर की लिखित पर्ची के प्रतिबंधित दवाएं या कफ सिरप देना कानूनन अपराध है, और इसे सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने सभी मेडिकल स्टोर्स से इसका पालन करने को कहा।

नकली दवाओं के सिंडिकेट पर करें कार्रवाई: डॉ. अंसारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नकली दवाओं के सिंडिकेट की पहचान कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार



पहलगाम आतंकी हमले पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कांग्रेस को घेरा, कहा- उनकी उल्टी सोच

लोहरदगा, एजेंसी। पहलगाम की घटना को लेकर कांग्रेस के मंत्री और नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने करारा जवाब दिया है. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन गुरुवार को लोहरदगा पहुंचे. लोहरदगा के जिला परिसदन में उन्होंने मीडिया से बातचीत की. लोहरदगा में भाजपा के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पहलगाम की घटना को लेकर दुख जताया. इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं की ओर से आ रहे बयानों को लेकर तीखी आलोचना की है.

लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कहा था कि वीजा-पासपोर्ट रद्द करने की बात तो ठीक है, लेकिन एक ठोस और सैन्य कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं, रांची में कांग्रेस के प्रेस कांफ्रेंस में 23 अप्रैल को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि यह घटना क्यों घटी है, 56 इंच का सीना क्या कर रहे थे. कांग्रेस नेताओं के इस बयान पर चंपाई सोरेन ने कहा है कि उन लोगों की सोच ही उल्टी है. सरकार कदम उठा रही है. आवश्यक कार्रवाई कर रही है. सर्वदलीय बैठक में भी फैसला लिया जाएगा.

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन लोगों (कांग्रेस) को इंतजार करना चाहिए. इस तरह का बयान ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि पहलगाम में घूमने गए हुए लोगों के साथ जिस प्रकार की बर्बरता हुई है. उसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है. इस प्रकार की घटना बेहद शर्मनाक घटना है. इस घटना से पूरा देश दुखी है. भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे. सभी को केंद्र सरकार पर भरोसा रखना चाहिए. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन लोहरदगा में बीजेपी के कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करने पहुंचे थे. नगर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

बोकारो रेलवे स्टेशन के पास लगी भीषण आग, 17 दुकानें जलकर राख



बोकारो, एजेंसी। रेलवे स्टेशन के समीप झोपड़ीनुमा दुकानों में गुरुवार की देर रात करीब 1ः00 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 17 दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। घटना में हालांकि किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की शुरुआत एक गुमटी से हुई, जिसमें संभवतः शॉर्ट सर्किट कारण बताया जा रहा है। देखते ही देखते आग ने आसपास की सभी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को कॉल किया, लेकिन लगभग एक घंटे के विलंब से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक दुकानों को बचाना संभव नहीं हो सका। जली हुई दुकानों में अमित होटल, मनोज जनरल स्टोर, राशन दुकानें व अन्य दैनिक जरूरत की दुकानें शामिल थीं।

अमित होटल के मालिक अमित कुमार ने बताया कि रोज की तरह उन्होंने रात 11ः30 बजे दुकान बंद की थी और कर्मचारी दुकान पर ही सो रहे थे। अचानक आग लगने की खबर मिली और बुझाने का प्रयास किया गया, पर आग की लपटें तेज थीं। मनोज कुमार, जिनकी राशन दुकान जल गई, ने बताया कि यह उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था। वहीं दुकानदार भीम प्रसाद का कहना है कि उनके पूरे परिवार की जीविका इसी दुकान पर निर्भर थी, अब सब कुछ खाक हो गया है। स्थानीय मंटू दीक्षित ने बताया कि लगभग दो बजे अपने बेटी को लेने के लिए स्टेशन आए थे तो देखा की आग लगी हुई।

सिरमटोली रैंप निर्माण को लेकर आमने-सामने स्थानीय और प्रशासन, महिला इंस्पेक्टर से धक्कामुक्की



रांची, एजेंसी। सिरमटोली फ्लाईओवर का विवाद एक बार फिर से चरम पर पहुंच गया है. गुरुवार की देर रात जैसे ही कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा रैंप निर्माण का काम शुरू किया गया, निर्माण का विरोध करने के लिए देर रात दर्जनों लोग सिरम टोली पहुंच गए. इस दौरान पूरे सिरम टोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील करना पड़ा. आधी रात तक रैंप का विरोध कर रहे लोगों के साथ रांची पुलिस जूझती रही. इस दौरान जमकर हंगामा हुआ.

रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप के निर्माण को लेकर देर रात गुरुवार से जमकर हंगामा हो गया. सिरमटोली फ्लाईओवर का निर्माण कर रही कंपनी ने गुरुवार की देर रात रैंप का निर्माण शुरू किया, जैसे ही इसकी जानकारी आदिवासी संगठन को हुई, वह सिरमटोली पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध करने लगे.

आदिवासी संगठन के विरोध को देखते हुए पूरे सिरमटोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया. आननफानन में रांची के सिटी एसपी, डीएसपी सहित कई थानेदार मौके पर पहुंचे. इस दौरान पुलिस और रैंप विरोधी लोगो के बीच जमकर कहासुनी हुई. डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद के साथ विरोध कर रही कई महिलाओं ने धक्कामुक्की की.

गुरुवार की रात 12 बजे तक पुलिस और रैंप विरोधियों के बीच तनातनी रही. निर्माण के लिए लाए गए जेसीबी के सामने बार बार आदिवासी संगठन के लोग सामने आ जा रहे थे. इस दौरान काफी हंगामा हुआ. आदिवासी संगठनों का आरोप है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा आदिवासियों को धोखा दिया जा रहा है. सरना स्थल को लेकर रैंप का विरोध समाज के द्वारा किया जा रहा है. लेकिन सरकार पूरे मामले में चुप्पी सादे हुए अब इस मामले को लेकर सरकार का ही विरोध किया जाएगा.

बच्चों का स्कूल में नामांकन व ठहराव बड़ी चुनौती : डीसी

धनबाद, एजेंसी। स्कूल रूआर-2025 को लेकर बुधवार को न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि जिले के 5 से 18 वर्ष के शत-प्रतिशत बच्चों को शिक्षित करना, विद्यालयों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा ड्रॉप आउट कम करना स्कूल रूआर 2025 का उद्देश्य है. स्कूलों में छात्रों की कम उपस्थिति और आठवीं से बच्चियों का ड्रॉप आउट चिंता का विषय है. हर साल अभियान चलने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्र में बच्चियां नामांकन से वंचित रह जा रही हैं. बच्चों व उनके अभिभावकों में जागरूकता लाने के लिए स्कूल प्रबंधन, प्रधानाचार्य, जनप्रतिनिधि व अभिभावकों का योगदान तथा भागीदारी महत्वपूर्ण है. इसे चुनौती के रूप में लेना है.

उन्होंने कहा कि जिले में नामांकन लेने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी आयी है, लेकिन आज भी शतप्रतिशत नामांकन नहीं हो पाया है. आठवीं के बाद बच्चियों के ड्रॉप आउट की संख्या अधिक है. बच्चों को किताब, बैग, जूते, ड्रैस, साइकिल, एमडीएम समेत अन्य सुविधा उपलब्ध करायी जाती है. राज्य सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना भी शुरू की है. स्कूल रूआर 2025 के तहत आगामी 10 मई तक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा. जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आयुष कुमार ने कार्यक्रम की महत्व एवं राज्य कार्यालय द्वारा प्राप्त निर्देश व बच्चों के नामांकन आवश्यक क्यों है, इन सभी बिंदुओं से अवगत कराया. अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार ने पीपीटी के माध्यम से महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रदर्शित किया गया. धन्यवाद ज्ञापन देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने स्कूल रूआर 2025 अभियान के सफल बनाने में बीपीओ सीआरपी एवं बीआरपी के योगदान को महत्वपूर्ण बताया. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, टुंडी विधायक प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद चौधरी, झरिया विधायक के प्रतिनिधि केडी पांडेय, विभिन्न प्रखंड के बीडीओ सहित अन्य लोग मौजूद थे. छह से 14 साल उम्र के आउट ऑफ स्कूल की बात करें तो 50 सेंटर में 268 बच्चे हैं. सबसे अधिक झरिया के छह केंद्र में 57 बच्चे हैं, बलियापुर के पांच सेंटर में 45, गोविंदपुर के 16 सेंटर में 44, बाघमारा के आठ सेंटर में 40, धनबाद के तीन सेंटर में 37, टुंडी के चार में 23, निरसा के तीन में आठ, केलियासोल के एक में छह, पूर्वी टुंडी के तीन में पांच व तोपचांची के एक के तीन है.

14 से 18 साल तक के 519 विद्यार्थी ड्रॉप आउट: 14 साल से 18 साल के आउट ऑफ स्कूल बच्चों की संख्या 519 है. इसमें सबसे अधिक धनबाद के 97 हैं. इसमें गोविंदपुर के 69, बलियापुर के 64, टुंडी के 49, बाघमारा के 41, निरसा के 39, एग्यारकुंड के 37, झरिया के 36, केलियासोल के 32, पूर्वी टुंडी के 30, तोपचांची के 25 विद्यार्थी शामिल है.

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पलामू का अल्पसंख्यक समुदाय, बोले- सेना के साथ हर मुसलमान

पलामू, एजेंसी। कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है. पलामू में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन जारी रहा. अल्पसंख्यक समुदाय इस हमले के विरोध में सड़क पर उतरा और विरोध मार्च किया. इस दौरान हाथ में कैंडल लेकर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई.

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि भारत सरकार, पाकिस्तान पर हमला करे. एक-एक अल्प मुसलमान इंडियन आर्मी के साथ इस हमले में साथ देगा. विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के पूर्व जनरल शहरयार अली ने कहा केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है. कांग्रेस के नेता इस्तीफा मांग रहे है, कांग्रेस की सरकार रहती तो बीजेपी के नेता इस्तीफा मांगते हैं. यह विरोध प्रदर्शन कोई राजनीति के लिए नहीं है.



अल्पसंख्यक समुदाय एक मजबूत संदेश दे रहा है कि भारत की सरकार पाकिस्तान पर हमला करें. हमले में एक-एक मुसलमान भारतीय आर्मी के साथ खड़ा है. कुछ लोगों के द्वारा मामले में गलत तथ्यों को प्रचारित किया जा रहा है. दरअसल मुस्लिम नगर से विरोध प्रदर्शन मार्च निकाला गया, जो मेदिनीनगर शहर के छहमुहान में जाकर समाप्त हुआ. दअरसल पहलगाम आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की मौत हुई थी. इस आतंकी हमले के बाद पूरे देश में प्रदर्शन जारी है. बुधवार को पलामू के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन हुआ. इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए.

नक्सलियों का खतरनाक प्लान आया सामने, 35 पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड से खुला राज

बोकारो, एजेंसी। बीते सोमवार को लुगू पहाड़ पर हुए मुठभेड़ में मारे एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग व उसके सहयोगियों के पास से पुलिस ने 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड बरामद किया है। यहां से दो सैमसंग कंपनी का टैब भी मिला है। बरामद पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड व टैब को पुलिस ने खंगालना शुरू कर दिया है।

मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड से लेकर टैब में लाल आतंक को सींचने के लिए मिलने वाले लेवी का ब्यौरा उपलब्ध है। संगठन के निचले स्तर से लेकर थिंक टैंक का नाम पता समेत अन्य जानकारियां भी इसमें मौजूद हैं।

प्रशिक्षण देने के तरीके भी इसमें बताए गए हैं। संगठन के प्रचार-प्रसार का मैटेरियल भी इसमें



है। बताया जा रहा है कि भविष्य की नक्सली संगठन की योजनाएं भी इसमें दर्ज हैं। पुलिस को इससे मिली जानकारियों के आधार पर नक्सल संगठन के जड़ से उखाड़ने में काफी मदद मिलेगी। लाल आतंक को लेवी देकर आर्थिक मजबूती देने वालों की भी सूची भी इसमें है। इनकी भी नकेल अब पुलिस कस पाएगी।

बताया जा रहा है कि चार घंटे तक नक्सलियों व पुलिस के बीच चली मुठभेड़ में हुई थी। इधर इस बार की भुठभेड़ में एक भी एक-47 राइफल नहीं बरामद हुई। वजह बताई जा रही है कि बीते जनवरी माह में पुलिस की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी। उस समय दो एके-47 राइफल को पुलिस ने बरामद किया था।

एक एके-47 राइफल बिहार के जमुई का रहने वाला नक्सली अरविंद यादव उर्फ अविनाश का था। उस समय के मुठभेड़ में वह अपना यह हथियार छोड़कर भाग निकला था। पुलिस जनवरी में इसके हथियार को बरामद की थी। तबसे स यह एसएलआर राइफल लेकर ही चल रहा था। एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग के पास भी एके-47 राइफल नहीं थी। सुरक्षा बलों से पुलिस के एक-47 राइफलों समेत अन्य उन्नत हथियारों का मुकाबला नक्सली नहीं कर पाए और इन्हें मार गिराया गया। मुठभेड़ के बाद नक्सलियों का 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड पुलिस के हाथ लगा है। इसमें नक्सली संगठन के बारे में कई जानकारियां हैं। प्रशिक्षण, लेवी, प्रचार-प्रसार समेत मनोरंजन से संबंधित मैटेरियल इसमें हैं।

2029 तक 10 लाख लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन का लक्ष्य: शिल्पी नेहा तिर्की

रांची, एजेंसी। रीजनल मिल्क यूनियन के गठन को लेकर रांची के होटवार में जागरूकता सह क्षमता उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया. झारखंड मिल्क फेडरेशन की ओर से आयोजित किए गए कार्यशाला में राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुई. इस कार्यक्रम में राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने कहा कि दूध उत्पादन के क्षेत्र में राज्य लंबी छलांग लगाए, इसके लिए झारखंड मिल्क फेडरेशन को अभी से जुट जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक के लिए उन्होंने राज्य में दूध उत्पादन का नया लक्ष्य 10 लाख लीटर प्रति दिन तय किया है।

रांची के होटवार स्थित मेधा डेयरी के परिसर में आयोजित कार्यशाला में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने श्वेत क्रांति की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज वर्गीज कुरियन के प्रयास और सफलता से हम सभी को सीख लेने की जरूरत है. अपना राज्य झारखंड भी उसी श्वेत क्रांति की राह पर आगे बढ़ रहा है. एक समय में दूध उत्पादन 40 हजार लीटर प्रति दिन था, जो आज बढ़कर 02 लाख लीटर प्रतिदिन से ज्यादा हो गया है. अब 2029 तक 10 लाख लीटर प्रति दिन दूध उत्पादन का लक्ष्य है।



उन्होंने यह भी कहा कि अगले चार साल के बाद जेएमएफ को किसानों के माध्यम से ही संचालित किया जाएगा, क्योंकि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग का सफर 2029 में खत्म होने जा रहा है. ऐसे में राज्य के किसानों और पशुपालकों के कंधों पर बड़ी जिम्मेवारी आने वाली है और इसके लिए उन्हें तैयार रहना होगा. कृषि मंत्री ने कहा कि आज झारखंड मिल्क फेडरेशन का टर्न ओवर 430 करोड़ तक पहुंच गया है, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि कई दूसरे राज्यों में ये आंकड़ा हमसे अधिक का है. कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड के किसानों से मुझे काफी अपेक्षाएं है. अब तक ग्रामीण स्तर पर 170 सोसाइटी का गठन हो चुका है. अब बारी रीजनल स्तर पर सोसाइटी गठन की है. ये एक सेतु के रूप में काम करेगा।

उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य राज्य में सिर्फ दूध उत्पादन को बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि किसानों-पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त करना भी है. किसान कैसे सशक्त होंगे, इस पर काम करने की जरूरत है. झारखंड देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां गो पालक किसानों को 5 रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है. राज्य के किसानों के लिए गठबंधन वाली सरकार का दिल और दरवाजा हमेशा खुला है. सहकारिता एक कानून है जिसके साथ जुड़ना आपका मौलिक अधिकार है।

पांचों प्रमंडल में यूनियन का हो गठनः कांके विधायक

इस कार्यक्रम में शामिल कांके से कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि राज्य की कृषि मंत्री कृषि, दुग्ध उत्पादन, बाजार –हाट के सौंदर्यीकरण को लेकर बेहद गंभीर हैं. राज्य में मांग के अनुरूप दूध का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है. राज्य के सभी 5 प्रमंडल में यूनियन का गठन कर इसे और बेहतर बनाया जा सकता है. कांग्रेस विधायक ने कहा कि जहां एक ओर केंद्र की भाजपा सरकार किसान विरोधी है, वहीं उनके नेता राहुल गांधी और राज्य में चल रही इंडिया गठबंधन की सरकार, किसानों के हितों की रक्षा करने वाली है। राज्य के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता सचिव अबू बकर सिद्दिकी ने कहा कि आज राज्य के सभी 24 जिलों में झारखंड मिल्क फेडरेशन काम कर रहा है. जेएमएफ में किसानों की सहभागिता बढ़ाने और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है. एनडीडीबी से अलग होने तक जेएमएफ को अपने बूते आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से कमर कस लेना होगा. इस मौके पर मेधा डेयरी के डायरेक्टर ने तुलनात्मक रूप से पिछले कुछ वर्षों की तुलना में बेहतर काम करने की रिपोर्ट कार्यशाला में पेश की. मंच से बेहतर काम करने वाले तीन समितियों को पुरस्कृत भी किया गया.

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 25-04-2025 22:12 Page 1

नमाज के बाद लगे पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

मुसलमानों ने पाकिस्तान को दिया कड़ा संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में पाकिस्तान के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहा है। एक तरफ जहां हिंदूवादी संगठनों द्वारा लगातार प्रदर्शन और कैंडल मार्च निकाला जा रहा था। वहीं, अब इस कड़ी में मुसलमानों ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया गया है।

दरअसल, यह पूरा वाकया मंसूरचक प्रखंड से सामने आया है। जहां जुमे के नवाज के बाद मुसलमानों ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। साथ ही बॉर्डर पार आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की मांग केंद्र सरकार से की। बता दें कि कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों की हत्या के बाद देशभर में गुस्सा है। बेगूसराय के मंसूरचक प्रखंड में जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि उन्हें बॉर्डर पर भेजा जाए। कहा, हम 100 प्रतिशत नहीं,



200 प्रतिशत रिजल्ट देंगे।

लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से पाकिस्तान पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। कहा कि पहले पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद सुरक्षा बलों को निशाना बनाता था। अब पर्यटकों पर हमला कर रहा है। यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत सरकार को पाकिस्तान को उसकी औकात दिखानी चाहिए। पुतला दहन के बाद प्रदर्शनकारियों ने 'पाकिस्तान मुदाबांद' और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए। लोगों ने कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए वे हर बलिदान देने को तैयार हैं।

झारखण्ड में अब शिक्षकों की बढ़ेगी टेंशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। शिक्षकों द्वारा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर लगातार तीन दिन देर से उपस्थिति बनाने पर इसे एक आकस्मिक अवकाश के रूप में गिना जाएगा।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस व्यवस्था को 80 उत्कृष्ट विद्यालयों (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) तथा प्रखंड स्तरीय 325 आदर्श विद्यालयों में लागू की है।विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने इन विद्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें यह व्यवस्था लागू किए जाने की बात कही गई है।

शिक्षा सचिव ने इन विद्यालयों में सीबीएसई तथा झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के मानक के अनुरूप बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

इसे लेकर उन्होंने प्रत्येक माह 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले बच्चों की पहचान कर प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थिति बढ़ाने को लेकर बच्चों के अभिभावकों को पत्र लिखे जाने के निर्देश दिए हैं।

सचिव ने पहले एवं दूसरे शनिवार को क्विज, पेंटिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि अतिरिक्त गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं।

उत्कृष्ट एवं आदर्श विद्यालयों में आठवीं से 12वीं तक समेटिव असेसमेट-1 परीक्षा सितंबर तथा समेटिव असेसमेंट-2 परीक्षा मार्च माह में लिया जाएगा। वहीं, पहले से सातवीं कक्षाओं के लिए ये परीक्षाएं जेसीईआरटी द्वारा संबंधित स्कूल में ही ली जाएगी।

हालांकि, मूल्यांकन दूसरे स्कूलों के शिक्षक करेंगे। 10वीं एवं 12वीं प्री बोर्ड-1 परीक्षा दिसंबर तथा प्री बोर्ड-2 परीक्षा जनवरी माह में होगी।

सचिव ने बच्चों के बेहतर परिणाम को लेकर भी कई निर्देश दिए हैं।

साधु दंपत्ति की लाश बरामद, छानबीन शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बगहा । वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के जंगल के किनारे स्थित ठाड़ी रेता में साधु दंपती की हत्या कर शवों को फेंक दिया गया। बदमाशों ने साधु के बाल उखाड़ दिए थे। वहीं, महिला की आंखें फोड़ी गई थी। चेहरा भी बुरी तरह कुचल दिया था। पुलिस ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे शवों को बरामद किया। इनकी पहचान ठाड़ी निवासी बोधन महतो (70) और उनकी पत्नी भागवती देवी (65) के रूप में हुई। दोनों पांच साल से रेता में गंडक नदी किनारे जंगल के बीच एक कुटिया बनाकर रहते थे। साथ ही दियारा की जमीन पर खेती भी करते थे। दोनों मंगलवार से लापता थे।

बगहा एसडीपीओ कुमार देवेंद्र ने बताया कि बोधन महतो का शव नदी के बीच ठोकर पर और भगवती देवी का शव नदी किनारे जंगल क्षेत्र में पड़ा था। दोनों पति-पत्नी थे। प्रतीत हो रहा है कि दो -तीन दिन पहले हत्या कर दी गई। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

घटना का कारण अभी साफ नहीं सका है। वैसे दंपती के पुत्र अशोक ने बताया कि हत्या रंजिश में की गई है। कोरोना काल में पट्टीदार और नेपाल निवासी सीताराम चौधरी ने जहर खिलाकर मारने की कोशिश की थी।

उन्होंने बताया कि माता-पिता के गायब होने की सूचना ठाड़ी गांव स्थित एसएसबी के अलावा पुलिस को दी थी। इस बीच गुरुवार की सुबह नदी में मछली पकड़ने गए कुछ मछुआरों के साथ खेतीबारी करने गए किसानों ने शवों को देखा। इसके बाद पुलिस और ग्रामीणों को सूचना दी। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच की। आशंका है कि हत्या के बाद बदमाश नदी के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर गए।

चलाया गया जागरूकता अभियान

शिवाजीनगर। प्रखंड के पीएचसी द्वारा मलेरिया बीमारी से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रभारी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी अमित कुमार के अध्यक्षता में मलेरिया बीमारी के लक्षण एवं बचाव को लेकर जानकारी दी गयी। प्रभारी ने बताया कि विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही मलेरिया बीमारी से बचाव है। घरों के आसपास साफ सफाई रखें ,जल जमाव न होने दें और मच्छरदानी का उपयोग करें। जागरूकता अभियान के दौरान रोकथाम को लेकर उपस्थित डाक्टरों ने अपना अपना विचार रखा। मौके पर पीएचसी प्रभारी अमित कुमार, डा डी के पांडे,स्वास्थ्य प्रबंधक मो अमानुल्लाह, यूनिसेफ बीएमसी बिक्रम कुमार चौधरी, ब्लॉक अनुश्रवण अमोद ठाकुर, लिपिक दीपक कुमार, फार्मासिस्ट बीरेंद्र कुमार, एनएम सुमन कुमारी, एस टी एफ सचिन कुमार अनारूल हुक ,आदि थे।

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा बच्चों को दी गयी शिक्षण सामग्री



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। बैंक ऑफ इंडिया बहेरी शाखा द्वारा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कलवारा के कक्षा एक से पांच तक के छात्र-छात्राओं के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें औजार बॉक्स और अन्य शिक्षण सामग्री शामिल थे।

शिक्षण सामग्री पाकर विद्यालय के छात्र-छात्रा काफी खुश थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक बाल मुकुंद सिंह ने शाखा प्रबंधक विवेक चंद्र को आभार व्यक्त किया। मौके पर प्रधानाध्यापक बाल मुकुंद सिंह बैंक कर्मी राम दयाल महतों,शिक्षक रमनजी मंडल, मिनुतुल्लाह रहमानी, सुरेंद्र मांझी,उदय कुमार सिंह, दीपक कुमार,राहुल कुमार, संतोष कुमारी ,कुमारी अनीसा, सैल कुमारी, नवजोत कौर, कामनी कुमारी, संगीता कुमारी,प्रेम कुमार उपस्थित थे।

प्रशांत किशोर ने जनसभा को किया सम्बोधित, मांगा वोट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जनसुराज यात्रा के तहत प्रशांत किशोर शुक्रवार को नवादा पहुंचे। हिसुआ प्रखंड के जीवन पब्लिक स्कूल मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में हजारों लोग जुटे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम वोट मांगने नहीं आए हैं। हमने जिस पार्टी जिस नेता के लिए काम किया, अपना कंधा लगाया वह सब आज बड़े नेता बन चुके हैं। देश में 10 राज्यों में मुख्यमंत्री बनाया।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार इन सभी के लिए अपना कंधा लगाया। मेरे दादा जी मजदूरी करते थे और मेरे पिताजी सरकारी डॉक्टर थे। मैं भी सरकारी स्कूल में वहीं बोरा वाला स्कूल में पढ़कर यहां तक पहुंचा हूं। मैं अपनी सुख सुविधा छोड़कर बिहार के बच्चों के भलाई के लिए, बिहार में



बदलाव के लिए गांव-गांव घूम रहा हूं। उन्होंने कहा कि आप इतने दिनों से वोट कर रहे हैं, आपके बच्चे का आज तक नहीं बदला। आपने 15 साल लालू और 19 साल से नीतीश कुमार और भाजपा को वोट किया। बिहार के बच्चों को क्या मिला है। आप सभी अपने बच्चों के खुशहाली के लिए अपने लिए वोट करें। उन्होंने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनवाने से लेकर जमीन की रसीद कटवाने तक के लिए रिश्वत लेते हैं। आम लोग परेशान हैं। अगली बार वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं, अपने बच्चों का चेहरा देखकर दें। प्रशांत किशोर ने कहा कि हिसुआ की जनता को अब ऐसे नेताओं को वोट नहीं देना चाहिए जो उन्हें और उनके बच्चों को लूटते हैं। उन्होंने कहा कि अगली बार वोट देकर बिहार में जनता का राज स्थापित करें।

सभा में उन्होंने रोजगार और शिक्षा को लेकर बड़े ऐलान किए। कहा कि इस साल छठ के बाद नवादा के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की नौकरी के लिए घर-परिवार छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें बिहार में ही रोजगार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। साथ ही कहा कि जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं होता, तब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं। उनकी फीस सरकार भरेगी। ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके। प्रशांत किशोर के नवादा पहुंचने पर पकरीबराबां चौक, बाघी बरडीहा मोड़, रोह मोड़, प्रजातंत्र चौक, भगत सिंह चौक, धर्मशिला मोड़, सद्भावना चौक और हिसुआ मोड़ पर लोगों ने उनका स्वागत किया।

फरार पुलिसकर्मियों की बन रही सूची, होगी बर्खास्तगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। काफी दिनों से फरार चल रहे पुलिसकर्मियों को पुलिस सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। इस दिशा में तेजी से कार्रवाई को लेकर रणनीति तैयार की गई है। इसके तहत फरार पुलिसकर्मियों की खोज शुरू कर दी गई है, ताकि सख्ती से कार्रवाई की जा सके।

इसके लिए तिरहुत रेंज के चारों जिलों में फरार पुलिसकर्मियों की सूची बनाई जा रही है। फिर इन सभी को पुलिस सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। विदित हो कि सिवाईपट्टी थाने में तैनात एएसआई रामप्रवेश प्रसाद करीब चार महीने से बिना सूचना के फरार है।

कई महत्वपूर्ण केसों का उनके पास प्रभार है। उनके फरार रहने के कारण करीब तीन दर्जन से अधिक केसों का जांच प्रभावित हो रहा है। इससे पीड़ितों को न्याय मिलने में विलंब हो रहा है। पीड़ित न्याय के लिए वरीय अधिकारियों के दफ्तरों का चक्कर लगा रहे हैं।

इसी में सिवाईपट्टी इलाके के एक पीड़ित ने तिरहुत रेंज के डीआईजी चंदन कुमार कुशवाहा से एक केस में पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं करने की शिकायत की। इस पर संज्ञान लेते हुए डीआईजी ने उस क्षेत्र के वरीय पुलिस पदाधिकारी को कार्रवाई का निर्देश दिया।

तभी यह मामला सामने आया कि उक्त एएसआई करीब चार महीने से थाने से फरार है। मामले में एसएसपी के द्वारा निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है। उस पर विभागीय कार्यवाही भी की जा रही है। फिर भी एएसआई पुलिस लाइन में उपस्थित नहीं हो रहे है।

ऐसी भी सूचना मिली है कि इस तरह से अन्य जिलों में भी कई पुलिसकर्मी है, जो काफी दिनों से फरार है। इस पर डीआईजी ने संज्ञान लेते हुए कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही बताते हुए सख्ती से कार्रवाई करने को कहा है। ऐसे पुलिसकर्मियों पर निलंबन के बाद बर्खास्तगी की कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

सिवाईपटटी थाने के उक्त एएसआई के उपस्थित नहीं होने के कारण अब मजिस्ट्रेट की तैनाती कराकर उनके फ्लैट का ताला तोड़वा जाएगा।

राज्य में 14,000 किमी ग्रामीण पथों का होगा निर्माण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत 38 जिलों में 100 या इससे अधिक आबादी वाली छूटी सभी बसावटों को सरकार अपने खर्च पर एकल संपर्कता प्रदान करेगी।

मंत्रिमंडल ने ग्रामीण कार्य विभाग के एक प्रस्ताव के बाद पूर्व से एनडीबी की वित्तीय सहायता से कुल 8283 किलोमीटर ग्रामीण पथों के क्रियान्वयन आदेश में संशोधन करते हुए निर्णय है कि 14,000 किमी ग्रामीण पथों का निर्माण एवं सतत अनुरक्षण कार्य सरकार अपने संसाधन से कराएगी।

मंत्रिमंडल ने सभी नगरपालिका क्षेत्रों में न्यूनतम 12.20 मीटर चौड़ी सड़कों से सटे भूखंड पर आम सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल पंप, फिलिंग स्टेशन की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। इसमें पटना महायोजना क्षेत्र भी शामिल है।

इतनी चौड़ी सड़क होने पर ही अब पेट्रोल पंप व फिलिंग स्टेशन की अनापत्ति व अनुमति मिल सकेगी। अब तक पटना महानगर क्षेत्र के तहत राष्ट्रीय उच्च पथ, राज्य उच्च पथ और न्यूनतम 30 मीटर चौड़ी सड़कों से सटे भूखंड पर ही पेट्रोल पंप स्थापना की अनुमति थी।

मंत्रिमंडल ने वैशाली के बाबा गणिनाथ पलवैया धाम मेला व अररिया के बाबा सुंदरनाथ धाम (सुंदरी मठ) मंदिर मेला को बिहार राज्य मेला प्राधिकार के प्रबंधन में शामिल करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया है।

इसके अलावा खगडिय़ा के परबत्ता प्रखंड में आयोजित होनेवाले चैती दुर्गा पूजा मेला महद्दीपुर को बिहार राज्य मेला प्राधिकार के प्रबंधन के अंतर्गत शामिल करने की स्वीकृति भी दी गई है।

साथ ही बिहार में पहली बार आयोजित होनेवाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के आयोजन के लिए 119.4 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए हैं।

ग्रामीण पथों के एलाइनमेंट में निर्बाध संपर्कता के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के प्रविधानों में संशोधन का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। इसके तहत 100 मीटर से लंबे पुलों का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग कार्य विभाग एवं 100 मीटर से लंबे पुलों का रखरखाव पुल निर्माण निगम के माध्यम से कराया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा में भारत सरकार के प्रविधानों के तहत राज्याधीन सेवाओं में कार्यरत बेंच मार्क दिव्यांगजनों को प्रोन्नति में चार प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को मान्यता देने का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया है।

मंत्रिमंडल ने इंदिरागांधी हृदय रोग संस्थान चिकित्सा सेवा (संशोधन) नियमावली -2023 में संसोधन का प्रस्ताव स्वीकृत किया है।

लक्ष्मीपुर को पहला तो हसपुरा को मिला दूसरा स्थान

सरकार ने की रैंकिंग जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नीतीश सरकार की ओर से बिहार के अंचल कार्यालयों के काम करने के आधार पर मार्च महीने की रैंकिंग जारी कर दी गई है। इसमें जमुई के लक्ष्मीपुर अंचल कार्यालय को पहला, औरंगाबाद के हसपुरा को दूसरा तथा बांका के बाराहाट को तीसरा स्थान मिला है। जबकि फरवरी में पहले स्थान पर सारण का नगरा और दूसरे स्थान पर औरंगाबाद के हसपुरा अंचल कार्यालय था। दरअसल, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा नियमित रूप से मुख्यालय स्तर से, अंचल कार्यालयों से लेकर जिलों तक किये जा रहे राजस्व कार्यों की समीक्षा की जाती है। इसी क्रम में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा मार्च माह में राज्य के सभी 534 अंचल कार्यालयों की समीक्षा कर रैंकिंग जारी की गई है।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा बताया गया कि अंचल कार्यालयों की रैंकिंग परिमार्जन प्लस, म्यूटेशन, अभियान बसेरा-2, आधार सीडिंग की स्थिति इत्यादि के आधार पर की जाती है। रैंकिंग में अंचल कार्यालयों को म्यूटेशन पर 20 अंक, परिमार्जन प्लस पर 25 अंक, अभियान बसेरा-2 पर 15 अंक, आधार सीडिंग पर 2.5 अंक, ऑनलाइन एलपीसी पर 2.5 अंक, ई मापी पर 15 अंक, अतिक्रमणवाद निबटारे पर पांच अंक, जमाबंदी पर पांच अंक और सरकारी जमीन की इंट्री और वेरीफिकेशन पर 10 अंक दिये जाते हैं। इनमें सबसे अधिक अंक परिमार्जन प्लस पर मिलते हैं। इस आधर पर लक्ष्मीपुर अंचल कार्यालय को 100 में 91.61 अंक मिले हैं तो दूसरे नंबर पर रहे हसपुरा को 91.39 अंक और तीसरे नंबर पर रहे बाराहाट को 90.07 अंक मिले हैं।

उपभोक्ता आयोग ने शाहरूख खान को भेजा नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिला उपभोक्ता आयोग में डुमरांव ठठेरी बाजार के एक व्यक्ति ने आदित्य बिड़ला एवं बायजू शिक्षण संस्थान के विरुद्ध 45 लाख रुपया हर्जाना का आवेदन देते हुए परिवाद पत्र दाखिल किया है।

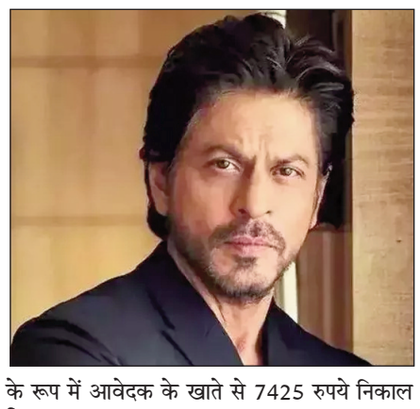
इस मामले में उपभोक्ता आयोग ने नामजदों के साथ ही संस्थान के प्रचारक सिने स्टार शाहरुख खान को भी नोटिस जारी किया है।

इस संबंध में जानकारी देते परिवादी डुमरांव के ठठेरी बाजार निवासी परिवादी मनोज कुमार सिंह के अधिवक्ता डॉ. विष्णुदत्त द्विवेदी ने बताया कि परिवादी अपनी पुत्री के आनलाइन पढ़ाई के लिए बायजू नामक शिक्षण संस्थान में नामांकन कराया था।

संस्थान के नियमानुसार, परिवादी को 10 हजार रुपये डाउन पेमेंट करना था तथा शेष राशि का भुगतान आदित्य बिड़ला फाइनेंस के द्वारा किया जाना था।

कंपनी के नियमानुसार, पढ़ाई ठीक नहीं लगने पर किस्त की राशि काटकर डाउन पेमेंट की शेष राशि वापस लौटाने का वादा किया गया था।

पढ़ाई पसंद नहीं आने पर आवेदक ने जब अपना नामांकन रद्द कर पैसा लौटाने का अनुरोध किया तो विपक्षियों ने आश्वासन देकर टरका दिया पर पैसे वापस नहीं किए और उल्टे एक महीने की इएमआई की राशि



के रूप में आवेदक के खाते से 7425 रुपये निकाल लिए।

मामले में आवेदक के परिवाद पत्र दाखिल करने के बाद उपभोक्ता आयोग ने न सिर्फ आदित्य बिड़ला और शिक्षण संस्थान को दोषी पाया, बल्कि संस्थान के ब्रांड एंबेस्डर मशहूर सिने स्टार शहरुख खान को भी नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत दोषी पाते हुए नोटिस भेजा है। क्योंकि सेलिब्रिटी की यह जिम्मेवारी है कि जिस विज्ञापन में वे दिखाई दे रहे हैं वह भ्रामक दावों से मुक्त हो।

एयरपोर्ट निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय बनाने के लिए बिहार की सरकार ने 90 एकड़ जमीन के अधिग्रहण को लेकर 245 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट होने के लिए रनवे का साइज 12 हजार फीट होना अनिवार्य बताया जा रहा है। बिहार सरकार 245 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने की पुष्टि डीएम राजीव रौशन ने किया है।

बताया जाता है कि दरभंगा एयरपोर्ट के विस्तार और नए टर्मिनल को लेकर इंडियन एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अक्टूबर 2024 में रनवे विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दिया था। दरभंगा एयरपोर्ट पर नए भवन टर्मिनल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसी कड़ी में अब इस एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय बनाने की दिशा में भी तेजी से काम होने लगा है, जिसका ताजा उदाहरण है बिहार की सरकार ने रनवे के विस्तार के लिए 90 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को लेकर कैबिनेट से 245 करोड़ रुपये की प्रशासनिक देकर भूमि अधिग्रहण करने के काम मे तेजी लाने को कहा गया है।

इस संबंध में डीएम राजीव रौशन ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से निर्दश मिला है कि 90 एकड़ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरा किया जाय।

राज्य सरकार के निर्देश पर भूमि अधिग्रहण की दिशा में कार्यवाई शुरू कर दी गई है। 90 एकड़ भूमि अधिग्रहण हो जाने के बाद 12 हजार फीट लंबा रनवे हो जाएगा। जो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए मानक होता है। अभी जो हम लोगों जो जमीन अधिग्रहण करना है, उसके लिए हम लोगों ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। शीघ्र ही अधिघोषण होने के बाद जमीन मालिकों को मुआवजे की राशि का भुगतान कर दिया जाएगा।

एसएचओ, सर्किल इंसपेक्टर सहित दस पुलिसकर्मियों पर चला प्रशासन का डंडा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजीवनगर के मोबाइल दुकानदार को बेवजह परेशान करने और जबरन पांच मोबाइल रखने के आरोप में अंचल निरीक्षक, राजीवनगर थानाध्यक्ष समेत दस पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

बिहार पुलिस मुख्यालय ने इस सभी आरोपित पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। आवेदक विनोद कुमार सिंह ने इस बाबत डीजीपी विनय कुमार को आवेदन देकर जांच की मांग की थी। पुलिस मुख्यालय के स्तर से कराई गई जांच में आरोप सही पाया गया।

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, राजीव नगर थाने के द्वारा संदेह के आधार पर एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर थाने की पुलिस ने आवेदक के दुकान पर छापेमारी की और उसके बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया।

इस दौरान बिना जब्ती सूची बनाए काफी संख्या में मोबाइल फोन दुकान से लिया गया। बाद में राजीवनगर थाने की पुलिस टीम ने पांच कीमती मोबाइल अवैध ढंग से रख लिया गया, जबकि तीन



मोबाइल की जब्ती सूची बनाकर शेष मोबाइल दुकानदार को वापस दे दिए गए।

छापेमारी के आरंभ में चोरी होने के संदेह पर जो दो मोबाइल और मोटरसाइकिल जब्त की थी, उसका भी कोई अनुसंधान नहीं किया गया।

आवेदक की दुकान से जिन तीन मोबाइल को जब्त किया गया था, वह भी चोरी के नहीं पाए गए। इसके बावजूद थाना पुलिस ने आवेदक के पुत्र सहित सभी के विरुद्ध बिना किसी साक्ष्य के आरोप-पत्र समर्पित कर दिया गया।

अंचल निरीक्षक गौतम कुमार, राजीवनगर थानाध्यक्ष नीरज कुमार, दारोगा शंभूशंकर सिंह, दारोगा श्याम नारायण सिंह, सिपाही अनिल कुमार, सिपाही ब्रजकिशोर प्रसाद, सिपाही हरिश्चंद्र सिंह, सिपाही प्रभाश कुमार पासवान, सिपाही ओमप्रकाश और चालक बालकिशोर यादव।

युवक का शव बरामद

बेगूसराय। जिले में एक युवक का शव केलाबारी से बरामद होते ही इलाके में कोहराम मच गया। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के खरीदी गांव की है। जहां गुरुवार रात शादी समारोह में भोज खाने के लिए निकले युवक का शव शुक्रवार को गांव के बाहर केला बागान से संदिग्ध अवस्था में बरामद हुआ।

बताया जा रहा है कि खरीदी गांव निवासी लक्ष्मी राम का 28 वर्षीय पुत्र डब्लू राम गुरुवार रात करीब 7:30 बजे अपनी पत्नी को शादी में भोज खाने की बात कहकर निकला था। उसी रात करीब 8:30 बजे अपनी पत्नी से फोन पर बात हुई थी। उसके बाद वह न घर वापस आया न ही उसका फोन रिसीव हो सका। इसी बीच शुक्रवार सुबह गांव के बाहर केला बागान में उसका शव बरामद हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी सदर डीएसपी-2 मटिहानी थाना पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटे हैं।

मिट्टी खोदकर शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में घर से दो दिन से गायब एक किशोरी का शव मिट्टी खोदकर बरामद किया गया है। वह दो दिन से गायब थी और परिजनों को अनहोनी की आशंका थी। मामला बेनीबाद थाना क्षेत्र इलाके का है। गायब किशोरी का शव नदी के पास मिट्टी से खोदकर बरामद किया गया है।

वहीं, शव बरामद होने की जानकारी के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया गया है कि बेनीबाद थाना क्षेत्र के पिरौंछा गांव से दो दिनों से किशोरी गायब थी और उसकी बरामदगी को लेकर परिजन उसकी खोजबीन में लगे हुए थे। इसी दौरान मृतका की बहन ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन की हत्या कर शव को नदी के पास की मिट्टी में गाड़ दिया गया है और जिसके बाद सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा है। परिजनों ने इसको लेकर गांव के कुछ लोगों पर हत्या किए जाने की भी आशंका जताई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: ईएलआईएन/टीआरएस/रिपेयरिंग/गीयर केस/डब्ल्यूएजी7/25-26, दिनांक 24.04.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/टीआरएस, इस्पातनगर, झारखण्ड-827010, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सं.: ईएलआईएन-टीआरएस-आरईपी-गीयरकेस-25; कार्य का नाम:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, इस्पातनगर के डब्ल्यूएजी7 विद्युत रेल इंजनों की गीयर गेस असेम्बली की दो वर्षों की अवधि के लिए मरम्मत/पुनरुद्धार। **मात्रा:** निविदा दस्तावेज की अनुसूची के अनुसार। **शेड/स्थान का नाम:** इलेक्ट्रिक लोको शेड/इस्पातनगर, दक्षिण पूर्व रेलवे। **निविदा मूल्य:** रु. 24,75,417.60; **बयाना राशि:** रु. 49,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** 24 (चौबीस) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 16.05.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। निविदा दस्तावेज का विवरण ई-निविदा पोर्टल एवं आईआरईपीएस वेबसाइट के यूआरएल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **(PR-79)**

राज्य के प्रत्येक पंचायत में स्थापित होंगे कस्टम हायरिंग सेन्टर : विजय कुमार सिन्हा

लघु एवं सीमांत किसानों को मिलेगा आधुनिक कृषि यंत्रों का लाभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा कृषि रोड मैप के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक पंचायत में कस्टम हायरिंग सेन्टर (सीएचसी) की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य लघु एवं सीमांत किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों की सुविधा उपलब्ध कराना है ताकि वे समय पर खेती से जुड़ी सभी आवश्यक क्रियाएं कर सकें। इससे खेती में लागत घटेगी, श्रम की बचत होगी और कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कस्टम



हायरिंग सेन्टर की स्थापना से किसानों को ट्रैक्टर चालित या स्वचालित यंत्र जैसे जुताई, बुआई, रोपनी, हार्वेस्टिंग और थ्रेसिंग के लिए उपकरण किराये पर मिल सकेंगे। इससे वे बिना भारी निवेश किए आधुनिक तकनीकों का लाभ उठा पाएंगे। इन सेन्टरों से विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसान लाभान्वित होंगे जो अब तक संसाधनों के अभाव में आधुनिक खेती से वंचित रह जाते थे।

उन्होंने कहा कि एक कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना हेतु अधिकतम 10 लाख रुपये की लागत निर्धारित की गई है। इस परियोजना में स्थानीय फसल चक्र के अनुसार प्रत्येक आवश्यक कृषि क्रिया के लिए कम से कम एक यंत्र लेना अनिवार्य है। राज्य सरकार इस लागत पर 40 प्रतिशत या अधिकतम 4 लाख रुपये का अनुदान दे रही है जिससे किसानों और किसान समूहों को आर्थिक सहायता मिलेगी और वे सुगमता से इस योजना से जुड़ सकेंगे। श्री सिन्हा ने कहा कि इस योजना का लाभ प्रगतिशील कृषक, जीविका समूह, ग्राम संगठन, क्लस्टर फेडरेशन, आत्मा से संबद्ध फार्मर इंटरेस्ट ग्रुप, नाबार्ड या राष्ट्रीयकृत बैंकों से संबद्ध किसान क्लब, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), किसान उत्पादक कंपनी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और पैक्स द्वारा लिया जा सकता है। अब तक कुल 950 कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना राज्य भर में की जा चुकी है। आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 267 नए सेन्टर स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सहरसा के मध्य वन-वे स्पेशल का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी सुविधा के मद्देनजर लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सहरसा के लिए एक वन-वे स्पेशल का परिचालन किया जा रहा है। यह वन-वे स्पेशल लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 27 अप्रैल, 2024 को परिचालित की जायेगी। गाड़ी सं. 01019 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सहरसा वन-वे स्पेशल लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 27.04.2025 रविवार को 10.30 बजे खुलकर सोमवार को 15.00 बजे पं.दीनदयाल उपाध्याय जं., 18.15 बजे पाटलिपुत्र, 19.05 बजे हाजीपुर, 21.00 बजे मुजफ्फरपुर, 22.05 बजे समस्तीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए मंगलवार को 02.15 बजे सहरसा पहुंचेगी।

बिहार अब उपभोक्ता नहीं, उत्पादक राज्यों में शुमार : मंटू

अब बिहटा में बनी सोलर लाइट और आईटी उत्पाद की होगी देश-दुनिया में आपूर्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहारवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। वर्षों से राज्य में निवेश का इंतजार अब खत्म हो चुका है। राज्य के सूचना प्रावैधिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने शुक्रवार को राजधानी पटना के समीप बिहटा के सिकंदरपुर गांव में निर्माणाधीन आईटी पार्क में देश की दो बड़ी कंपनियों लेक्सा लाइटिंग टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और आईटी के क्षेत्र में प्रतिष्ठित बेंचमार्क इन्फोटेक की अधारशिला रख दी है। इस मौके पर राज्य के सूचना प्रावैधिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने कहा कि अब बिहार केवल उपभोक्ता राज्य नहीं बल्कि उत्पादक राज्यों की श्रेणी में शामिल हो चुका है। इस आधारशिला कार्यक्रम में राज्य के सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह के साथ लेक्सा लाइटिंग टेक्नोलॉजी के चारों निदेशक और आईटी विभाग के विशेष सचिव अरविन्द कुमार चौधरी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के आईटी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने कहा कि अब बिहार की धरती से उत्पादित सोलर लाइट और आईटी से जुड़े उत्पाद न सिर्फ देशभर में बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका विभाग इस निवेश के लिए पिछले दो वर्षों से प्रयास कर रहा था। इस निवेश से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इन दोनों कंपनियों में पांच सौ से भी अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। इस मौके पर राज्य के सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने बिहटा के आईटी पार्क में निवेश करने वाली कंपनियों के लिए सरकार की नई आईटी नीति के तहत कई तरह की सुविधाओं और सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईटी मंत्री श्री मंटू ने कहा कि जिस दिन बिहटा के आईटी पार्क में सौ कंपनियां काम शुरू कर देंगी, उस दिन बिहार के लाखों युवाओं को उनके ही राज्य में रोजगार उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए उन्होंने उन बिहटावासियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपनी जमीन इस आईटी पार्क के निर्माण के लिए दी है। उन्होंने कहा कि बिहटा के स्थानीय लोगों को यहां रोजगार में प्राथमिकता दी जाएगी। आईटी मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के सभी जिलों में औद्योगिक पार्क का निर्माण कर रही है, ताकि स्थानीय लोगों को उनके जिले में ही रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम को लेक्सा लाइटिंग के निदेशक रोनाल्ड सिल्वन डिसूजा, विनीत कुमार गुप्ता और मुकेश अग्रवाल ने भी संबोधित किया। लेक्सा के निदेशकों ने बिहार सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बहुत जल्द ही बिहार में बनी सोलर लाइट देश और दुनिया में जगमाएगी।

रचनात्मकता और नवाचार की सुरक्षा आवश्यक : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस की पूर्व संध्या पर बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह दिवस रचनाकारों, वैज्ञानिकों, कलाकारों और नवाचारियों के अधिकारों की रक्षा और उनकी मेहनत का सम्मान सुनिश्चित करने का प्रतीक है। डॉ. कुमार ने कहा कि वर्ष 1967 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना के साथ ही बौद्धिक संपदा के महत्व को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली। इसके बाद से हर वर्ष 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के रूप में मनाया



जाता है जिससे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन जैसे अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता फैलाई जा सके। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा कानून के तहत लेखक, कवि, आविष्कारक, डॉक्टर, कलाकार, बीज और दवाएं बनाने वाले वैज्ञानिकों को उनके कार्य का विधिक संरक्षण मिलता है। साथ ही वैश्विक बाजार में उन्हें उनके प्रयासों का उचित मूल्य भी मिल पाता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज की दुनिया में नवाचार और रचनात्मकता विकास के प्रमुख आधार हैं। ऐसे में इनकी रक्षा करना और इसके प्रति समाज को जागरूक बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी रचनात्मक और बौद्धिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को इस अवसर पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिजली में अनुदान से ग्राहकों को मिलेगी बड़ी राहत

अनुदान के तौर पर 15 हजार 995 करोड़ रुपए की दी गई स्वीकृति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य सरकार ने मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के अंतर्गत 15 हजार 995 करोड़ रुपये अनुदान की स्वीकृति दी गई है। इससे उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर बिजली मुहैया कराने में सहूलियत होगी। वित्तीय वर्ष 2017-18 से बिहार विद्युत विनियामक आयोग की तरफ से लागत आधारित बिजली दरें निर्धारित की जा रही हैं। राज्य सरकार के स्तर से इन दरों के अनुपात में उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली देने के लिए प्रतिवर्ष अनुदान की व्यवस्था की जाती रही है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 15 हजार 343 करोड़ रुपए की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की राशि में 4 फीसदी की वृद्धि की गई है।

इस अनुदान से राज्य के सभी विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ होगा। ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू उपभोक्ताओं की स्लैब दरों (0-50 यूनिट एवं 50 यूनिट से ऊपर) को समाप्त कर सभी यूनिट पर अब न्यूनतम दर लागू की गई है। 50 यूनिट से अधिक खपत करने वाले इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 54 पैसे की राहत मिलेगी। इससे राज्य के लगभग 1 करोड़ 25 लाख ग्रामीण उपभोक्ताओं को लाभ होगा। इसी तरह स्मार्ट प्री-पेड मीटर के माध्यम से बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट की अतिरिक्त रियायत दी जाएगी।

कृषि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को विशेष प्राथमिकता

इस योजना के तहत कृषि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को विशेष प्राथमिकता दी गई है। अब कृषि उत्पाद भंडारण के लिए कोल्ड स्टोरेज की कृषि दर पर अर्थात सिर्फ 55 पैसे प्रति यूनिट पर विद्युत आपूर्ति की जाएगी। इससे भंडारण लागत में कमी आएगी और आम जनता को सस्ती दर पर कृषि उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि उपभोक्ताओं के लिए निर्धारित दर से 92 फीसदी अनुदान दिए जाने से उन्हें 55 पैसे प्रति यूनिट का भुगतान करना पड़ेगा।

बीपीएल परिवार को खास राहत

बीपीएल (कुटीर ज्योति) परिवारों के लिए बिजली की न्यूनतम दर 1.97 रुपए प्रति यूनिट, ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 2.45 रुपए, व्यावसायिक (ग्रामीण) के लिए 3.35 रुपए, शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 4.12 रुपए, हर घर नल का जल के लिए 2.45 रुपए, लघु उद्योगों के लिए 6.00 रुपए तथा वृहद उद्योगों के लिए 6.40 रुपए प्रति यूनिट न्यूनतम दर तय की गई है।

ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से जनता से किए गए निर्बाध, गुणवत्ता पूर्ण एवं सस्ती बिजली के वादे को लगातार निभाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली के उत्पादन, संचरण एवं वितरण में बढ़ती लागत के कारण निर्धारित विद्युत दर काफी अधिक होती है जिससे अधिकांश हिस्से को राज्य सरकार की तरफ से अनुदान के रूप में वहन कर लिए जाने से उपभोक्ताओं को बहुत सस्ते दर पर बिजली मुहैया कराई जा रही है। मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी सोच का जीवंत प्रमाण है। इस योजना से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के करोड़ों उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि हर घर तक किफायती, गुणवत्तापूर्ण और निरंतर बिजली पहुंचे जिससे बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिले।

टीकेएम ने पर्यावरणीय स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पृथ्वी दिवस पर जब पूरी दुनिया हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम के तहत एकजुट हो रही है, हमें याद आता है कि हमारे पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सब की है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) में, यह प्रतिबद्धता हमारे अहम मूल्यों में अंतर्निहित है जो हमें न केवल वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले पावरट्रेन सहित विभिन्न विद्युतीकृत वाहन प्रौद्योगिकियों को नया रूप देने और पेश करने के लिए प्रेरित करती है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से लचीली दुनिया की खोज में अक्षय ऊर्जा को अपनाने सहित ऐसी सामूहिक पहल का नेतृत्व भी करती है जो निरंतर जारी रहे। 2015 में घोषित वैश्विक टोयोटा की पर्यावरण चुनौती 2050 (चुनौती 1-6) के अनुरूप, हम टीकेएम में उत्पादों से आगे बढ़कर, विनिर्माण कार्यों और हमारी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में निरंतर जारी रहने वाले व्यवहारों को शामिल करके, कार्बन तटस्थता की ओर अपने पारगमन को तेज कर रहे हैं। टोयोटा के ग्रीनवेव प्रोजेक्ट के तहत, मियावाकी विधि से हमने 328,000 से अधिक पेड़ लगाए हैं, पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल किया है और हमारे परिसर में 790 से अधिक देशी पौधों की प्रजातियों तथा 400 से अधिक जीव प्रजातियों के साथ जैव विविधता को समृद्ध किया है। पिछले साल ही हमारे परिसर के बाहर 8,000 से अधिक पौधे लगाए गए ताकि हमारी हरित पहुंच को और भी आगे बढ़ाया जा सके।

बिहारी प्रतिभाओं को दरकिनार कर बाहरी को पद देती है बिहार सरकार : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 70वीं बीपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा में धांधली पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने बीपीएससी के चेयरमैन पर सवाल उठाते हुए कहा कि गुजरात में मूल निवासी चेयरमैन पर कई धांधली के आरोप हैं और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद भी कांग्रेस पार्टी अभ्यर्थियों के पक्ष में खड़ी रहेगी और उनकी लड़ाई को लड़ेगी। हमारी सरकार आई तो इस परीक्षा में हुई धांधली की जांच भी कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार के सभी उच्च शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक केंद्र पर लगभग बिहार के बाहर से आकर राजभवन के



माध्यम से पदाधिकारी नियुक्ति पाए हुए हैं और उन्होंने बिहार को धांधली का अड्डा बनाकर अपने पद का दोहन किया है। आज प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ बिहार के खराब शैक्षणिक व्यवस्था पर सरकार और राजभवन पर हमलावर दिखे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा में व्यापक स्तर पर हुई अनियमितताओं, प्रश्नपत्र लीक, एसओपी के उल्लंघन और परीक्षा प्रक्रिया में गंभीर खामियों को लेकर हजारों छात्रों ने न्याय की उम्मीद में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। छात्रों की इस याचिका में यह मांग रखी गई थी कि परीक्षा को या तो पूर्ण रूप से रद्द किया जाए या सभी अभ्यर्थियों के लिए समान रूप से पुनः परीक्षा आयोजित की जाए, क्योंकि एक ही परीक्षा के दो अलग-अलग सेट्स और चयन दरों के बीच का असंतुलन संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का घोर उल्लंघन है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस याचिका को स्वीकार नहीं किया और हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें परीक्षा प्रक्रिया को वैध ठहराया गया था। हम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में मानते हैं कि देश की सर्वोच्च अदालत का निर्णय अंतिम होता है और उसका सम्मान करना लोकतंत्र में हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि वही हमारी न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ है।

आज निकलेगी 108 मीटर लंबी जीण माता की चुनरी यात्रा, उमड़ेगा आस्था का सैलाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जीण माता सेवा समिति की ओर से पंचम वार्षिकोत्सव पर दो दिवसीय जीण माता कार्यक्रम के पहले दिन शनिवार 26 अप्रैल को सुबह 7 बजे 108 मीटर लंबी चुनरी यात्रा से होगी। यह यात्रा पुष्प बिहार अपार्टमेंट एग्जीबिशन रोड से आरंभ होकर एसपी वर्मा रोड, होटल मौर्या, जेपी गोलंबर, बिस्कोमान भवन होते हुए दादी मंदिर शक्तिधाम पहुंचेगी। यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु महिला-पुरुष पारंपरिक परिधान में भाग लेंगे। समिति के अध्यक्ष श्रवण गोयनका और सह सचिव सुभाष चौधरी ने इसकी जानकारी दी। गोयनका ने बताया कि बैंक रोड स्थित शक्तिधाम (अग्रसेन भवन, दादी मंदिर) में भव्य जीण माता पंचम वार्षिकोत्सव में मंगलपाठ एवं भजन संध्या का दो दिवसीय यह आयोजन होगा। पहले दिन आज शनिवार 26 अप्रैल को 108 मीटर लंबी चुनड़ी यात्रा के बाद दूसरे दिन यह कार्यक्रम दोपहर दो बजे से दादी मंदिर में शुरू होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कोलकाता से प्रसिद्ध भजन गायक केशव मधुकर अपनी टीम के साथ शिरकत करेंगे और जीण माता की स्तुति में भक्ति रस का संचार करेंगे। श्रवण गोयनका ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अग्रसेन भवन को विशेष रूप से सजाया गया है।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना ने मनाया विश्व पशु चिकित्सा दिवस पखवाड़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना द्वारा इस वर्ष विश्व पशु चिकित्सा दिवस को 21 से 25 अप्रैल तक पखवाड़े के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया। इस वर्ष की थीम 'पशु स्वास्थ्यः एक टीम का काम है' को केंद्र में रखते हुए विश्वविद्यालय ने विभिन्न जन-जागरूकता और सेवा-आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें छात्रों, पशु चिकित्सकों, शिक्षकों, ग्रामीणों एवं पशुपालकों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई।

निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान

पखवाड़े की शुरुआत बिहार वेटरनरी कॉलेज के वेटरनरी क्लिनिकल कॉम्प्लेक्स में निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान से



हुई जिसमें पटना शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पालतू पशुओं के मालिक पहुंचे और कुल 48 कुत्तों का निःशुल्क टीकाकरण किया गया। इस अभियान में संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भी भाग लिया और साथ ही पालतू पशुओं की स्वास्थ्य जांच व देखभाल संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया।

विद्यालयों में करियर जागरूकता सत्र

पशुचिकित्सा को एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए चंद्रावती +2 उच्च विद्यालय (हिलसा), महंत केशव दास +2 उच्च विद्यालय (जहानाबाद) तथा मध्य विद्यालय चिरौरा (नौबतपुर) में करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों के माध्यम से 1,000 से अधिक छात्रों को पशु चिकित्सा की शिक्षा व क्षेत्रीय संभावनाओं की जानकारी दी गई। 382 छात्रों ने एक विशेष प्रश्नावली के माध्यम से अपनी रुचि व्यक्त की जिससे ग्रामीण छात्रों में इस पेशे के प्रति बढ़ती रुचि उजागर हुई।

ग्रामीण क्षेत्रों में पशु स्वास्थ्य शिविर

पखवाड़े के अंतर्गत सुलतानपुर (नालंदा), भरथू (जहानाबाद) और बदीपुर (पटना) में तीन पशु स्वास्थ्य शिविर लगाए गए जिनमें कुल 194 पशुओं (गाय, भैंस, बकरी) का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार किया गया। इनमें प्रजनन समस्याएं, त्वचा रोग, पाचन विकार एवं कमजोरी जैसी समस्याएं पाई गईं। शिविरों में किसानों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों, कृमिनाशन, टीकाकरण व पोषण संबंधी जानकारी भी दी गई।

सार्थक सहभागिता और भविष्य की दिशा

विश्वविद्यालय के इन प्रयासों ने इस वर्ष की थीम 'पशु स्वास्थ्य एक टीम का काम है' को वास्तविक रूप दिया। इन कार्यक्रमों ने न केवल पशुपालकों तक आवश्यक सेवाएं पहुंचाईं, बल्कि छात्रों को भी पशु चिकित्सा क्षेत्र के प्रति प्रेरित किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी गतिविधियों में मिली उत्साही भागीदारी पर संतोष व्यक्त किया और शिक्षा, सेवा एवं सहयोग के माध्यम से पशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दक्षिण-पूर्व रेलवे ने मनाया विश्व धरोहर सप्ताह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। दक्षिण-पूर्व रेलवे ने 18 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक अपने मुख्यालय गार्डन रीच में विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन किया है। हर साल 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। ताकि समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और प्राचीन धरोहर के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता फैलायी जा सके। इस वर्ष का विषय था 'आपदाओं और संघर्षों से निपटने योग्य धरोहर संरक्षण के संदर्भ में कार्य'। विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर 24 अप्रैल 2025 को गार्डन रीच में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सौमित्र मजूमदार, उप महाप्रबंधक और दक्षिण-पूर्व रेलवे के जोनल धरोहर समिति के अध्यक्ष ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। इस



सेमिनार में रेलवे धरोहर पर विभिन्न दृष्टिकोणों से विचार व्यक्त करने के लिए विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया। पूर्व रेलवे बोर्ड के सदस्य संजय मुखर्जी ने 'रेलवे धरोहर का महत्व' पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद नवाब वाजिद अली शाह के परपोते शाहंशाह मिर्जा ने 'अवधी प्रभाव पर एक संवाद' पर प्रकाश डाला। जी.एम. कपूर, सलाहकार और जी.के. मोहंती, पूर्व पीसीओएम, दक्षिण-पूर्व रेलवे ने क्रमशः 'औद्योगिक धरोहर' और 'दक्षिण-पूर्व रेलवे की माल धरोहर' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान विशेषज्ञों ने रेलवे द्वारा अपनी ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताया। कार्यक्रम में रेलवे के सभी प्रमुख विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। समारोह का समापन एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह से हुआ जिसमें दक्षिण-पूर्व रेलवे के एजीएम और जोनल धरोहर समिति के अध्यक्ष ने फोटोग्राफी, चित्रकला और क्विज प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया।

सहरसा और लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर खगड़िया-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर- हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर के रास्ते सहरसा और लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। गाड़ी सं. 11015/11016 लोकमान्य तिलक-सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन लोकमान्य तिलक टर्मिनस 02.05.2025 से प्रत्येक शुक्रवार को तथा सहरसा से 04.05.2025 से प्रत्येक रविवार को किया जायेगा। गाड़ी सं. 11015 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 02.05.2025 से प्रत्येक शुक्रवार को 12.00 बजे खुलकर शनिवार को 15.10 बजे पं.दीनदयाल उपाध्याय जं., 19.00 बजे पाटलिपुत्र, 20.30 बजे हाजीपुर, 21.28 बजे मुजफ्फरपुर, 22.50 बजे समस्तीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए रविवार को 02.00 बजे सहरसा पहुंचेगी।

बाबा गणिनाथ पलवैया धाम मेले को राजकीय मेले का दर्जा देने के लिए मंत्री केदार गुप्ता ने सीएम नीतीश का जताया आभार

गणिनाथ पलवैया धाम मेले को हर वर्ष मिलेगा 30 लाख

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वैशाली जिले के महनार के बाबा गणिनाथ पलवैया धाम मेले को बिहार राज्य मेला प्राधिकरण के अंतर्गत राजकीय मेला का दर्जा मिल गया है। इसके आयोजन के लिए 30 लाख रुपये का आवंटन किया गया। प्रत्येक वर्ष मेले के आयोजन के लिए 30 लाख रुपए दिए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण फैसले के लिए बिहार के पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता ने सरकार का आभार जताया। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उन्होंने बिहार के एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल सहित शीर्ष नेतृत्व को कानू हलवाई समाज की ओर से धन्यवाद और दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कानू हलवाई समाज की आबादी लगभग तीन प्रतिशत है। केदार गुप्ता ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि आज बिहार सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया जिसके तहत वैशाली जिले के अंतर्गत स्थित बाबा गणिनाथ पलवैया धाम, महनार में आयोजित भव्य मेले को अब बिहार राज्य मेला प्राधिकरण के प्रबंधन में सम्मिलित कर लिया गया है। उन्होंने कहा यह निर्णय राज्य की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, धार्मिक आस्था के सम्मान और क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके अंतर्गत अब यह मेला और अधिक सुव्यवस्थित, भव्य और आकर्षक स्वरूप में विकसित किया जाएगा जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु एवं पर्यटक इस ऐतिहासिक स्थल की ओर आकर्षित होंगे। उन्होंने कहा कि बाबा गणिनाथ जी लोक आस्था, सदुण, त्याग और आध्यात्मिक ऊर्जा के प्रतीक माने जाते हैं। समाज में समरसता, न्याय और सदाचार की स्थापना में उनके योगदान को आज भी श्रद्धा से स्मरण किया जाता है।

मोशन एजुकेशन ने पटना में शुरू किया द्रोण रेसिडेंशियल कैंपस, छात्रों को मिलेगी अत्याधुनिक सुविधाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मोशन एजुकेशन ने राजधानी में एक अनोखे तरह के भव्य रेसिडेंशियल कैंपस का शुभारम्भ किया जहां एक ही छत के नीचे छात्रों को सारी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा प्रदान की जाएगी। एम्स-दीघा नहर रोड में महावीर नगर स्थित इस रेसिडेंशियल कैंपस का शुभारंभ पूरे बिहार से आए वरिष्ठ शिक्षकों ने फीता काटकर किया। मौके पर संस्थान के निदेशक राहुल सिंह ने बताया कि इस कैंपस में एक ही छत के नीचे छात्रों को सारी सुविधाएं मिलेंगी जैसे क्लासरूम, हॉस्टल, वातानुकूलित कैंपस, डाउट क्लासेज, लाईब्रेरी, इनडोर गेम्स के साथ-साथ भोजन की गुणवत्ता एवं सुरक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि इस कैंपस को शुरू करने का एक मात्र ध्येय यही है कि बिहार के छात्रों को पटना में ही सारी उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान कर दी जाए ताकि उनको कोटा जाने की आवश्यकता ही न पड़े।

संपादकीय

एक लाख के पार सोना, आम आदमी पर नई मार?

बीते कुछ समय से सोने की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में बढ़ी है। मगर इसके बरक्स सोने के खनन में कमी आई है। जब उत्पादन कम होता है और मांग बढ़ती है, तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ती ही हैं। एक दिन में अभूतपूर्व उछाल के साथ सोने का भाव बढ़ कर एक लाख रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच गया। जिस तरह इसकी कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ था, उससे इसके इस स्तर पर पहुंचने का अनुमान पहले से लगाया जा रहा था। सोने की कीमत बढ़ने की कुछ वजहें साफ हैं। अमेरिकी शुल्क नीति के कारण जिस तरह दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण है, उसमें सोने की कीमत बढ़नी तय थी। दूसरे, बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती कर रखी है, जिससे आम लोगों को बैंकों में पैसे रखने के बजाय सोने में निवेश करना ज्यादा फायदेमंद लगने लगा है। इस वजह से लोग सोना अधिक खरीदने लगे हैं। इसके अलावा, डॉलर की कीमत कम होने से भी विदेशी निवेशकों के लिए सोना खरीदना सस्ता हो गया है। फिर, विभिन्न देशों में संघर्ष के चलते पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता के कारण कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भारी मात्रा में सोना खरीद कर जमा करना शुरू कर दिया है। बीते कुछ समय से सोने की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में बढ़ी है। मगर इसके बरक्स सोने के खनन में कमी आई है। जब उत्पादन कम होता है और मांग बढ़ती है, तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ती ही हैं। इसलिए यह अकारण नहीं है कि पिछले साढ़े तीन महीनों में ही सोने की कीमत में करीब छब्बीस फीसद की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी का रुख अभी बना रहेगा और यह सवा लाख रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच सकती है। निस्संदेह इससे निवेशकों को तो लाभ होगा, मगर आम लोग जो शादी-विवाह के अवसर पर सोने की खरीद करते हैं, उनके सामने कठिन स्थिति पैदा हो गई है। इसके अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आएंगे। जिस तरह पिछले दो वर्षों में सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने का आंकड़ा हैरान करने वाली गति से बढ़ा है, आय के अवसर लगातार सिकुड़ते गए हैं, उसमें सोने की बढ़ती कीमत उन पर अतिरिक्त मार साबित होगी।

आतंकियों की गोलीबारी में अब तब 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई है और दो दर्जन से अधिक लोग घायल है। जिसके बाद से ही देश व दुनिया में भारत के अगले कदम के बारे में सोचकर के हड़कंप मचा हुआ है। इस घटना के बाद विदेश दौरे पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना दौरा बीच में छोड़कर के भारत वापस आ गये हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने खुद घटना स्थल पर जाकर दौर किया है। राजधानी दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक देश के शीर्ष नेतृत्व की हाईलेवल बैठकों का दौर जारी है। इस जघन्य घटना को अंजाम देने के ढंग पर ध्यान दें तो आतंकियों ने एक बार फिर से भारत की भूमि पर इजराइल हमले की व आईएसआईएस के हमलों की दर्दनाक यादों को दोहराने का काम किया है। सूत्रों के अनुसार इस जघन्य आतंकी घटना में मरने वाले लोगों में से दो स्थानीय, दो विदेशी के अलावा बाकी नागरिक देश के विभिन्न राज्यों के रहने वाले हैं, जिनके घरों में इस जघन्य घटना के बाद से ही कोहराम मचा हुआ है।

आतंकियों, उनके शरणदाताओं व आकाओं को देना होगा मुंह तोड़ जवाब

(दीपक कुमार त्यागी)

हमें हमेशा याद रखना होगा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, लेकिन उसके बावजूद भी इस क्षेत्र में पिछले कई दशकों से पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने का काम निरंतर कर रहा है। इस आतंकवाद के चलते भारतीय लोगों के लहू से बार-बार कश्मीर घाटी की धरती से लाल होती रहती है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में घूमने के लिए आये हुए पर्यटकों से मंगलवार की दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच धर्म पूछ कर हिंदू पर्यटकों की गोलीमार कर के निर्ममता से हत्या कर दी गयी। आतंकियों की गोलीबारी में अब तब 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई है और दो दर्जन से अधिक लोग घायल है। जिसके बाद से ही देश व दुनिया में भारत के अगले कदम के बारे में सोचकर के हड़कंप मचा हुआ है। इस घटना के बाद विदेश दौरे पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना दौरा बीच में छोड़कर के भारत वापस आ गये हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने खुद घटना स्थल पर जाकर दौर किया है। राजधानी दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक देश के शीर्ष नेतृत्व की हाईलेवल बैठकों का दौर जारी है। इस जघन्य घटना को अंजाम देने के ढंग पर ध्यान दें तो आतंकियों ने एक बार फिर से भारत की भूमि पर इजराइल हमले की व आईएसआईएस के हमलों की दर्दनाक यादों को दोहराने का काम किया है। सूत्रों के अनुसार इस जघन्य आतंकी घटना में मरने वाले लोगों में से दो स्थानीय, दो विदेशी के अलावा बाकी नागरिक देश के विभिन्न राज्यों के रहने वाले हैं, जिनके घरों में इस जघन्य घटना के बाद से ही कोहराम मचा हुआ है।

जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल मंगलवार की दोपहर को अपने आकाओं के नापाक मंसूबों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान परस्त देशी व विदेशी आतंकियों के एक समूह ने निहत्थे-निर्दोष पर्यटकों से उनका धर्म पूछ करके हिंदू होने पर उन लोगों की बेहद निर्ममता से हत्या की है, वह पाकिस्तान के इन भाड़े के पिट्ठुओं की इंसानियत को शर्मसार करने वाली बेहद ही कायराना व धूर्तता पूर्ण हरकत है। आतंकियों के द्वारा पर्यटकों से धर्म पूछना और हिंदू होने पर उन पर निर्दयता से गोली चलाना जघन्य नरसंहार के साथ-साथ बेहद ही संवेदनशील विषय है। नियम-कायदे कानून पसंद लोगों को लगता है कि यह सब आतंकियों की इस घटना के बाद देश में धार्मिक दंगा फ़साद करवाने की एक बहुत बड़ी गहरी सोची-समझी साज़िश भी हो सकती है। इसलिए देश व समाज हित में हम सभी लोगों को धार्मिक उन्माद के माहौल से बचना होगा।

हमें हमेशा याद रखना होगा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, लेकिन उसके बावजूद भी इस क्षेत्र में पिछले कई दशकों से पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने का काम निरंतर कर रहा है। इस आतंकवाद के चलते भारतीय



लोगों के लहू से बार-बार कश्मीर घाटी की धरती से लाल होती रहती है। घाटी के इस क्षेत्र से आतंकवाद समाप्त करना आज भी भारत सरकार के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बना हुआ है। लेकिन अब वह समय आ गया है जब कश्मीर घाटी से आतंकियों की पूरी तरह से कमर तोड़ कर उसको समाप्त कर देना चाहिए। इसके लिए आतंकवाद के खिलाफ इस निर्णायक युद्ध में भारत सरकार को कश्मीर घाटी में अब बेहद सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को आतंकियों की मज़हब के आधार पर मदद करने व पनाह देने वाले जिहादी और देशद्रोही लोगों के खिलाफ योगी मॉडल की तरह सख्त कार्रवाई करते हुए उनको जेल की सलाखों के पीछे भेज देना चाहिए। वहीं आतंकियों के आका पाकिस्तान को इजराइल की तरह सख्त जवाब देना चाहिए, तब ही देश में पाक परस्त आतंक पर आने वाले समय में लगाम लग सकती है।

वैसे देखा जाए तो यह हमला एक बेहद ही सोची-समझी साज़िश है, क्योंकि जिस वक्त भारत में अमेरिकी के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस परिवार के साथ आये हुए हों और वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी विदेशी दौरे पर गये हुए हों, ऐसी स्थिति में निहत्थे लोगों से धर्म पूछ-पूछ कर के हिन्दू पर्यटकों को चिन्हित करके उनकी गोली मारकर हत्या कर देना, झकझोर देने वाला एक बहुत ही बड़ा कायराना हमला है। यह हमला सनातन धर्मावलंबियों के साथ-साथ देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करके उसको खंड-खंड करने का एक बहुत ख़तरनाक दुस्साहस है। हालांकि हमारे नीति-निर्माताओं को आतंकियों के खात्मे के लिए देश से उनके स्लीपर सेल व उनको पनाह देने वाले लोगों को चिन्हित करके उनको खत्म करना ही होगा, तब ही देश में हम व हमारी आने वाली पीढ़ी अमचैन से रह सकती है।

दुनिया में मिनी स्वीटजरलैंड के नाम से प्रसिद्ध कश्मीर घाटी में जिस तरह से धर्म पूछ-पूछ कर हिंदुओं की टारगेट किलिंग आये दिन होती रहती है, यह क्षेत्र की डेमोग्राफी में बदलाव करने की बहुत बड़ी साज़िश है, जिसका प्रभाव स्पष्ट रूप से अब वहां के धरातल पर नज़र भी आता है, यह क्षेत्र अब लगभग हिंदू विहीन हो चुका है। धारा 370 हटने के बाद इस क्षेत्र में हालात बेहतर होने के बाद भी भय के चलते ही कश्मीर घाटी के हिंदू अपने घरों में वापस आने के लिए तैयार नहीं हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों के बावजूद भी इस क्षेत्र के हिंदू परिवार घाटी में वापस आकर रहने के लिए तैयार नहीं है और उनकी शंकाओं पर आये दिन हिंदुओं की टारगेट किलिंग की घटनाएं मौहर लगाने का काम करती हैं। हालांकि देश में मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से ही जम्मू-कश्मीर के क्षेत्र में सरकार व सिस्टम की कार्यशैली में बड़ा बदलाव आया है, मोदी सरकार में आतंकियों के विरुद्ध स्वतंत्रतापूर्वक कार्रवाई करने का सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से नज़र आता है। लेकिन फिर भी कहीं ना कहीं मोदी सरकार के मंसूबों को घाटी में आशा के अनुरूप अभी तक सफलता नहीं मिली है, क्योंकि इस क्षेत्र के कुछ लोगों की जहरीली जिहादी सोच उसमें बहुत बड़ी बाधक है। आज भी उस जहरीली जिहादी सोच के चलते ही भारत व इंसानियत के सबसे बड़े दुश्मन आतंकियों को कश्मीर घाटी के कुछ घरों में पनाह मिल जाती है, हालांकि भारत सरकार इस स्थिति पर निरंतर पैनी नज़र रखें हुए हैं। लेकिन देश व समाज हित में अब वह समय आ गया है कि जब जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी निवास करने वाले हर देशभक्त नागरिकों का कर्तव्य है कि वह मानवता के लिए बेहद घातक ऐसी जहरीली जेहादी मानसिकता की समय रहते हुए पहचान करके उनका डटकर के मुकाबला करें और स्थाई इलाज़ करें, आतंकवाद के मुद्दे पर हम सभी लोगों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर के एकजुट होना ही होगा। समय रहते इन जहरीले जेहादियों को सबक सिखाना पड़ेगा। वैसे भी हमें समय रहते विचार करना होगा जो व्यक्ति देश का नहीं हुआ, तो वह हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों का क्या होगा। मानवता की रक्षा के इस गंभीर विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी को आतंकवाद के इस गंभीर समस्या का अब स्थाई समाधान करना चाहिए। मैं जघन्य नरसंहार में आतंकियों का निशाना बने लोगों के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान देकर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। (लेखक अधिवक्ता, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हे माननीय! आप खुद ही बता दीजिए कि विगत लगभग आठ दशकों की आपकी खता क्या-क्या है? जानना चाहते हैं लोग!

(कमलेश पांडे)

देश की तमाम संसदीय बहसों और तल्ख न्यायिक टिप्पणियों से वह प्रशासनिक सुधार दृष्टिगोचर नहीं हुआ है, जैसा कि भारत जैसे सुलझे हुए देश से अपेक्षा की जाती है। अब भले ही न्यायिक अतिरेक की प्रवृति पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे, यूपी के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा आदि ने सवाल उठाए हैं।

चाहे संसद हो या सर्वोच्च न्यायालय, 'निर्जीव' भारतीय संविधान के ये दो 'सजीव' पहरेदार अब खुद ही श्वेत पत्र जारी करके आमलोगों को बता दें कि विगत लगभग आठ दशकों की नीतिगत लापरवाहियों और प्रशासनिक-न्यायिक



विफलताओं के लिए आखिर कौन-कौन और कितना-कितना जिम्मेदार है? क्योंकि तमाम तरह की नीतिगत उलटबांसियों की अब हद हो चुकी है, देशवासी निरंतर असुरक्षित होते जा रहे हैं और वीवीआइपी सुरक्षा से लैस लोगों को हर जगह तंगहाली नहीं, हरियाली दिखाई दे रही है। इसलिए अब भारतीय संविधान को वकीलों का स्वर्ग बनाए रखने की जिम्मेदारी किसी को भी और अधिक नहीं दी जा सकती है!

दरअसल, देशवासियों को यह जानने-समझने का हक है कि आखिर पूरे देश में समान मताधिकार की तरह राष्ट्रीय कानूनी और सामाजिक-आर्थिक समानता स्थापित करने और जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र-लिंग-वर्ग भेद मुक्त धर्मनिरपेक्ष व समतामूलक समाज बनाने की दिशा में इन दोनों संस्थाओं का क्या और कितना-कितना योगदान है? वहीं, यक्ष प्रश्न यह भी है कि क्या अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, जातीय-भाषाई-धार्मिक अल्पसंख्यकों, गरीब सवर्णों के लिए अलग-अलग कानून बनाने की सोच निरर्थक नहीं है और धर्मनिरपेक्ष भारत में एक समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रशासनिक साहस यदि हमारी संसद या सुप्रीम कोर्ट में नहीं है तो फिर उनके होने या न होने का क्या अर्थ रह जाता है?

मसलन, एक संवेदनशील और प्रगतिशील पत्रकार के रूप में यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि भारतीय संविधान के नाम पर समस्त देश में विधि-व्यवस्था बनाए रखने और उसकी निष्पक्ष समीक्षा करने की जिम्मेदारी इन्हीं दोनों संस्थाओं की है, जिसके लिए इन्हें लोगों की गाढ़ी कमाई से मोटी रकम भी मुहैया करवाई जाती है। बावजूद इसके ये दोनों संस्थाएं सही और स्पष्ट बात बोलने की बजाए गोल-मटोल, द्विअर्थी और बहुमत समर्थक जनविरोधी मुगलिया और ब्रितानी दृष्टिकोण को आजाद भारत में आगे बढ़ा रही हैं, जिसे कोई भी दूरदर्शी व प्रबुद्ध समाज स्वीकार नहीं कर सकता! क्योंकि सारे विवाद की जड़ वही अव्यवहारिक नीतियां हैं जो मुगलों और अंग्रेजों के अस्तित्व को खत्म करके अब शांतिप्रिय भारतीय नागरिकों के भविष्य को दीमक मानिंद चाट रही हैं?

सच कहूं तो यदि इस तल्ख सच्चाई समझने की बुद्धि आपलोगों में नहीं है तो यह आईने की तरह साफ है कि इस विविधतापूर्ण देश में शासन करने योग्य आपलोग हैं ही नहीं! कड़वा सच है कि इस देश की तमाम संसदीय बहसों और तल्ख न्यायिक टिप्पणियों से वह प्रशासनिक सुधार दृष्टिगोचर नहीं हुआ है, जैसा कि भारत जैसे सुलझे हुए देश से अपेक्षा की जाती है। अब भले ही न्यायिक अतिरेक की प्रवृति पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे, यूपी के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा आदि ने सवाल उठाए हैं। इनलोगों ने जो बातें उठाई हैं, वह एकपक्षीय जरूर हैं, लेकिन हमारी दुःखती हुई रग को दबाने के लिए काफी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी इस देश की न्यायिक प्रवृत्ति पर टिप्पणी कर चुकी हैं? किसी जनप्रतिनिधि का निर्वाचन रद्द करने अधिकार किसी भी न्यायालय को देना लोकतांत्रिक मूर्खता है! संसद और मंत्रिमंडल के फैसले को पलट देना भी न्यायिक अतिरेक है।

लेकिन यह नौबत भी इसलिए आई कि नेहरू से लेकर मोदी तक कोई पाकसाफ राजनेता नहीं आया। सबने जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र के लोकतांत्रिक नाले में डुबकी लगाई और लोकतांत्रिक गंगा स्नान का ऐलान करके सियासी मोक्ष पाने का डंका पीट दिया, क्योंकि दोबारा-तिबारा चुने गए। लेकिन जनता का दुःख-दर्द दूर नहीं हुआ। सबने पूंजीवादी हितों की पैरोकारी की, प्रशासनिक हितों को आगे बढ़ाया और आमलोगों के सुख-शांति की कतई परवाह नहीं की, अन्यथा ब्रेक के बाद दंगा, भीड़ का उन्माद, मुनाफाखोरी कहीं नजर नहीं आती। इसलिए संसदीय तानाशाही भी अस्वीकार्य है! संविधान की नौवीं अनुसूची की कोई जरूरत नहीं है।

पहलगाम नरसंहार-कश्मीर के पर्यटन को तोड़ने की साजिश

आतंकियों ने हिंदू धर्म की पहचान करने के बाद ही मासूम लोगों को निशाना बनाकर गोली मारी। ऐसा लगता है कि उन्होंने भारत में भड़काऊ माहौल बनाने की कोशिश की, जो वर्तमान में वक्फ बिल और 'औरंगजेब' से जुड़े सांप्रदायिक विवादों से जूझ रहा है। पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा का एक गुट, द रेजिस्टेंस फंट (टीआरएफ), मंगलवार को पहलगाम के बैसरण घाटी में हुए इस आतंकी हमले का संदिग्ध मास्टरमाइंड है, जिसमें 26 लोगों की जान गई। पहलगाम के नरसंहार का समय पाकिस्तान के नापाक इरादों को उजागर करता है, जो घाटी में सामान्य स्थिति का सबसे बड़ा दुश्मन रहा है।

(रमाकांत चौधरी)

मुंबई के 26/11 अटैक के बाद देश में नागरिकों पर सबसे घातक आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के खूबसूरत वादियों को रक्तरंजित कर दिया। पहलगाम, जो भारत का मिनी-स्विट्जरलैंड और पर्यटकों का सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन है, वहां आतंकियों ने दिल दहलाने वाली हरकत की, जिसमें मासूम लोगों की जिंदगियां छीन ली गईं। इस हमले ने पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया और लोगों को गहरे दुख में डुबो दिया। यह घिनौना और क्रूर हमला सिर्फ पर्यटकों या व्यक्तियों पर नहीं था, बल्कि इसे मानवता पर हमला और अत्याचार माना जा रहा है, जिसने समाज की एकता की नाजुक डोर को तोड़ दिया। आतंकियों ने हिंदू धर्म की पहचान करने के बाद ही मासूम लोगों को निशाना बनाकर गोली मारी। ऐसा लगता है कि उन्होंने भारत में भड़काऊ माहौल बनाने की कोशिश की, जो वर्तमान में वक्फ बिल और 'औरंगजेब' से जुड़े सांप्रदायिक विवादों से जूझ रहा है।

पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा का एक गुट, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), मंगलवार को पहलगाम के बैसरण घाटी में हुए इस आतंकी हमले का संदिग्ध मास्टरमाइंड है, जिसमें 26 लोगों की जान गई। पहलगाम के नरसंहार का समय पाकिस्तान के नापाक इरादों को उजागर करता है, जो घाटी में सामान्य स्थिति का सबसे बड़ा दुश्मन रहा है। यह हमला तब हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेद्दाह में भारत और सऊदी अरब के बीच सदियों पुराने आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कूटनीतिक और द्विपक्षीय वार्ता में व्यस्त थे। यह हमला उस समय सामने आया जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत की चार दिवसीय यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम थी, खासकर ट्रंप के व्यापारिक टैरिफ के वैश्विक कोलाहल के बीच। पहलगाम का



यह आतंकी हमला साल 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के दौरान लश्कर द्वारा अनंतनाग जिले के चित्तीसिंहपुरा में सिख नरसंहार की याद दिलाता है। इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पाकिस्तान के कश्मीर दावों को खारिज करने के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है।

पहलगाम की यह घटना ठीक एक हफ्ते बाद हुई, जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने भारत विरोधी भड़काऊ बयान दिए और कश्मीर को पाकिस्तान की जुगलर वेन (जीवन रेखा) बताया। पाकिस्तान–जो आज भुखमरी, गरीबी, उग्रवाद, आतंकवाद और आर्थिक पतन का प्रतीक है–एक क्रॉस- रोड पर खड़ा है, क्योंकि उसकी सेना को आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। पहलगाम का आतंकी हमला मार्च में बलोच अलगाववादियों द्वारा जफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण की घटना के संदर्भ में देखा जा सकता है, जिसने पाकिस्तानी सेना की नाकामी को उजागर किया। इस्लामाबाद की बलोच विद्रोह को दबाने में विफलता ने चीन के लिए चिंता बढ़ा दी है, जिसने पाकिस्तान में ऊर्जा, परिवहन और बुनियादी ढांचे जैसे कई परियोजनाओं में भारी निवेश किया है। पाकिस्तान का जनजातीय समुदायों के साथ सही संवाद न कर पाना सशस्त्र अलगाववादी समूहों के सक्रिय का कारण बना है, जो सुरक्षा बलों, चीनी हितों और प्रवासी मजदूरों को निशाना बना रहे हैं। लोकतांत्रिक और आर्थिक अधिकारों से वंचित होने के कारण जनता में बढ़ती नाराजगी, खासकर युवाओं में, गुस्से को और भड़का रही है।

पर्यटकों पर यह क्रूर हमला, जो घाटी में उग्रवाद के चरम काल में भी शायद ही हुआ हो, पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों की हताशा और निराशा को स्पष्ट दिखाता है। यह क्रूर हमला अमरनाथ यात्रा से ठीक पहले हुआ, जो बड़ी संख्या में हिंदू पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करती है। आतंकियों का मकसद जम्मू-कश्मीर की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को कुंद करना और यह धारणा तोड़ना था कि 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद घाटी स्थिरता की ओर बढ़ रही है। पहलगाम घटना से पहले तक घाटी में आतंकी हमलों में कमी के साथ शांति धीरे-धीरे लौट रही थी, जिसके चलते लाखों पर्यटक घाटी की ओर रुख कर रहे थे। इससे क्षेत्र में पर्यटकों का दिल जीतने के लिए भारी निवेश हुआ है। जैसे-जैसे तुलिप खिल रहे थे, पर्यटन भी फल-फूल रहा था – इस साल श्रीनगर में देसी और विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ देखी गई है। बढ़ता पर्यटन सरकार की सफलता और स्थानीय लोगों व कश्मीरी युवाओं की आय अर्जन के लिए भागीदारी का प्रतीक है, जो घाटी में सुख-शांति की वापसी का संकेत देता है। इसलिए, पर्यटन पर हमला आतंकियों और मुल्लाओं की स्पष्ट पसंद था।

सरकार का जवाब उचित और बहुआयामी होना चाहिए ताकि दुष्ट मानसिकता को कड़ा सबक सिखाया जा सके। पहलगाम हमला 2019 के पुलवामा हमले के बाद हताहतों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ा है। भारत के पिछले जवाबी कार्रवाइयों की गूंज अभी भी सुनाई देती है। उरी सर्जिकल स्ट्राइक (2016) और बालाकोट हवाई हमले (2019) ने भारत की दंडात्मक प्रतिक्रियाओं की नींव रखी है। अपनी व्यापक कूटनीतिक जवाबी कार्रवाई में, पीएम मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया– 1960 के सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अटारी एकीकृत जांच चौकी को बंद करना, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा योजना को रोकना, उच्चायोग की कर्मचारी संख्या को 30 तक सीमित करना, और दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के सैन्य सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित करना। पहलगाम हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया कश्मीर के अशांत इतिहास में एक और निर्णायक क्षण प्रतीत होता दिख रहा है, और आतंकवाद से निपटने में एक नया अध्याय जोड़ सकती है। जम्मू और कश्मीर में स्थिरता और समृद्धि की दिशा में हो रही प्रगति को ऐसे घिनौने कृत्य पटरी से न उतार दें, इसके लिए आवश्यक है कि भारत अशांति (आतंकवाद) के मूल कारणों को संबोधित करे और सुरक्षा उपायों को और अधिक सुदृढ़ बनाए। आतंकवाद को समाप्त करने के संबंध में कोफ़ी अन्नान का एक प्रसिद्ध उद्धरण उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि– आतंकवाद रूपी अभिशाप से निपटने का एकमात्र तरीका है इसके मूल कारणों को संबोधित करना और अडिग संकल्प के साथ इसके खिलाफ एकजुट होना।

संक्षिप्त समाचार

लोस चुनाव ड्यूटी के दौरान घायल होमगार्ड को मिला 6 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान



अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए होमगार्ड श्री विकास मुण्डा को समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा द्वारा 6 लाख रुपये अनुग्रह अनुदान की राशि का चेक प्रदान किया गया। श्री विकास मुण्डा अड़की प्रखंड के सरगेया निवासी है। दुर्घटना में श्री विकास मुण्डा का दाहिना पैर लगभग 75 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त हो गया है। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, अन्य पदाधिकारीगण एवं श्री विकास मुण्डा के परिजन उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि यह सहायता राशि होमगार्ड के उपचार में सहायक होगी। जिला प्रशासन द्वारा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

टाटीझरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

हजारीबाग/दारू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्टेट रिव्यू मिशन की टीम ने टाटीझरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया है। इस दौरान टीम में शामिल सदस्यों ने हाल ही में स्वास्थ्य उपकेंद्र से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तब्दील अस्पताल में सुविधा और असुविधाओं का जायजा लिया। टीम ने घंटों तक पेपर्स, फाइल्स, रिपोर्ट्स, दवा, सफाई व्यवस्था आदि को देखा। इस दौरान मौके पर उपस्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉ. निधि नारायण ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की भवन मरम्मति, पानी समस्या, शौचालय, स्टॉफ की कमी, लैब, कंम्प्यूटर आदि समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। जिसे स्वास्थ्य विभाग की राज्यस्तरीय टीम के द्वारा जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्य रूप से डॉ. पंकज कुमार, डॉ. विकास राठौर, डॉ. अंजली, डॉ. गौरव सिंह, डॉ. नंदी दुबे, डॉ. सेटा झा, डॉ. नाजिया, डॉ. कपिल मुनि प्रसाद, डॉ. रवि शंकर, डॉ. रंजन, डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. सज्जन सिंह, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. अंकित जयपुरियार, विनय कुमार, योगेंद्र कुमार, बसंत राम, सुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पिकअप वाहन से लदा नौ मवेशियों को पुलिस किया जब्त

हजारीबाग/कटकमसांडी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कटकमसांडी पुलिस ने गुरुवार को अवैध पशुओं से लदा पिकअप वाहन को जब्त किया है। इसमें चतरा घंघरी से नौ पशु को लादकर हजारीबाग की ओर जा रहा था। कटकमसांडी पुलिस थाना गेट के सामने चेकिंग के दौरान अवैध पशु लदा वाहन जब्त किया।इस मामले में कटकमसांडी थाना कांड संख्या 88/25 पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर चालक को गिरफ्तार किया है।चालक मोहमद आशिक पिता मो इस्लाम साकिन नूर नगर चतरा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।इस बाबत कटकमसांडी थाना प्रभारी राजबलभ कुमार ने बताया कि जब्त मेवशी को पिंजरापुल गौशाला भेजा जायेगा। कटकमसांडी पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।इस मामले में शामिल अन्य लोगों को भी बक्सा नही जायेंगा।

राजभाषा परीक्षा में विद्यार्थियों ने दिखाया कौशल

सिमडेगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महात्मा गांधी राजभाषा हिंदी प्रचार संस्था द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा परीक्षा का भव्य आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रेरणादायक परीक्षा में कक्षा तीन से लेकर नवीं तक के 111 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयोजन विद्यालय की प्राचार्या पी. लकड़ा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिसमें प्रमुख आयोजक अविशान्त श्रीवास्तव रहे। मौके पर कक्षा चौथी की अंजली कुमारी और कक्षा दसवीं की श्रेया प्रजापति ने अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित किया। प्रेस्टीजियस ट्रॉफी जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। गुरुवार को विदयालय परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर सभी प्रतिभागियों को सम्मान सहित पुरस्कृत किया गया। मौके पर विदयालय की प्राचार्या पी लकड़ा ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सांसद के प्रयास से ध्वस्त सड़क की दो दिन में मरम्मत हुई

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत के प्रयास से दो दिन के अंदर ही सेन्हा प्रखंड के अर्रु -साके पथ में तोड़ार पाखन टोली के पास नहर के ऊपर ध्वस्त सड़क को आरईओ विभाग के द्वारा मरम्मत करा दिया गया। यह जानकारी सांसद के निजी सहायक आलोक कुमार साहू ने दी। बताया कि दो दिन पहले सांसद के निर्देश पर वह ध्वस्त सड़क का ग्रामीणों के साथ मुआयना कर शीघ्र विभागीय अधिकारियों को मरम्मत करने का निर्देश दिया था। सिंचाई विभाग से नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेकर नहर में गढ़वाल निर्माण करने का प्रयास किया जाएगा। ताकि इसका स्थायी समाधान निकाला जा सके। सड़क मरम्मत हो जाने से स्थानीय ग्रामीणों ने सांसद को बधाई दिए।

ट्रैफिक नियम उल्लंघन पर 10 वाहन जब्त, 22 हजार रुपए का जुर्माना

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सड़क सुरक्षा को लेकर गुरुवार को लोहरदगा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां के निर्देश पर परिवहन विभाग और जिला पुलिस बल के द्वारा संयुक्त रूप से वाहन जांच सह छापेमारी अभियान चलाया गया। मोडिफाइड मोटरसाइकिल, साइलेंसर मोडिफाइड, ट्रिपल राइडिंग, हेलमेट, लाइसेंस, वाहनों के कागजात आदि की जांच की गई। छापामारी के क्रम में 10 वाहनों को जब्त करते हुए 22 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया। वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन का निर्देश देते हुए आइंदा वाहन चलान में नियमों के पालन की बात कही गई। जांच के क्रम में ट्रैफिक इंचार्ज शंकर मरांडी, सुशील सिंह के अलावे जिला परिवहन विभाग के कर्मी और सड़क सुरक्षा अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि शहरी क्षेत्र में द्रुत गति से मोटरसाइकिल चलाने, ट्रिपल राइडिंग, बिना हैलमेट के ड्राइविंग, स्टंट करने और बुल्लेट के साइलेंसर से गोली चलने की आवाज करने की बराबर शिकायत मिल रही थी। इसी पर कार्रवाई की जा रही है। जो लगातार जारी रहेगी।

जालसाजी कर एलआईसी पॉलिसी से रुपए गबन करने की शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की शिकायत सुनी। जनता दरबार में कतरास से आए व्यक्ति ने बताया कि उनकी पत्नी ने धोखाधड़ी एवं जालसाजी कर उनकी एलआईसी पॉलिसी से 40409 रुपए का गबन कर लिया है। पीड़ित ने बताया कि पत्नी 7 वर्ष पहले घर से चली गई है और अन्य स्थान पर रह रही है। उन्होंने बताया कि एक दिन उनके मोबाइल पर एलआईसी पॉलिसी का भुगतान कर देने का मैसेज आया। जब एलआईसी के कतरास ब्रांच में जाकर पूछताछ की तो पता चला कि एलआईसी एजेंट, डेवलपमेंट ऑफिसर और शाखा प्रबंधक की मिली भगत से उनकी पत्नी ने जाली कागजात बनवाकर रुपए का गबन किया है।आवेदन में उनके जाली हस्ताक्षर और उनका पुराना फोटो लगाकर एक एफिडेविट भी दिया था। पीड़ित ने एडीएम से न्याय दिलाने की गुहार लगाई। वहीं बैंक मोड़ से आई एक महिला ने एडीएम को बताया कि उनकी बहू



आए दिन प्रताड़ित करती है और घर में प्रवेश करने से रोकती है। जबकि जमीन और मकान उनके पति ने खरीदा है। बहू की प्रताड़ना से परेशान होकर पति-पत्नी बस्ताकोला रहने चले गए हैं। जब वे अपने घर में जाने का प्रयास करते हैं तो बहू लड़ाई झगड़ा कर उन्हें घर में घुसने नहीं देती है। इसके अलावा जनता दरबार में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी के सामने सरकारी जमीन का अतिक्रमण करने, सेवानिवृत्ति का लाभ दिलाने, जमीन पर जबरन कब्जा करने, वार्ड 23 में नाली का निर्माण कराने, रजिस्ट्री और म्यूटेशन हो जाने के बाद भी बिल्डर द्वारा जमीन का कब्जा नहीं देने, सरकारी तालाब का जीर्णोद्धार कराने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद,, जनशिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक नंदकिशोर कुशवाहा मौजूद थे।

विधायक अनुज बसंत महतो द्वारा नये टांसफार्मर का उद्घाटन ग्रामीणों में खुशी का माहौल

टुण्डी /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सत्तारूढ़ दल के जुझारू विधायक मथुरा प्रसाद महतो के अनूज सह निजी सचिव बसंत महतो ने आज शुक्रवार को टुण्डी प्रखंड के कटनियां पंचायत के कमार्टांड़ गांव में 63 के वी ए का टांसफार्मर का फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर विधिवत उद्घाटन किया। गौरतलब हो कि विगत कई दिनों से उक्त गांव में टांसफार्मर खराब हो जाने से गांव में अंधेरा पसरा हुआ था जब इसकी खबर टुण्डी विधायक को हुआ. तो उन्होंने त्वरित विभाग से सम्पर्क साधा और आज कमार्टांड़ गांव को टांसफार्मर उपलब्ध करा दिया गया जिसका आज उनके अनुज सह निजी सचिव बसंत महतो ने उद्घाटन कर जनता को समर्पित कर दिया।टांसफार्मर लगते ही गांव के बड़े छोटे सबों में साफ साफ खुशी झलक रहा था एवं लोगों ने टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो को टुण्डी की



जनता के प्रति हमेशा अच्छी सोच रखने के लिए आभार प्रकट किया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक अनूज बसंत महतो, झामुमो के वरिष्ठ नेता कामेश्वर सिंह चौधरी, सुरेन्द्र सोरेन, धनेश्वर मुर्मू,वीरू सिंह, रूस्तम काजी, चौहान हेंब्रम,वीरवल सोरेन, गणेश मुर्मू,नरेश मुर्मू समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

गुमला में जल संकट गहराया, पानी के लिए हाहाकार

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। तेज धूप और तपती गर्मी के साथ गुमला जिले में पानी का संकट अब विकराल रूप लेने लगा है। गांव हो या शहर,हर जगह लोग पानी के लिए परेशान हैं। कहीं चापाकल सूख गए हैं तो कहीं नल से जल योजना सिर्फ बोर्ड और दीवारों पर नजर आती है। तालाब और कुएं तो पहले ही दम तोड़ चुके हैं। पेयजल स्वच्छता विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अब तक जिले के 23 गांवों को ड्राई जोन घोषित किया गया है। इन इलाकों में भूमिगत जलस्तर औसतन 12 से 15 फीट तक नीचे चला गया है। जिससे पीने के पानी का संकट और गहरा गया है। सुदूर ग्रामीण इलाकों में हालात और भी खराब हैं। जिले में कुल 17,756 चापाकल लगाए गए हैं। जिनमें से 1,868 पूरी तरह खराब हो चुके हैं। वहीं 27 हजार छोटे जलमीनार और 13 बड़े जलमीनार भी जरूरत के हिसाब से पानी नहीं दे पा रहे हैं। कई इलाकों में पानी का स्रोत पूरी तरह सूख चुका है। रुद्रपुर की सुनीता बताती है चापाकल से पानी नहीं निकलता है। रोज दूर से पानी लाते हैं। वहीं घाघरा की ललिता बताती हैं कि नल से जल योजना केवल नाम की योजना है। महीनों पानी नहीं आता। हालात को देखते हुए जल विभाग ने जिले में कंट्रोल रूम स्थापित किया है। जिसका टोल फ्री नंबर 18003456502 है। जनवरी से अब तक 335 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 292 का समाधान हो चुका है। साथ ही ड्राई जोन वाले क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई है। पेयजल स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता अनुज मिश्रा ने बताया कि जिले के सभी बीडीओ को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर से जल संकट वाले क्षेत्रों में तत्काल टैंकर सेवा सुनिश्चित करें।

टुण्डी प्रखंड सभागार में शत प्रतिशत नामांकन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

टुण्डी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 'पढाई से नाता टूटे नहीं बच्चों का नामांकन छूटे नहीं' विषय पर शुक्रवार को को टुंडी के प्रखंड मुख्यालय सभागार में झारखण्ड शिक्षा परियोजना के निर्देश पर प्रखंड संसाधन केंद्र टुंडी द्वारा स्कूल रूआर 2025 को सफल क्रियान्वयन एवं शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन और विद्यालय में उपस्थिति के साथ ठहराव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया गया। कार्यक्रम की शुरूआत टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय ने अन्य अतिथियों के साथ दीप जलाकर किया। अपने सम्बोधन में बीडीओ ने सभी विद्यालय के प्रधान शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा की आज पुरे संसार में सबसे ज्यादा इज्जत अगर कोई काम में है तो वह शिक्षक का है। आप को चाहिए की अपने विद्यालय के पोषक क्षेत्र के कोई बच्चा पांच वर्ष से अठारह बर्ष आयु वर्ग के विद्यालय के दूर न हो। विद्यालय के विभिन्न समितियों के अलावे स्थानीय जन प्रतिनिधियों के सहयोग से सभी बच्चो का नामांकन कीजिए और हर दिन बच्च स्कुल आये



इस पर जोर दीजिए। स्कुल रुआर कार्यक्रम आज से अगले दस मई तक अभियान चलकर छूटे बच्चो का नामांकन करना है। साथ उसे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना है ताकि बच्चो का विद्यालय में प्रतिदिन उपस्थित सुनिश्चित हो सके। उनका ठहराव आप पर निर्भर है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप प्रमुख संजू गुप्ता, बीईईओ सहदेव महतो, बीपीओ उमेश पासवान, सीआरपी हरी मोहन मुखर्जी सहित सभी प्राथमिक , मध्य एवं उच्च विद्यालय के प्रधान शिक्षक एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन थीम के साथ मनाया गया मलेरिया दिवस

पिछले वर्ष जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मिले थे मलेरिया के 11 मरीज

सीवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मलेरिया दिवस पर शुक्रवार को सदर अस्पताल परिसर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया.इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ श्रीनिवास प्रसाद ने कहा कि मलेरिया एक ऐसी बीमारी है जो विगत कई वर्षों से लोगों को अपना शिकार बनाती आई है. जिसको लेकर प्रत्येक वर्ष 25 अप्रैल को मलेरिया बीमारी के खिलाफ लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'विश्व मलेरिया दिवस' मनाया जाता है.क्योंकि भारत ही नही बल्कि पूरे विश्व में लाखों लोग मलेरिया जैसी बीमारी से संक्रमित होते हैं.उन्होंने यह भी कहा कि विश्व मलेरिया दिवस 'पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन' थीम के तहत संगोष्ठी सह प्रचार प्रसार को लेकर रणनीति बनाई गई. जिस दौरान जिला एवं प्रखंडों स्तर पर संबंधित विभागों, समुदायों एवं वर्ग समूहों के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर विश्व मलेरिया दिवस पर विभिन्न प्रकार के माध्यमों से प्रचार- प्रसार करने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई. क्योंकि जिले में अगले महीने होने वाले मलेरिया माह के दौरान व्यापक रूप से स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर जागरूक किया जाना है.



हसनपुरा में प्रभात फेरी निकाल लोगों को किया गया जागरुक

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ ओम प्रकाश लाल ने बताया कि जिले के हसनपुरा प्रखंड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर गायघाट में गठित रोगी हितधारक मंच सदस्य में सीएचओ अमरजीत हरिजन के नेतृत्व में स्थानीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई.जिस दौरान एएनएम अर्चना कुमारी, आशा कार्यकर्ता पुनिता देवी, नीतू देवी और दुर्गावती देवी, आंगनबाड़ी सेविका मीनू देवी के अलावा फाइलेरिया मरीज धन कुमारी, पूजा देवी और दुर्गा लाल सोनी के साथ- साथ विद्यालय के 14 शिक्षक और 223 बच्चों ने भाग लिया है. इसी तरह से सहुली गांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गठित पीएसपी सदस्य सह सीएचओ कुमारी प्रीति के सहयोग से राजकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और छात्र छात्राओं के द्वारा विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर रैली निकाली गई. इस अवसर पर आशा कार्यकर्ता नीतू देवी, विकास मित्र पूनम देवी, समाजसेवी संतोष राम, शिक्षक के अलावा सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे.

इस वर्ष जनवरी से मार्च तक 03 मलेरिया के मरीजों की हुई है पहचान

डीवीबीडीसीओ डॉ ओपी लाल ने बताया कि फेलसीपेरम मलेरिया की अवस्था में तेज बुखार, खून की कमी, दिमाग पर बुखार का चढ़ जाना, फेफड़े में सूजन की शिकायत के साथ ही पीलिया एवं गुर्दे की खराबी फेलसीपेरम मलेरिया की मुख्य पहचान होती है.हालांकि विगत वर्ष 2024 में केवल 11 मलेरिया के मरीज मिले थे, जिनका सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा उपचार होने के बाद पूरी तरह से ठीक हो गए थे. लेकिन इस वर्ष अभी तक यानि जनवरी से मार्च तक मात्र 03 मलेरिया के मरीज पाए गए है. जिसमें आंदर, जीरादेई और दारौंदा प्रखंड में एक- एक रोगियों की पहचान हुई थी. हालांकि इलाज के बाद अब सभी लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं. इस दौरान सीडीओ डॉ अशोक कुमार, सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ अनिल कुमार सिंह, जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से डीपीएम विशाल कुमार, सदर अस्पताल के अस्पताल प्रबंधक कमलजीत कुमार, डीवीबीडीसीओ नीरज कुमार सिंह, वीडीसीओ विकास कुमार और कुंदन कुमार और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के डीपीसी धर्मेंद्र रस्तोगी सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे.

जिले में गर्मी बढ़ते ही बिजली विभाग की चुनौती बढ़ी

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली विभाग की परेशानियां भी बढ़ने लगी हैं। तापमान के चढ़ते ही लोड में बढ़ोतरी हो रही है,जिससे ट्रांसफॉर्मर फेल होना और फ्यूज उड़ना आम बात हो गई है। जशपुर रोड स्थित एक ट्रांसफॉर्मर हाल ही में गर्मी की शुरूआत में ही फेल हो गया था। वहीं प्रतिदिन छह से सात ट्रांसफॉर्मरों के फ्यूज उड़ रहे हैं। जिससे स्थानीय लोगों को दो-दो घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने बताया कि गर्मी में ट्रांसफॉर्मरों पर लोड अत्यधिक बढ़ जाता है। इससे फ्यूज उड़ने की घटनाएं सामने आती हैं। जिन्हें दुरुस्त करने में औसतन दो घंटे का समय लग रहा है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक कोई बड़ी या असामान्य समस्या सामने नहीं आई है। उन्होंने बताया कि गर्मियों में बिजली की आम समस्याओं में तारों में आग लगना,ट्रांसफॉर्मर उड़ जाना और फ्यूज उड़ना शामिल हैं। विभाग की टीम लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी समस्या की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कार्यपालक अभियंता ने यह भी बताया कि जिला मुख्यालय क्षेत्र में अब तक करीब छह हजार स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

जिले में कृषि को नई दिशा देने चैनपुर के बरवे मैदान में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू

गुमला/चैनपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड की कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चैनपुर के बरवे मैदान में दो दिनी अनुमंडल स्तरीय कृषि मेला सह कार्यशाला का उद्घाटन किया। मंत्री के अलावे कृषि सचिव अबु बकर सिद्दीकी, उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, डीडीसी दिलेश्वर महतो सहित कई अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर परमवीर अलबर्ट एक्का की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर मेले की औपचारिक शुरूआत की। कृषि मेला चैनपुर, डुमरी, जारी व रायडीह प्रखंडों के किसान शामिल हुए। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और आमदनी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से वाणिज्यिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह उनकी आय में वृद्धि का सशक्त माध्यम बन सकता है। मंत्री ने कहा कि पूर्व में यह मेला जिलास्तर पर आयोजित होता था,लेकिन अब इसे किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अनुमंडल स्तर पर लाया गया है ताकि खेती की आधुनिक तकनीकें और योजनाएं सीधे किसानों तक पहुंच सकें। मेले में खेती-किसानी से जुड़ी जानकारी देने वाले 50 स्टॉल लगाए गए थे। हालांकि भीषण गर्मी के कारण किसानों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही। कृषि सचिव अबु बकर सिद्दीकी ने कहा कि ऐसे आयोजन किसानों के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। इससे उन्हें न केवल योजनाओं की जानकारी मिलती है,बल्कि आधुनिक उपकरण और शोध आधारित संसाधनों तक भी पहुंच बनती है।कार्यक्रम के दौरान किसानों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया। मौके पर डीएफओ बेलाल अहमद, एसडीपीओ ललित मीणा, शशिभूषण अग्रवाल, सावन कुमार, मेरी लकड़ा, ओलिभा कांता कुजूर, राजनील तिग्गा, रघुनंदन प्रसाद समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कृषि मेले से सुदूर ग्रामीणों को मिलेगा लाभ : डीसी

चैनपुर। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि घर-आंगन में आयोजित कृषि मेला सह कार्यशाला से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय पर ऐसे आयोजनों के चलते अक्सर सुदूरवर्ती क्षेत्रों के किसान लाभ से वंचित रह जाते थे। लेकिन अब प्रशासन ने उनकी सहुलियत के लिए खेत-किसान से जुड़ी पूरी व्यवस्था और संसाधन को अनुमंडल स्तर पर,उनके दरवाजे तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

स्कूल रुआर 2025 (बैक टू स्कूल) अभियान को लेकर टाउन हॉल में कार्यशाला संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त शशि रंजन के द्वारा 'स्कूल रुआर 2025' अभियान का शुभारंभ किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन,मेदिनीनगर में आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में उपायुक्त श्री शशि रंजन ने अभियान की शुरूआत की।यह अभियान ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु चलाया जा रहा है जो आगामी 10 मई तक चलेगा।

उपायुक्त रंजन ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, बचपन में शिक्षा की अनदेखी केवल एक बच्चे का नुकसान नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की क्षति है।हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। कार्यशाला में जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण इकाइयां, गैर-सरकारी संगठन, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।इस अभियान के तहत 10 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के



रूप में उच्च गुणवत्ता वाले प्री-रिकॉर्डेड लेक्चर की शुरूआत की जाएगी।उपायुक्त ने कहा कि आने वाले 2-3 वर्षों में पलामू जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र आदर्श केंद्रों के रूप में परिवर्तित किए जाएंगे। इसके अलावा बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने हेतु 'सीटी बजाओ,स्कूल चलो' अभियान निरंतर चलाया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद

कार्यशाला के दौरान उपायुक्त शशि रंजन ने ड्रॉपआउट दर के कारणों को जानने हेतु जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं और अन्य

- हर बच्चा स्कूल जाये सपना नहीं,संकल्प है हमारा : उपायुक्त
- ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु 10 मई तक चलेगा विशेष अभियान
- 2-3 वर्षों में सभी आंगनबाड़ी केंद्र बनेंगे आदर्श,10 स्कूलों में पायलट बेसिस के तहत उच्च गुणवत्ता वाले प्री-रिकॉर्डेड लेक्चर की होगी शुरूआत : उपायुक्त
- 'सीटी बजाओ,स्कूल चलो' पहल से बच्चों को स्कूल आने के लिए किया जाएगा प्रेरित:उपायुक्त

पदाधिकारियों से संवाद किया। उपस्थित लोगों ने शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी, प्रवासी मजदूरी, घरेलू कार्यों में बच्चों का लगना और प्रेरणा की कमी को प्रमुख कारण के रूप में बताया।इन सभी बातों से अवगत होते हुए उपायुक्त ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों को मॉडल केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा और शिक्षा के साथ वोकेशनल कोर्सेज की शुरूआत की जाएगी।इसके अलावा 10 चयनित स्कूलों में प्री-रिकॉर्डेड उच्च गुणवत्ता वाले लेक्चर की व्यवस्था की जाएगी।

आगे की कार्य योजना

आगामी कार्य योजना में नामांकन हेतु 10 मई तक विशेष अभियान, पुनः प्रवेश उत्सव पंचायत स्तर पर बाल शिक्षा समन्वयक,शिक्षा मेला, बाल संवाद और कहानी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

समापन संदेश

शिक्षा विभाग ने सभी जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं, अभिभावकों और नागरिकों से अपील की है कि वे इस प्रयास को जन आंदोलन बनाएं। 'हर बच्चा स्कूल जाए' यह सपना नहीं, अब सबका साझा संकल्प है।

कार्यशाला में ये रहे उपस्थित

कार्यशाला में पलामू उपायुक्त शशिरंजन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीना, छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, डीपीआरओ डॉ असीम कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा समेत अन्य शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

गर्मी बढ़ने के साथ बिजली कटौती की समस्या शुरू

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गर्मी के देते दस्तक दते ही बिजली विभाग के दावे की पोल खुलनी शुरू हो गई है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कट होने का सिलसिला शुरू हो गया है। तापमान बढ़ने के साथ बिजली कट होने से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार मच गया है। आम जनता बिजली की आंख मिचौली से परेशान है। घरेलू कामकाज से लेकर व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। मच्छर और बिजली की आंख मिचौली लोगों की नींद पर आफत बनती जा रही है। आलम यह है कि बच्चों को क्लास रूम मे भी ध्यान लगाने में एकाग्रता की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बिजली आधारित उद्योग संचालित करने वाले व्यवसायी भी बिजली विभाग से त्रस्त है। अप्रैल महीने में जहां मई जुन जैसी गर्मी पड़ रही है। जिससे लोग पसीने से तरबतर हो रहे हैं। दिन हो या रात बिजली कभी भी घंटे कट जा रही है।

1700 करोड़ के फ्रेश शेयर वाला आ रहा आईपीओ

सेबी की हरी झंडी का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट डेवलपर प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की हॉस्पिटैलिटी फर्म प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लॉन्च करने की योजना बनाई है। इसके जरिए कंपनी 2700 करोड़ तक जुटाएगी। इसके लिए कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

आईपीओ की डिटेल- प्रस्तावित आईपीओ में 1700 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स द्वारा 1000 करोड़ तक के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। कंपनी 340



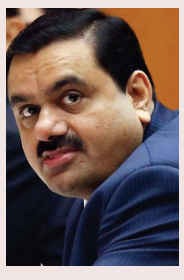
करोड़ तक के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर भी विचार कर सकती है। अगर ऐसा किया जाता है तो इससे नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जे पी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड इस इश्यू के एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कंपनी की प्रॉपर्टीज-बेंगलुरु में प्रेस्टीज एस्टेट्स के पोर्टफोलियो में द ओबेरॉय, रेडिसन ब्लू (ओआरआर) और भारतीय सिटी में द लीला जैसी प्रमुख संपत्तियां शामिल हैं। इसकी सहायक कंपनी प्रेस्टीज होटल वेंचर्स, व्यवसाय और अवकाश यात्रियों दोनों के लिए लक्जरी से लेकर होटलों का डेवलपमेंट और स्वामित्व करती है। प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स का इरादा फ्रेश इश्यू की नेट इनकम से 1121.276 करोड़ का उपयोग कंपनी और इसकी महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों, साई चक्र होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और नॉर्थलैंड होल्डिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के कर्ज को पूरी तरह या आंशिक रूप से चुकाने के लिए करना है।

60 पर आ गया अडानी का शेयर

बाजार में हाहाकार के बीच शेयर बेच निकले निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम अटैक से शेयर बाजार निवेशकों में डर बैठ गया। इसके चलते भारी गिरावट देखी गई। शुक्रवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1200 अंक तक लुढ़क गया था। विशेषज्ञों ने बताया कि मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बीच



बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को लेकर चिंता ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। इस बीच, अडानी समूह की एक कंपनी के शेयर में भी तगड़ी गिरावट देखी गई। यह शेयर - सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का है। सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर में आज 4 प्रतिशत से अधिक टूटकर 60.75 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

क्या है डिटेल- कंपनी ने शेयर बाजार को जानकारी दी है कि आगामी 29 अप्रैल को एक बैठक होने वाली है। कंपनी ने शेयर बाजार को कहा, सेबी नियम के अनुसार, आपको सूचित किया जाता है कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों पर निवेशकों/एनालिस्ट्स का सम्मेलन मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 को दोपहर 2.00 बजे से निर्धारित है।

पीएम मोदी बोले- इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाएं

उत्पादन बढ़ाएं; नवाचार अपनाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टील उद्योग के प्रतिनिधियों से कहा कि मजबूत, हितकारी बदलावों को तेजी से आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाने के लिए साथ मिलकर काम करें। उद्योग को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ हमें नई तकनीकी को अपनाने, नवाचार करने, सर्वोत्तम गतिविधियों का आदान-प्रदान करने और कोयला आयात में कमी लाने की दिशा में ध्यान देना चाहिए। पीएम ने बृहस्पतिवार को इंडिया इस्पात 2025 कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, इस्पात उभरता हुआ क्षेत्र होने के साथ विकास की रीढ़ है। 2030 तक 30 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें इस्पात उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। 2023-24 में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 17.9 करोड़ थी। प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा, इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए अप्रयुक्त नई खदानों से लौह अयस्क निकालने का प्रयास शुरू करना चाहिए। इन खदानों का उचित और समय पर उपयोग किया जाना महत्वपूर्ण है। ऐसा नहीं होने पर देश और उद्योग दोनों को नुकसान होगा।



शून्य आयात व निर्यात बढ़ाने का हो लक्ष्य

पीएम ने कहा, देश निर्यात बाजार पर नजर रखते हुए आधुनिक व बड़े जहाज बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे कार्यों के लिए उच्च श्रेणी के इस्पात की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, इस्पात के मामले में आयात को शून्य स्तर पर लाने व शुद्ध निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य होना चाहिए। देश को कोयला गैसीकरण व कोयला आयात को कम करने के लिए अपने भंडार के बेहतर उपयोग जैसे विकल्पों की भी तलाश करनी चाहिए। देश का लक्ष्य 2047 तक इस्पात निर्यात को 2.5 करोड़ टन से बढ़ाकर 50 करोड़ टन करना है। 2030 तक प्रति व्यक्ति इस्पात खपत 98 किलो से बढ़ाकर 160 किलो करने का लक्ष्य है।

इन्फ्रा के विकास से बढ़ेगी इस्पात की मांग- पीएम ने कहा, देश 1,300 अरब डॉलर की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन को भी आगे बढ़ा रहा है। बड़े पैमाने पर स्मार्ट सिटी बनाए जा रहे हैं।?सड़कों, रेलवे, एयरपोर्ट, बंदरगाहों और पाइपलाइन में विकास की गति इस्पात क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। बड़ी परियोजनाओं की बढ़ती संख्या इस्पात की मांग को बढ़ाएगी।

वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ रहा भारत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत न सिर्फ घरेलू वृद्धि के बारे में, बल्कि इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के बारे में भी सोच रहा है।

दुनिया भारत को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देखती है। देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ा रही सरकार अपने अनुबंधों में स्थानीय रूप से विनिर्मित इस्पात के उपयोग पर जोर दे रही है।

क्षेत्र में रोजगार देने की क्षमता- मोदी ने कहा, इस्पात क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें युवाओं को रोजगार देने की क्षमता है। हमें ऊर्जा दक्षता, कम उत्सर्जन और डिजिटल रूप से उन्नत प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है।

एक्सिस बैंक का मुनाफा घटा

हिंदुस्तान यूनिलीवर 24 लाभांश देगी; टेक महिंद्रा का लाभ बढ़ा एसीसी को नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। एक्सिस बैंक का शुद्ध लाभ 2024-25 की मार्च तिमाही में मामूली घटकर 7,117.5 करोड़ रुपये रह गया। 2023-24 की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 7,129.67 करोड़ था। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया, इस अवधि में उसकी कुल आय बढ़कर 38,022 करोड़



रुपये पहुंच गई।?सकल एनपीए 1.43 फीसदी से घटकर 1.28 फीसदी रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का शुद्ध मुनाफा 3.35 फीसदी घटकर 2,475 करोड़ रुपये रहा।?हालांकि, उत्पादों की बिक्री से राजस्व 2.68 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ? 15,416 करोड़ रुपये पहुंच गया।?कंपनी ने शेयरधारकों को 24 रुपय प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की घोषणा की है।?इससे पहले एचयूएल के बोर्ड ने नवंबर, 2024 में 19 रुपये का अंतरिम और 10 रुपये का विशेष लाभांश भी दिया था।

टेक महिंद्रा- टेक महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ 2024-25 की मार्च तिमाही में 76.5 फीसदी बढ़कर 1,166.7 करोड़ रुपये रहा।?कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया, इस अवधि में उसे करीब 6,800 करोड़ रुपये के नए सौदे मिले।?पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 23,000 करोड़ के सौदे हासिल किए थे।

एसीसी- सीमेंट निर्माता एसीसी लि. का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.4 फीसदी घटकर 751.04 करोड़ रुपये रह गया। अदाणी समूह की कंपनी ने बताया, उसका परिचालन राजस्व 12.7 फीसदी बढ़कर 5,207.3 करोड़ रुपये हो गया। कुल खर्च 13.11 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ?5,514.82 करोड़ रुपये रहा

बीमा क्लेम की प्रक्रिया में दी ये छूट

आतंकी हमले के पीड़ितों को एलआईसी ने दी बड़ी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को राहत देते हुए, बीमा दावे की प्रक्रिया में छूट देने का ऐलान किया है। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि उसे नागरिकों की मौत पर गहरा दुख है और वह पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। बीमा कंपनी ने दावा निपटान की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने की बात कही है ताकि पीड़ित परिवारों को जल्दी से जल्दी आर्थिक मदद मिल सके।

क्या-क्या मिल रहीं रियायतें?

एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि पीड़ित परिवारों को परेशानियों से बचाने के लिए कई रियायतें दी जा रही हैं। इसमें अगर किसी मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, तो सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कोई भी जानकारी, जिससे यह साबित होता हो कि व्यक्ति की मौत इस आतंकी हमले में हुई है, प्रमाण के रूप में स्वीकार की जाएगी। इसके अलावा, केंद्र या राज्य सरकार की तरफ से दी गई कोई मुआवजा राशि भी मृत्यु का प्रमाण मानी जाएगी।

दावेदारों के लिए एलआईसी क्या करेगा- एलआईसी ने कहा है कि वह खुद पहल कर के पीड़ित परिवारों से संपर्क करेगा और उनका दावा जल्द से जल्द निपटाएगा। इसके लिए पूरे देश की शाखाओं में एक विशेष



प्रक्रिया लागू की जा रही है। अगर कोई परिवार इस आतंकी हमले में अपने किसी सदस्य को खो चुका है और उसका एलआईसी में बीमा था, तो वे निकटतम एलआईसी शाखा/डिवीजन/कस्टमर ज़ोन से संपर्क करें। या एलआईसी के हेल्पलाइन नंबर 022-68276827 पर कॉल करें।

पहलगाम में आतंकी हमला

आतंकवादियों ने मंगलवार को पहलगाम के बैसरन मैदान में पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें 25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए, जो 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमलों में से एक था जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।

भारत का पाकिस्तान पर एक्शन

इस हमले के बाद, भारत ने सीमा पार आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक स्थगित रखने का फैसला किया जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता और एकीकृत अटारी चेक पोस्ट को बंद कर दिया है।

पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने का निर्देश

भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को भी अवांछित घोषित कर दिया है और उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। देश ने आगे सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत प्रदान किए गए किसी भी वीजा को रद्द करने का फैसला किया और पाकिस्तान को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया है।

अब ट्रक व अन्य भारी वाहन भी होंगे सुरक्षित

जल्द शुरू होगी एनसीएपी की तर्ज पर सुरक्षा मूल्यांकन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से देश में कारों की तरह अब ट्रकों और अन्य भारी वाणिज्यिक वाहनों का भी क्रैश टेस्ट होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ट्रकों और भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए सुरक्षा मूल्यांकन रेटिंग शुरू करने की योजना बना रहा है। यह मूल्यांकन देश के अपने क्रैश (वाहनों की टक्कर) टेस्ट कार्यक्रम भारत एनसीएपी (न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम) की तर्ज पर होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कहा, इसका उद्देश्य विनिर्माताओं को उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वाहन अधिक सुरक्षित बन सकें। भारत एनसीएपी 2023 में पेश किया गया था।



देश में हर साल 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं-गडकरी ने कहा, भारत में हर साल सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में हर साल करीब 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.8 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा चिंताजनक है।?

ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से बढ़ेंगे रोजगार- सरकार बैटरी चालित ई-रिक्शा के लिए मानकों और सुरक्षा मूल्यांकन प्रणाली पर पहले से ही काम कर रही है, क्योंकि उनको लेकर सुरक्षा संबंधी समस्याएं हैं। ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से उनकी गुणवत्ता बेहतर होगी और अधिक रोजगार पैदा होगा।

ट्रक चालकों के लिए तय होंगे काम के घंटे- मंत्री ने कहा, सड़क मंत्रालय ट्रक चालकों के काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक कानून पर भी काम कर रहा है क्योंकि वर्तमान में वे प्रतिदिन 13-14 घंटे गाड़ी चलाते हैं।

लॉजिस्टिक लागत घटाने पर काम- सरकार कुछ वर्षों में लॉजिस्टिक लागत को 14-16 फीसदी से घटाकर 9 फीसदी करने परकाम कर रही है।

मुकदमे में फंसी स्टारबक्स, ब्राजील में मजदूरों से गुलामों जैसे काम कराने का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में एक श्रम अधिकार समूह ने मशहूर कॉफी चेन रेस्तरां स्टारबक्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में स्टारबक्स पर आरोप लगाया गया है कि वे जिन फार्म्स से कॉफी खरीदते हैं, उनमें काम करने वाले मजदूरों को गुलामों जैसे हालात में रखा जाता है। मुकदमे में आरोप है कि स्टारबक्स ने मजदूरों की हालात को नजरअंदाज कर उन फार्म्स के साथ व्यापार जारी रखा है।



क्या हैं स्टारबक्स पर आरोप- यह मुकदमा इंटरनेशनल राइट्स एडवोकेट्स नामक श्रम अधिकार समूह ने ब्राजील के कॉफी फार्म में काम करने वाले आठ मजदूरों की तरफ से अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दाखिल किया गया है।

कंपनी ने आरोपों को लेकर दी ये प्रतिक्रिया- मुकदमा दायर करने वाले मजदूरों की पहचान जाहिर नहीं की गई है। मजदूरों का कहना है कि उन्हें अच्छी सैलरी और बेहतर हालात में काम करने का लालच देकर काम पर रखा गया था, लेकिन अमानवीय हालात में रहने पर मजबूर किया जा रहा है और उनके आने-जाने के परिवहन खर्च, खाने आदि के पैसे भी उनकी तनखवाह से काट लिया जाता है। हालांकि स्टारबक्स ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि कंपनी के 19 हजार कॉफी फार्म सदस्यों में से कुछ से ही कॉफी खरीदती है।

30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ सकता है आईटी शेयर

मोतीलाल ने दिया 1950 रुपये का टारगेट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयर शुक्रवार को उछाल के साथ 1465 रुपये पर पहुंच गए हैं। बाजार में हाहाकार के बीच अच्छे तिमाही नतीजों की वजह से कंपनी के शेयरों में



यह तेजी आई है। मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि टेक महिंद्रा के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने टेक महिंद्रा के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 1950 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा लेवल से आईटी कंपनी के शेयरों में 30 प्रतिशत से अधिक का उछाल देखने को मिल सकता है।

76 प्रतिशत बढ़ा है टेक महिंद्रा का मुनाफा

आईटी कंपनी टेक महिंद्रा का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 76 प्रतिशत बढ़कर 1167 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढ़कर 13,384 करोड़ रुपये रहा है। टेक महिंद्रा के बोर्ड ने मार्च 2025 को खत्म हुए वित्त वर्ष के लिए हर शेयर पर 30 रुपये का फाइनल डिविडेंड रिकमंड किया है। तिमाही आधार पर टेक महिंद्रा का प्रॉफिट 19 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि रेवेन्यू में 1 प्रतिशत का उछाल आया है। पूरे साल के लिए टेक महिंद्रा का कंसॉलिडेटेड प्रतिशत (टैक्स भुगतान के बाद मुनाफा) सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़कर 4,252 करोड़ रुपये रहा है, जबकि रेवेन्यू सालाना आधार पर 2 प्रतिशत बढ़कर 54,988 करोड़ रुपये रहा है।

5 साल में 190 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं टेक महिंद्रा के शेयर

टेक महिंद्रा के शेयर पिछले पांच साल में 190 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। दिग्गज आईटी कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 503.55 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 25 अप्रैल 2025 को 1465 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 23 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर करीब 15 पर्सेंट लुढ़क गए हैं।

हर शेयर पर 135 डिविडेंड देने का ऐलान कंपनी को हुआ 3911 करोड़ का प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। मार्च तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह पिछले साल की समान अवधि में 3,952 करोड़ की तुलना में 3,911 करोड़ रहा। गिरावट के बावजूद लाभ स्ट्रीट अनुमानों से अधिक रहा, जो कि 3,801 करोड़ आंका गया था। कंपनी के बताया कि उसका मुनाफा समूचे वित्त वर्ष में 14,500 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा कंपनी ने भारी भरकम डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने हर शेयर पर 135 रुपये डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बता दें कि आज कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान 2 प्रतिशत से अधिक टूटकर 11,639 रुपये पर आ गए थे।



क्या है अन्य डिटेल

शेयर बाजार में दी गई जानकारी के मुताबिक, मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने बयान में कहा है कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में एक प्रतिशत घटकर 3,911 करोड़ रुपये रह गया है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 3,952 करोड़ रुपये रहा था। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 40,920 करोड़ रुपये रहा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 38,471 करोड़ रुपये रहा था।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 25-04-2025 22:14 Page 1

उपायुक्त ने की पेयजल एवं स्वछता के कार्यों की समीक्षा

- पेयजल यूजर चार्ज की अनिवार्यता
- लोगों की शिकायतों का समाधान होगा व्हाट्सएप से



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिले के उपायुक्त शशि रंजन ने शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में पेयजल एवं स्वछता प्रमंडल द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने आगामी गर्मी के मद्देनजर जलमिनार और नलकूपों की त्वरित मरम्मती कराने पर बल दिया।उन्होंने पुराने खराब पड़े जलमिनारों और नलकूपों की मरम्मत तुरंत करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि जल का प्रयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं से यूजर चार्ज लेने से नागरिकों में जल संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी उत्पन्न होगी।उन्होंने निर्देश दिया कि मेंटेनेंस पीरियड के समाप्ति के बाद सभी यूजरों से यूजर चार्ज लिया जाए।यह कदम जल आपूर्ति और उसके रखरखाव में निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जल संकट और पेयजल संबंधित समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से करने के लिए प्रत्येक प्रखंड में एक रिस्पांस टीम बनाई जाए।यह टीम जल से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान करेगी।

उपायुक्त ने यह निर्देश दिया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी और कार्यपालक पदाधिकारी अपने-अपने संबंधित क्षेत्र की पेयजल समस्याओं का 10 दिनों के अंदर त्वरित समाधान करते हुए उपायुक्त को विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे।

उपायुक्त ने अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जलापूर्ति की स्थिति की समीक्षा करें और रिपोर्ट तैयार कर उपायुक्त को सौंपें।इसके साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया गया कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पंचायत में पानी का टैंकर उपलब्ध हो जिन पंचायतों में पानी टैंकर पहले खरीदे गए थे,उनकी सूची बनाई जाए और आवश्यकता अनुसार टैंकरों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि नागरिकों को अपनी जल संबंधित समस्याओं की शिकायतों के लिए व्हाट्सएप का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की जाए इससे नागरिक अपनी समस्याएं अधिकारियों और रिस्पांस टीम तक आसानी से पहुंचा सकेंगे।

इस बैठक में उपायुक्त के अलावा उप विकास आयुक्त,अपर समाहर्ता,तीनों एसडीओ,पेयजल से जुड़े विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

आईबी अफसर का पार्थिव शरीर पहुंचा रांची

राजधानी रांची के आईबी यूनिट में पांच वर्ष सेवा दी थी



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बिहार के लाल आईबी अफसर मनीष रंजन ने अपने परिवार को बचाने के लिए खुद के जान की कुर्बानी दे दी। नापाक आतंकवादियों ने बेहरमी से मनीष रंजन की हत्या कर दी। आज उनका पार्थिव शरीर झारखंड की राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया। यहां पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पहलगांव में आतंकी हमले में मारे गए पर्यटक आईबी अफसर स्व. मनीष रंजन का पार्थिव शरीर गुरुवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया। मनीष रंजन मूल रूप से बिहार के सासाराम के रहने वाले थे। उनके पिता मंगलेश मिश्रा पश्चिम बंगाल के झालदा हिंदी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक थे। वह कुछ साल पहले रिटायर हुए हैं, जिसके बाद से परिवार झालदा में ही रहता है। एयरपोर्ट पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मनीष रंजन के पार्थिव शरीर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों का हमला एक सुनियोजित साजिश के तहत किया गया। आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। वैसे आतंकवादियों को संरक्षण कथाकथित सेकुलर लोग देते हुए बार-बार सेक्युलरिज्म के बहाने उनका बचाव करते हैं, जो देश के लिए दुर्भाग्य की बात है। इस दौरान रांची एयरपोर्ट पर मनीष के पार्थिव देह को ले जाने लिए पहुंचे उनके मित्र संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि मनीष के पिता हाल ही में झालदा में हिंदी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। रंजन ने इस छुट्टी के बाद अपने माता-पिता को वैष्णो देवी ले जाने की योजना बनाई थी।

मनीष रंजन पांच साल रांची के आईबी यूनिट में भी कार्यरत रहे थे। रांची में साल 2017 से 22 तक वो बतौर सेक्शन अफसर तैनात थे। इसके बाद उनकी पोस्टिंग हैदराबाद आईबी में हुई थी। मनीष के पिता पश्चिम बंगाल में शिक्षक रहे हैं, इसलिए पूरा परिवार झालदा में रहता है।

पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन ने कांग्रेस पर बोला हमला

- कांग्रेस को बताया आदिवासी विरोधी
- धर्मांतरण और घुसपैठ पर जताई चिंता



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। भाजपा नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस को झारखंड विरोधी और आदिवासी विरोधी करार देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर का अपमान किया है। भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए सोरेन ने कहा कि कांग्रेस नेता आंबेडकर से अपनी निकटता दिखाने के लिए संविधान की किताब को जेब में रखते हैं, लेकिन उनकी पार्टी ने ही आंबेडकर को दो बार लोकसभा चुनाव में हरवाया था।

अपने संबोधन में पूर्व सीएम ने आगे कहा कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दोनों बार आंबेडकर के खिलाफ चुनावी अभियान चलाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर को कभी सम्मान नहीं दिया। उन्हें 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न तब मिला जब भाजपा समर्थित सरकार सत्ता में थी। सोरेन ने आगे कहा कि भाजपा संविधान को जेब में नहीं, दिल में रखती है। सोरेन ने अपने भाषण में कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी ने 1961 में आदिवासियों की सरना धर्म संहिता को रद्द कर दिया और झारखंड आंदोलन के कार्यकर्ताओं पर गोलियां चलवाईं।

इसके साथ ही बिना किसी पार्टी का नाम लिए चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन करती है, वह आदिवासियों के हित में काम नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय, खासकर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में, झारखंड राज्य का गठन हुआ। अगर वाजपेयी जी की सरकार नहीं होती, तो झारखंड कभी नहीं बनता।

चंपई सोरेन ने अपने संबोधन के अंत में संताल परगना क्षेत्र में आदिवासियों के धर्मांतरण और बांग्लादेशियों की घुसपैठ को लेकर चिंता जताई। साथ ही इसके लिए उन्होंने हेमंत सरकार को जिम्मेदार ठहराया। सोरेन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अभी नहीं जागे, तो हमारे सरना स्थलों पर पूजा करने के लिए कोई आदिवासी नहीं बचेगा।

उपायुक्त ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी।बैठक में सर्वप्रथम उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र यादव से जनवरी से मार्च तक हुए सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी ली,बताया गया कि जनवरी से मार्च के बीच 89 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं जिनमें 68 लोगों की मृत्यु व 66 लोग घायल हैं।समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की अद्यतन स्थिति,ब्लैक स्पॉट,अतिक्रमण सड़क जागरूकता कार्यक्रम पर समीक्षा करते हुए उपायुक्त श्री रंजन ने विभिन्न अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिया।उन्होंने ऐसे स्थानों जहाँ अधिक दुर्घटनाएं हो रही है,वहां रंबल स्ट्रिप व रिफ्लेक्टिव टेप लगाने पर बल दिया।

जिस स्थान पर ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं,वहां की सूची बना एक सप्ताह में सौंपे:उपायुक्त बैठक में डीसी श्री रंजन ने सभी सीओ व थाना प्रभारी को उनके क्षेत्र अंतर्गत वैसे स्थानों की सूची सौंपने हेतु निर्देशित किया जहां अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।उन्होंने सभी से अगले एक सप्ताह में इससे संबंधित सूची देने की बात कही।एनएचएआई के प्रतिनिधि को फोर लाइन निर्माण के तहत इंटरसेक्शन रोड पर स्पीड ब्रेकर बनाने को लेकर निर्देशित किया।सभी सीओ व थाना प्रभारी को 108 एम्बुलैंस का नंबर रखने की बात कही गयी।ट्रामा सेंटर के रूप में कौनसा अस्पताल को विकसित किया जा सकता है इसे सभी एसडीओ को चिन्हित करने के निर्देश दिये गये।एनएचएआई के किनारे ढाबों का औचक व नियमित रूप से निरीक्षण करने की बात कही गयी।इसके अलावे कई अन्य निर्देश दिये गये।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन,जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र यादव समेत सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

आत्मदाह करने आए लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

मेदिनीनगर (पलामू)। छतरपुर थाना क्षेत्र के उदयगढ़ के चोड़ार निवासी परण राम व उनके बेटे शिवनंदन राम व परिजन जमीन विवाद से परेशान होकर शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय के बाहर आत्म दाह करने की कोशिश की। मौके पर मौजूद छतरपुर पुलिस ने आत्मदाह को नाकाम कर दिया। साथ ही सभी को हिरासत में लेकर थाना ले गई।इस संबंध में शिवनंदन राम ने बताया कि गांव में पैतृक जमीन है। इसपर उसके गोतिया ने अनाधिकृत रूप से दखल-कब्जा कर खेती करने के साथ मकान का निर्माण करा रहे हैं। छतरपुर सीओ ने 9 जुलाई 24 को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य व कृषि कार्य करने पर रोक लगा दिया था। बावजूद द्वितीय पक्ष के अर्जुन राम, अवध राम, बिनय राम, सुनेश्वर राम कानून को अपने हाथ में लेकर जबरन विवादित भूमि पर निर्माण व जमीन पर निर्माण सामग्रियों को गिराकर कानून को उलंघन कर जबरन कार्य कर रहे हैं। इसकी सूचना थाना प्रभारी को दिया। पुलिस ने सकारात्मक कारवाई नहीं की। इस कारण सभी परिवार अनुमण्डल कार्यलय के समक्ष आत्मदाह करने का निर्णय लिया था।

पहलगाम घटना के विरोध में रेहला में कैंडल मार्च



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना हमले के विरोध में आक्रोशित युवाओं ने रेहला में कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च की शुरूआत रेहला महावीर चौक से हुई। कैंडल मार्च नगर भ्रमण के दौरान, सब्जी बाजार, स्टेशन रोड होते हुए योगीवीर बाबा मंदिर परिसर में पहुंचा व मार्च सभा में तब्दील हो गया। मार्च में शामिल युवा हाथ में कैंडल व तख्ती लिए आतंकवादी विरोधी नारे लगाते हुए न्याय की मांग कर रहे थे। योगीवीर बाबा मंदिर परिसर के पास सभा समाप्ति से पहले युवाओं ने आतंकी हमला में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। कैंडल मार्च में वरीय भाजपा नेता डॉ बीपी शुक्ला, पूर्व प्रखंड प्रमुख संतोष चौबे, रामनवमी पूजा समिति अध्यक्ष आलोक शुक्ला, समाजसेवी ज्वाल गुप्ता सहित काफी संख्या में स्थानीय युवक शामिल थे।

पाकिस्तान से सभी व्यापारिक रिश्ते भी हो खत्म : अविनाश वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने पहलगाम हमले के बाद देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संपन्न हुई उच्च स्तरीय बैठक में लिए सिंधु जल संधि के साथ सभी पांचों निर्णयों पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह वक्त आरपार की लड़ाई का है। ऐसे में सीमा क्षेत्र के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक, आर्थिक व व्यापारिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

अविनाश वर्मा ने बैठक में लिए गए अन्य निर्णय के साथ सिंधु जल संधि के मुद्दे पर लिए गए ऐतिहासिक फैसले पर कहा कि इसके साथ ही बिजली, ऑर्गेनिक केमिकल, फामार्यूजीटिकल्स के साथ अन्य जरूरी खाद सामग्री के निर्यात पर भी रोक लगाई जाए। साथ ही साथ पाकिस्तान से आयात होने वाले सीमेंट, सेंधा नमक, ड्राई फ्रूट्स, कॉटन, स्टील, चमड़ा इत्यादि वस्तुओं पर भी प्रतिबंध लगाई जाए। भले ही हम हिंदुस्तानियों को जो भी कष्ट होगा, उसे हम बर्दाश्त करेंगे। कहा कि उम्मीद है कि आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान देश में बिजली की बहुत बड़ी समस्या है। इसके कारण आज वहां बिजली दर प्रति यूनिट 37 रुपए 64 पैसे है। ऐसे में कंगाली का सामना कर रहा पाकिस्तान पूर्व से ही दर-दर को मोहताज है। ऐसे में उक्त संपूर्ण व्यापारिक समझौते रद्द व प्रतिबंध कर देना ही भारत के लिए जीत है। कहा कि वैसे भी 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत सरकार ने आयात पर लगाए गए 200 प्रतिशत के टैरिफ के प्रभाव से भारत व पाकिस्तान के बीच पूरी दुनिया के साथ किए जा रहे व्यापारिक प्रतिशत का वह मात्र 0.06 प्रतिशत है जो आज पाकिस्तान के साथ है।

अविनाश वर्मा ने भारतीय निर्यात संगठन महासंघ के महानिदेशक अजय सहाय के उस बयान का हवाला देते हुए कहा कि इसे रोकने से न केवल पाकिस्तान का व्यापार प्रभावित होगा बल्कि इससे वहां की क्षेत्रीय आर्थिक गतिशीलता भी प्रभावित हो सकती है, जो पाकिस्तान के लिए कब्र खोदने के समान है।

जब्त पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड ने खोले कई राज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बीते सोमवार को लुगू पहाड़ पर हुए मुठभेड़ में मारे एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग व उसके सहयोगियों के पास से पुलिस ने 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड बरामद किया है। यहां से दो सैमसंग कंपनी का टैब भी मिला है। बरामद पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड व टैब को पुलिस ने खंगालना शुरू कर दिया है।

मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड से लेकर टैब में लाल आतंक को सींचने के लिए मिलने वाले लेवी का ब्यौरा उपलब्ध है। संगठन के निचले स्तर से लेकर थिंक टैंक का नाम पता समेत अन्य जानकारियां भी इसमें मौजूद हैं।

प्रशिक्षण देने के तरीके भी इसमें बताए गए हैं। संगठन के प्रचार-प्रसार का मैटेरियल भी इसमें है। बताया जा रहा है कि भविष्य की नक्सली संगठन की योजनाएं भी इसमें दर्ज हैं। पुलिस को इससे मिली जानकारियों के आधार पर नक्सल संगठन के जड़ से उखाड़ने में काफी मदद मिलेगी।

27 को धनबाद - झाड़ग्राम मेमू ट्रेन रहेगी कैंसिल



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद से झाड़ग्राम के बीच चलने वाली मेमू गुरुवार को दोनों ओर से रद रही। 27 अप्रैल को भी नहीं चलेगी। सप्ताह में छह दिन चलने वाली शनिवार को नहीं चलती है। इस वजह से शनिवार व रविवार दोनों दिन इस ट्रेन के पहिए थमे रहेंगे।

धनबाद-टाटा स्वर्णरेखा एक्सप्रेस टाटा के बदले आद्रा तक चली और वहीं से लौट गई। 27 अप्रैल व एक मई को को भी टाटा के बदले आद्रा तक चलेगी। तांबरम-जसीडीह एक्सप्रेस धनबाद व बोकारो होकर चलाई जाएगी।

अन्य कई लंबी दूरी की ट्रेनों के मार्ग भी बदल जाएंगे। ट्रेनों के रद होने व मार्ग परिवर्तन से यात्रियों की परेशानी बढ़ेगी। रेलवे की ओर से बताया गया कि चक्रधरपुर मंडल के मणिकुल-कुनकी के बीच मेगा ब्लाक के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। 27 अप्रैल एवं एक मई को 58023 टाटा-बरकाकाना पैसेंजर रद, 27 अप्रैल एवं एक मई को 58024 बरकाकाना-टाटा पैसेंजर रद, 27 अप्रैल को चलने वाली 18101 टाटानगर-जम्मूतवी एक्सप्रेस टाटा से 180 मिनट विलंब से प्रस्थान करेगी।

वहीं 22892 रांची-हावड़ा एक्सप्रेस गुरुवार को टाटा, पुरुलिया व खड़गपुर के बदले कोटशिला, चंद्रपुरा, महुदा, भोजूडीह व आद्रा होकर चलाई गई। एक मई को भी इसी मार्ग से चलेगी। 22891 हावड़ा-रांची एक्सप्रेस गुरुवार को खड़गपुर, पुरुलिया व टाटा के बदले आद्रा, भोजूडीह, महुदा, चंद्रपुरा व कोटशिला होकर चलाई गई। एक मई को भी इसी मार्ग से चलेगी। 26 अप्रैल को चलने वाली 12375 तांबरम-जसीडीह एक्सप्रेस को राउरकेला से चक्रधरपुर, पुरुलिया व आसनसोल के बदले राउरकेला से हटिया, रांची, बोकारो, चंद्रपुरा व धनबाद होकर जसीडीह जाएगी।

22843 बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस 25 अप्रैल को राउरकेला से चक्रधरपुर, पुरुलिया व आसनसोल के बदले राउरकेला से हटिया, रांची, बोकारो, भोजूडीह व जयचंडी पहाड़ होकर चलेगी। 22844 पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस 27 अप्रैल को आसनसोल, पुरुलिया, चक्रधरपुर व राउरकेला के स्थान पर जयचंडी पहाड़, भोजूडीह, बोकारो, कोटशिला, हटिया व राउरकेला होकर चलेगी।

लालू यादव की सजा बढ़ाने के मामले की हुई सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में चारा घोटाला मामले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव की सजा बढ़ाने की मांग को लेकर सीबीआई की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से मामले में समय की मांग की गई, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत में अगली सुनवाई 3 महीने के बाद निर्धारित की गई है।

बता दें कि सीबीआई देवघर कोषागार से अवैध निकासी मामले में लालू की सजा साढ़े तीन साल से बढ़ाकर सात साल किए जाने की मांग की है।

मनरेगा में नाबालिग छात्र- छात्राओं को बनाया जा रहा मजदूर

नाबालिगों का जॉब कार्ड बनाकर हो रही निकासी



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। जिले में मनरेगा के क्रियान्वयन में जमकर लूट मचाई जा रही है। मनरेगा कानून की धज्जियां उड़ रही है। घाघरा प्रखंड के सेहल पंचायत के तुंजो सेमरटोली गांव में मनरेगा के क्रियान्वयन में नाबालिग छात्र-छात्राओं का जॉब कार्ड बनाकर अवैध तरीके से भुगतान भी कर दिया गया है।

इस प्रकरण में पंचायत की मुखिया सोमारी देवी की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है। सोमारी देवी ने अपने दो नाबालिग पुत्र और एक पुत्री को भी मजदूर बना दिया है और उन्हें बतौर मजदूर मजदूरी का भुगतान भी अवैध तरीके से कर दिया है।

इसके अलावा भी अन्य नाबालिग छात्रों का जॉब कार्ड बनाकर मजदूरी का अवैध तरीके से भुगतान कराया गया है।मामला अप्रैल 2023 का है। मुखिया की पुत्री 15 वर्षीय मोनिका कुमारी का जॉब कार्ड संख्या 08-202 है, जिसे 22950 रुपये का भुगतान किया गया है।

इसी तरह मुखिया के पुत्र 16 वर्षीय पवन उरांव का जॉब कार्ड संख्या 08-201 है तथा 22950 रुपये का अवैध भुगतान किया गया है। मुखिया के पुत्र 17 वर्षीय मनीष उरांव का जॉब कार्ड संख्या 08-200 है, जिसे 22950 रुपये का अवैध भुगतान किया गया है। इसके अलावा गांव की 17 वर्षीय प्रियंका कुमारी, जिसका जॉब कार्ड संख्या 08-211 है, उसे 4590 रुपये, 14 वर्षीय अनीषा कुमारी का जॉब कार्ड 08-212 है, 4590 रुपये का भुगतान किया गया है।

14 वर्षीय काजल कुमारी का जॉब कार्ड संख्या 08-210 है। इसे 6120 रुपये का भुगतान किया गया है। विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं गलत तरीके से न केवल जॉब कार्ड बनाया गया है बल्कि अवैध तरीके से राशि का हस्तांतरण कर दिया गया है।

पूरे मामले में बीपीओ, पंचायत सचिव, मुखिया, मेट, रोजगार सेवक की भूमिका संदिग्ध है। इधर इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी आरटीआई प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय गोप ने उपायुक्त को अवगत कराते हुए कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

भाजपा की डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पखवाड़ा संगोष्ठी संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी की अध्यक्षता में पलामू क्लब मैदान में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर चल रहे पखवाड़ा के निमित्त संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुमार गौरव ने किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ भीमराव अंबेडकर को अपनी सामाजिक न्याय की प्रतिबद्धता के कारण ही कांग्रेस शासन में लगातार उपेक्षा व विरोध का सामना करना पड़ रहा था। भाजपा ने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण के विचारों को अपनाया। मोदी सरकार ने बाबा साहब को सम्मान देते हुए 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक किशुन दास ने कहा कि सामाजिक न्याय के प्रणेता रहे बाबा साहब ने अपने पूरे जीवन काल में वंचित वर्गों को सामाजिक राजनीतिक रूप से विकसित करने का भरपूर प्रयास किया। आज देश के प्रधानमंत्री मोदी ने स्टैंड अप इंडिया, पीएम आवास योजना व अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित वर्गों को मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। यह बाबा साहेब के समावेशी भारत की सोच का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि 1990 में भाजपा के समर्थन से चल रही बीपी सिंह की सरकार ने ही डॉक्टर अंबेडकर को भारत रत्न देकर सम्मान दिया था। कांग्रेस ने तो बाबा साहब को राजनीतिक हाशिए पर ले जाने का षड्यंत्र ही किया था।

जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि भाजपा डॉक्टर अंबेडकर को सम्मान भी दे रही है। मोदी सरकार 2014 से सामाजिक न्याय का विस्तार भी कर रही है। बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए विकसित भारत बनाने की ओर अग्रसर है।

सामाजिक न्याय के प्रणेता थे बाबा साहेब : किशुन दास



उन्होंने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार ने नारी शक्ति बंदन अधिनियम 2023 महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित कर डॉक्टर अंबेडकर के सामाजिक सुधार के दृष्टिकोण को साकार किया है। पूर्व सांसद घूरन राम ने कहा कि दलित आदिवासी और पिछड़े वर्गों की अत्याचारों से सुरक्षा सहित केंद्र की मोदी सरकार वंचित वर्गों के लिए विकास की उपलब्धियां गढ़ रही हैं। डॉ आंबेडकर के विरासत को सम्मान देने एवं पंच तीर्थ का विकास भी मोदी सरकार कर रही है। संगोष्ठी में परशुराम ओझा, नरेंद्र पांडे, विजयानंद पाठक, मंगल सिंह, दुर्गा जौहरी, अजय तिवारी, ज्योति पांडे, विजय ठाकुर, शिवकुमार मिश्रा, धर्मेंद्र उपाध्याय, अभिमन्यु तिवारी, जितेंद्र तिवारी, विजय कुशवाहा, राजहंस अग्रवाल, प्रियरंजन कुमार, ओमप्रकाश, विपुल गुप्ता, अरविंद गुप्ता, ईश्वरी पांडे, छोटू सिन्हा, सरवन गुप्ता, लूडू खान, नंदलाल प्रसाद गुप्ता, दीपक सिंह, अजय सिंह, शुभम प्रसाद, श्वेताग गर्ग, सुधीर प्रसाद, पिंकू सिंह, विवेक चौबे, दीपक कुमार, रंजीत चंद्रवंशी, रीना किशोर, मंजू गुप्ता, प्रिया सिंह, ललिता सहाय, उपासना कुमारी, भाजपा अनुसूचित समाज के सोनू मलिक, लखन चंद्रवंशी, मदन राम, विजय राम, अशोक राम, छोटू राम, रेखा देवी, तन्नू देवी, रेणु देवी, मीना देवी, रसीला देवी, चांदनी देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

42 गेंदों में हुआ दूध का दूध और पानी का पानी, नजर आया विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क



नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट करना हो तो उसके लिए एक गेंद काफी होती है. मैच में जीत और हार के बीच भी 1 गेंद बहुत फर्क डाल सकती है. लेकिन, विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क एक नहीं 42 गेंदें ने बताया है. भारत-पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच दूध का दूध और पानी का पानी करने वाली ये वो 42 गेंदें रहीं, जो एक ही दिन पर, एक ही तरह के फॉर्मेट वाले मैच में, दोनों को डाली गईं. उसके बाद जो रिजल्ट नजर आया, उसने बता दिया कि विराट कहां हैं और बाबर कहां?दिन था 24 अप्रैल का और फॉर्मेट था टी20 का. फर्क बस सिर्फ इतना था कि विराट कोहली इधर भारत में आईपीएल खेल रहे थे और बाबर आजम उधर पाकिस्तान में पीएसएल.मगर एक-दूसरे काफी दूर खेल रहे होने के बावजूद संयोग देखिए की अपने-अपने मैच में दोनों ने एक बराबर गेंदों का ही सामना किया. इधर भारत में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदें खेली और उधर पाकिस्तान में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मैच में बाबर आजम ने भी 42 गेंदों का ही सामना किया.अब 24 अप्रैल को खेले मैच में 42-42 गेंदें खेलने के बाद विराट कोहली और बाबर आजम के बीच जो फर्क नजर आया, वो जानिए. आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेले मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदों पर बनाए 70 रन. वहीं पीएसएल में बाबर आजम ने 42 गेंदों का सामना कर 56 रन ही बनाए. विराट कोहली का स्ट्राइक रेट 166.66 का रहा, जबकि बाबर आजम का 133.33 का. विराट ने 42 गेंदों की अपनी इनिंग में जहां 8 चौके और 2 छक्के लगाए. वहीं बाबर आजम ने 7 चौके और 1 छक्का ही लगाया. साफ है कि विराट रन, स्ट्राइक रेट और बाउंड्रीज की संख्या, हर मामले में बाबर आजम से आगे दिखे हैं. ऐसा तब है जब विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और बाबर आजम उस फॉर्मेट को अभी खेल रहे हैं. एक मैच का ये नतीजा उन लोगों के लिए भी जवाब की तरह है, जो बाबर को विराट से बेहतर बताने की कोशिश करते रहते हैं.

पहलगाम में आतंकी हमला मेरे देश ने ही कराया है... पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा बयान, जानिए क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर रह-रहकर डेवलपमेंट हो रहे हैं. बयानों का सिलसिला भी लगातार जारी है. इस बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि ये तो मेरे देश ने खुलेआम मान लिया कि पहलगाम में आतंकी हमला उन्होंने ही कराया है. अब सवाल है कि पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर दानिश ने ऐसा क्यों कहा? तो उन्होंने ऐसा पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है.पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर संबोधित किया था. डिप्टी पीएम के उसी बयान पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जब पाकिस्तान का डिप्टी पीएम ही आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' बता रहा हो तो ये सिर्फ अपमानजनक नहीं है बल्कि ये मान लेने जैसा भी है कि हमला हमारे देश ने ही कराया है.श्रीराम भक्त हिंदू क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन भी अपने देश की सरकार और उसके इरादे पर सवाल उठाए थे. तब उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा था कि अगर वाकई पाकिस्तान का पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हाथ नहीं तो फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस पर चिंता जाहिर क्यों नहीं की? क्यों अचानक ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने कहा गया? साफ है कि आपको सच पता है. आप आंतकियों को पनाह दे रहे हो और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हो. ऐसा करते हुए शर्म आनी चाहिए. दानिश कानेरिया ने पाकिस्तान के लिए 61 टेस्ट और 18 वनडे खेले हैं, जिसमें 276 विकेट अपने नाम किए हैं.



9 मैचों में 7 में मिली हार, क्या अब प्लेऑफ में पहुंच पाएगा राजस्थान!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के इस सीजन में राजस्थान टीम की हालत काफी खराब है और इस टीम को अब तक 9 में से 7 मैचों में हार मिली है। इस टीम के अभी सिर्फ 4 अंक हैं और अंकतालिका में ये टीम अभी 8वें स्थान पर है। इस सीजन में अब राजस्थान को 5 लीग मैच और खेलने हैं, लेकिन क्या अब वो प्लेऑफ में पहुंच पाएगी ये बड़ा सवाल है।

राजस्थान के प्लेऑफ में पहुंचने की कितनी संभावना

किसी भी टीम को वैसे तो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए 16 अंक की जरूरत होती है, लेकिन राजस्थान की अभी जैसी हालत है ऐसे में ये टीम 16 अंक तो हासिल नहीं कर सकती है। राजस्थान के अभी 4 अंक हैं और वो अगले 5 मैच जीत भी जाते हैं तो उसे 10 अंक प्राप्त होंगे और कुल मिलाकर इस टीम के 14 अंक होंगे। अब सवाल ये उठता है कि 14 अंक के साथ क्या कोई टीम प्लेऑफ में पहुंच सकती है। वैसे आईपीएल में कई बार स्थिति कुछ ऐसी बनी है कि 14 अंक हासिल करने वाली टीमें



भी प्लेऑफ में पहुंची हैं, लेकिन हर बार ऐसा हो लगता तो नहीं है। आइए अब जानते हैं कि राजस्थान की प्लेऑफ में पहुंचने की कितनी संभावना है।

8वें नंबर पर है राजस्थान

आईपीएल 2025 में 42 मैच खत्म होने के बाद अंकतालिका पर नजर डालें तो इस वक्त गुजरात पहले स्थान पर है जबकि दिल्ली दूसरे और आरसीबी तीसरे नंबर पर हैं। इन तीनों टीमों के 12-12 अंक हैं और ये तीनों टीम मौजूदा हालात के हिसाब से प्लेऑफ की सबसे बड़ी दावेदार दिख रही हैं। इसके अलावा इस रेस में मुंबई, लखनऊ और पंजाब भी मौजूद हैं जिनके 10-10 अंक हैं। अब अंकतालिका की मौजूदा स्थिति को देखते हुए राजस्थान के लिए मौका बनता तो नहीं दिख रहा है क्योंकि ये सभी टीमें उनसे काफी बेहतर स्थिति में नजर आ रही हैं।

राजस्थान को जीत के साथ रन रेट बेहतर करने की जरूरत

हालांकि क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है और अगर टॉप में मौजूद टीमों के साथ कोई बड़ा उलटफेर होता है और उन्हें अगर लगातार हार का सामना करना पड़ता है तो स्थिति बदल सकती है, लेकिन इसके लिए राजस्थान को भी अपने सभी बाकी के मुकाबले जीतने होंगे। राजस्थान को सिर्फ जीत ही नहीं बल्कि अपने रन रेट को भी बेहतर करने की जरूरत होगी। इस टीम के पास अभी 14 अंक हासिल करने का मौका बचा हुआ है साथ ही उसे दुआ करनी होगी कि अन्य टीमों को हार मिले।

ऑस्ट्रेलिया दौरा अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर: सलीमा टेटे

पर्थ, एजेंसी। एक महीने लंबे सीनियर नेशनल ट्रेनिंग कैंप के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से 4 मई तक ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पांच मुकाबले खेलेगी। दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में विश्व की पांचवें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलियाई सीनियर महिला टीम के साथ तीन मैच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) में घरेलू मैदान पर भाग लिया था, जहां उन्होंने दो जीत और एक शूटआउट जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंत में टीम ने विश्व की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बोनस अंक हासिल कर शानदार समापन किया। इस दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने 26 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है। सलीमा टेटे टीम की कप्तान होंगी और नवनीत कौर उपकप्तान के रूप में उनका साथ देंगी। युवा ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, जिन्होंने फरवरी में प्रो लीग में तीन गोल किए थे, अपनी अच्छी फॉर्म को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। अनुभवी गोलकीपर सविता इस दौरे पर भी टीम के डिफेंस की अगुवाई करेंगी, जिन्होंने हाल ही में 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए हैं। इस टीम में पांच नए चेहरे- ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे शामिल किए गए हैं, जो इस दौरे पर पहली



बार सीनियर टीम के लिए खेल सकती हैं। यह दौरा इन युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तर की हॉकी के दबाव को समझने का अच्छा अवसर है। सीरीज से पहले कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम पर्थ पहुंचकर बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे लिए मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने और मैच का अनुभव हासिल करने का सुनहरा मौका है। इससे हमें अपनी टीम संयोजन और रणनीतियों को समझने में मदद मिलेगी, जो यूरोप में होने वाले प्रो लीग और इस वर्ष के महिला एशिया कप के लिए उपयोगी होगा। सभी खिलाड़ी, विशेषकर नए खिलाड़ी, इस अनुभव से अधिक से अधिक सीखना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया हमेशा से एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 16 मुकाबले हुए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 जीते हैं और 3 बराबरी पर रहे हैं। हालांकि, भारत को प्रो लीग 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया पर 1-0 की हालिया जीत से आत्मविश्वास मिला है, जिसे वे इस दौरे में आगे बढ़ाना चाहेंगे।

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैंप के दौरान खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। यह दौरा हमें यह जानने में मदद करेगा कि हम कहां खड़े हैं। हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना, टीम में गहराई बनाना और नए संयोजन आजमाना है। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया 'ए' और सीनियर टीम के खिलाफ खेलना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सीख होगी और आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में मदद करेगा।

पांच और भारतीय एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में



अम्मान, एजेंसी। पांच भारतीय, जिनमें तीन लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं, पांचवें दिन प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुषों की अंडर-15 चैंपियनशिप में, नेल्सन ख्वाइराकपम (55 किग्रा) ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग शेंग-यांग पर आरएससी जीत हासिल की, जबकि अभिजीत (61 किग्रा) और लक्ष्य फोगाट (64 किग्रा) ने क्रमशः किर्गिस्तान और जॉर्डन के विरोधियों के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की।

लड़कियों में, प्रिंसी (52 किग्रा) ने यूक्रेन की येवा कुबानोवा पर 5-0 से हरा दिया। समृद्धि सतीश शिंदे (55 किग्रा) ने यूक्रेन की केसिया सविना के खिलाफ तीसरे दौर में आरएससी के साथ अपना मुकाबला समाप्त किया। इससे पहले, रुद्राक्ष सिंह खैदेम (46 किग्रा) ने चौथे दिन भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया और किर्गिस्तान के ऐदर मुसाएव पर 3-0 से जीत हासिल की। सभी छह भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे, जिससे अम्मान में टीम का दबदबा कायम रहा। पुरुषों की अंडर-15 श्रेणी में, हर्षिल (37 किग्रा) और संचित जयानी (49 किग्रा) ने 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि संस्कार विनोद अत्रम (35 किग्रा) ने 4-1 से जीत दर्ज की। प्रीक्षित बलहरा (40 किग्रा) ने मंगोलिया की अखमीतखान नूरसलीम पर कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की।

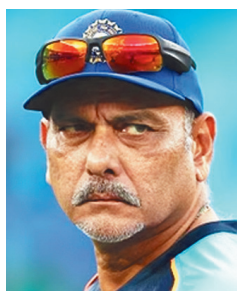
नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता, जापानी जेनकी डीन और श्रीलंकाई पथिरेज भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज 24 मई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के पहले चरण में हिस्सा लेने वाले विदेशी सितारों में शामिल होंगे। 33 वर्षीय डीन ने नीरज और किशोर जेना से पीछे रहते हुए 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों में 82.68 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.28 मीटर है जो उन्होंने 2012 में हासिल किया था। टूर्नामेंट के आयोजक जेएसडब्ल्यू ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''डीन एशियाई सर्किट के मजबूत खिलाड़ी हैं जो शीर्ष-10 विश्व रैंकिंग पर हैं और उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.28 मीटर का है। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 22 वर्षीय ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ ट्रैक क्लासिक में 85.41 मीटर थ्रो के साथ फिर से 85 मीटर का थ्रो पार किया।

डब्ल्यूटीसी फाईनल में ऑस्ट्रेलिया को बोलैंड की जगह इस अनुभवी को चुनना चाहिए: रवि शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि दिग्गज ग्लेन मैकग्रा की तरह गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाएगा। टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग पक्की है। ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा हो सकती है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर के साथ उतरने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास हरफनमौला बीयू वेबस्टर को एकादश में शामिल करने का विकल्प भी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हेजलवुड और बोलैंड के बीच चयन होने की संभावना है।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू पर कहा, 'यह बहुत कठिन विकल्प होगा, अगर हेजलवुड फिट होते हैं, तो



उन्हें बोलैंड के मुकाबले तरजीह मिलनी चाहिए। हेजलवुड अपने करियर में कई बार चोटिल होने के कारण टीम से बाहर रहे है। वह चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था। वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक कर टीम को यादगार जीत दिलाई। शास्त्री ने कहा, 'हेजलवुड अगर पूरी तरह से फिट है तो दो वजहों से उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिए। पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी और दूसरा उनके पास मैकग्रा की तरह गेंदबाजी (एक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करना) करने की क्षमता है। लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैकग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिए।

मैकग्रा ने लॉर्ड्स में तीन टेस्ट में 26 विकेट लिए है जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1997 में 38 रन देकर 8 विकेट लिए है। शास्त्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो वह (मैकग्रा) गेंद को दोनों ओर स्विंग करते हुए घातक साबित होते थे और मुझे लगता है कि हेजलवुड अपनी कद के साथ कुछ ऐसा ही कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह पिच ऑस्ट्रेलिया की तरह तेज नहीं हैं, इसलिए आपको थोड़ी अतिरिक्त ऊंचाई और उछाल की जरूरत होती है। हेजलवुड के पास स्कॉट बोलैंड के मुकाबले ऐसा करने की अधिक क्षमता है। मैं हालांकि स्कॉट बोलैंड का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। बोलैंड ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

आईसीसी टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा भारत!

बीसीसीआई ने आईसीसी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के साथ अब कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी. दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एसीसी टूर्नामेंट में आमने सामने होती है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बीसीसीआई ने एक और बड़ा फैसला किया और इस बाबत आईसीसी को पत्र भी लिखा है.

मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आईसीसी को पत्र लिखा है और मांग की है कि भारत और पाकिस्तान को किसी भी टूर्नामेंट में एक ग्रुप में ना रखा जाए.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब नहीं



चाहता कि भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी टूर्नामेंट में मुकाबला हो, कम से कम ग्रुप स्टेज में तो नहीं. अगर दोनों टीमें सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचे तो अलग बात होगी लेकिन ग्रुप स्टेज में तो कम से दोनों टीमों को एक साथ ना रखा जाए. अगला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट सितम्बर में है, जिसमें भारत महिला वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. पाकिस्तान महिला टीम ने इसके लिए क्वालीफाई किया है.

एशिया कप में क्या होगा?

पुरुष क्रिकेट में अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में फरवरी और मार्च के बीच खेला जाएगा, भारत और श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. हालांकि इससे पहले बीसीसीआई के लिए चिंता एशिया कप को लेकर होगी. इस साल पुरुष क्रिकेट एशिया कप का आयोजन भी होना है, जिसमें भारत बनाम पाकिस्तान 2 मैचों की संभावना है. भारत और पाकिस्तान अभी ग्रुप- में शामिल हैं, जिसमें उनके साथ यूएई और हांगकांग हैं. ग्रुप क्र में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और ओमान हैं. एशिया कप का मेजबान भारत है, लेकिन क्रिकबज की एक रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि पूरा टूर्नामेंट न्यूट्रल वेन्यू पर होने की संभावना है. अब देखना होगा कि क्या भारत और पाकिस्तान एशिया कप में एक ही ग्रुप में बने रहते हैं या इस पर भी कोई फैसला हो सकता है क्योंकि अभी तक टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं आया है. शेड्यूल मई तक आने की संभावना है लेकिन ये इस बात पर निर्भर करेगा कि बीसीसीआई और पीसीबी के बीच कैसा तालमेल रहता है. दरअसल पाकिस्तान अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा, ऐसी में न्यूट्रल वेन्यू पर चर्चा हो सकती है. एक रिपोर्ट में तो ये भी कहा गया है कि अगर दोनों के बीच तनाव रहता है तो टूर्नामेंट रद्द भी हो सकता है.

संक्षिप्त समाचार

15 साल में दूसरी बार गर्म रहा अप्रैल का महीना, दिल्ली में गर्मी से हाहाकार; 2 दिन लू करेगी परेशान



नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में अप्रैल का महीना 15 साल में दूसरी बार सबसे गर्म रहा। अब तक के दिनों का औसत अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है, जो सामान्य से लगभग दो डिग्री ज्यादा है। बचे हुए दिनों में भी झुलसाने वाली गर्मी पड़ने के आसार हैं। इससे पहले मार्च का महीना भी सामान्य से लगभग ढाई डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा था। मौसम विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक बीते अप्रैल के दिनों का औसत अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। अप्रैल महीने में दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग का औसत अधिकतम तापमान सामान्य तौर पर 36.5 डिग्री सेल्सियस रहता है। इससे पहले वर्ष 2022 में अप्रैल का महीना बेहद गर्म रहा था। तब औसत तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस था। वर्ष 2011 से 2025 तक के आंकड़े बताते हैं कि बीते 15 साल में इस बार का अप्रैल महीना दूसरा सबसे गर्म अप्रैल है। राजधानी में इस बार मौसम का रुख सामान्य से ज्यादा सख्त नजर आ रहा है। सुबह से ही निकलने वाली तेज धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया है। इसके चलते दिन में 11 बजे के बाद ही लोगों का घर से निकलना दूभर होने लगा है। दोपहर के समय लोगों को गर्म हवा के थपेड़ों का अहसास भी हुआ। लंबे अरसे से दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में अच्छी बारिश नहीं होने के चलते मौसम में नमी की मात्रा भी बेहद कम है। सूखी और गर्म हवा के चलते लोगों को तपिश का अहसास हो रहा है। दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार के लिए लू का अलर्ट भी जारी किया गया है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में गुरुवार की सुबह से ही तेज धूप निकली। मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है। आर्द्रता का स्तर 60 से 13 फीसदी तक रहा।

डीटीसी की पुरानी बसों में खुलेंगे फूड स्टॉल, मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब में बदले जाएंगे 2 आईएसबीटी



नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की पुरानी बसें जल्द ही फूड स्टॉल में बदली हुई नजर आएंगी। परिवहन विभाग इन बसों को फूड किओस्क में बदलकर आनंद विहार, सराय काले खां और कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर तैनात करेगा। इसके अलावा दो आईएसबीटी को भी मॉडल ट्रांजिट हब में बदले जाने का भी प्लान है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से बीते दिनों लॉन्च किए गए दिल्ली हीट एक्शन प्लान-2025 को परिवहन विभाग में लागू करने के लिए दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने गुरुवार को डीटीसी और डिम्ट्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। परिवहन मंत्री ने कहा कि गर्मी से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए डीटीसी सभी डिपो और टर्मिनलों पर डिजिटल वाटर कूलर लगाएगा। पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 10 प्रमुख डिपो को चुना गया है। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद दिल्ली के अन्य प्रमुख स्थानों पर ऐसे वाटर कूलर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना की एक प्रमुख पहल बस क्यू शेल्टर्स पर 'जल दूतों' की तैनाती भी है। ये प्रशिक्षित कर्मी 'जल दूत' यात्रियों को ठंडा व शुद्ध पानी उपलब्ध कराएंगे, जिससे गर्मी के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी।

मेधा पाटकर गिरफ्तार, वीके सक्सेना मानहानि केस में ऐक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना की मानहानि केस में दिल्ली पुलिस ने सोशल एक्टिविस्ट मेधा पाटकर को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। दो दिन पहले ही दिल्ली की साकेत कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। डीसीपी (साउथ ईस्ट) रवि कुमार सिंह ने मेधा पाटकर की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मेधा पाटकर को शुक्रवार सुबह निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। दोपहर में उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

साकेत जिला कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज (एएसजे) विशाल सिंह ने 23 अप्रैल को मेधा पाटकर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। वह वी.के. सक्सेना द्वारा दायर मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद प्रोबेशन पर रिहा होने की शर्तों 25,000 रुपये का बॉन्ड जमा करने और 1 लाख रुपये का मुआवजा देने में विफल रही थीं। उन्हें मई 2024 में पांच महीने की कैद और जुर्माना की सजा सुनाई गई थी।

एएसजे विशाल सिंह ने 8 अप्रैल को जारी आदेश के क्रियान्वयन को स्थगित करने की मांग करने वाली पाटकर की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्हें निर्देश दिया गया था कि शर्तों को 23 अप्रैल तक पूरा किया जाए।

जज ने मेधा पाटकर की याचिका को ओछी और शरारतपूर्ण तथा अदालत को धोखा देने वाला बताते हुए कहा था कि सजा के आदेश का पालन करने के लिए अदालत में उपस्थित होने के बजाय, दोषी अनुपस्थित रहा और जानबूझकर आदेश का पालन करने में विफल रही। दिल्ली पुलिस



कमिश्नर के माध्यम से वारंट जारी करते हुए अदालत ने कहा कि यदि पाटकर अगली सुनवाई तक उसके पिछले आदेश का पालन करने में विफल रहीं तो अदालत को उनकी सजा पर पुनर्विचार करने तथा सजा संबंधी अपने आदेश में बदलाव करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

वीके सक्सेना ने नेशनल काउंसिल ऑफ सिविल लिबर्टीज के अध्यक्ष के रूप में मेधा पाटकर के खिलाफ 24 नवंबर 2000 को जारी उनकी मानहानिकारक प्रेस रिलीज के लिए मामला दर्ज कराया था। पिछले साल 24 मई को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कहा था कि पाटकर ने अपने बयान में सक्सेना को 'कायर' कहा था तथा हवाला लेन-देन में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाया था, जो न केवल मानहानिकारक थे, बल्कि उनके बारे में नकारात्मक धारणा को भड़काने के लिए गढ़े गए थे।

दिल्ली के चांदनी चौक, सदर बाजार में सड़कों पर उतर आए हजारों व्यापारी; लाल किले तक मार्च

नईदिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले से अभी भी पूरा देश सदमे में है। आंतकियों के इस कायराना हमले ने 26 निर्दोष जिंदगियों को निगल लिया और अब देश को चाहिए तो सिर्फ आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई। इस बीच दिल्ली के चांदन चौक और सदर बाजार के हजारों व्यापारी सड़कों पर उतर आए हैं। वह पुलवामा हमले में सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब पाकिस्तान के साथ कोई व्यापार नहीं करेंगे।

जानकारी के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले से दिल्ली के व्यापारियों में भारी आक्रोश है। वह सिर्फ ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। सदर बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधीनगर, नया बाजार, खारी बावली, चावड़ी बाजार, चांदनी चौक, जामा मस्जिद और हौज काजी समेत 100 से अधिक बाजार संघ बंद में भाग ले रहे हैं। कपड़ा, मसाले, बर्तन और सराफा जैसे क्षेत्रों के विभिन्न व्यापारी संघ भी बंद में शामिल हुए।

वहीं चांदनी और सदर बाजार में कई व्यापारी इकट्ठा हुए हैं और लाल किले तक मार्च कर रहे हैं। व्यापारियो ने कहा,



हम चाहते हैं कि आतंकियों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाए और इसके लिए व्यापारी तन-मन धन से सरकार के साथ हैं। व्यापारी संघ के एक सदस्य ने बताया कि दिल्ली के सबसे प्रमुख बाजारों में शामिल सदर बाजार शुक्रवार को वीरान नजर आया जहां आमतौर पर चहल-पहल रहती है। बंद की वजह से बाजार में सब्जी विक्रेता भी नहीं आए। बाजार संघ द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि गांधीनगर स्थित एशिया का सबसे बड़ा थोक रेडीमेड कपड़ा बाजार पूरी तरह बंद रहा। बयान में कहा गया,''बंद का उद्देश्य आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों के लिए न्याय की मांग करना और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन करना है। इससे पहले गुरुवार को 'चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री' (सीटीआई) ने बंद का आह्वान किया था।

पश्चिमी दिल्ली के कुछ इलाके में 2 दिन नहीं आएगा पानी, डीजेबी ने बताई किल्लत की वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के कुछ इलाके में रहने वाले लोगों को दो दिन पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने बताया है कि 25 और 26 अप्रैल को पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। ऐसे में प्रभावित इलाके में रहने वाले लोगों से पानी के विवेकपूर्ण इस्तेमाल करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही उनसे जरूरत अनुसार पानी स्टोर करके रखने की अपील की गई है।

जल बोर्ड ने बताया की पानी की सप्लाई में आए व्यवधान की वजह सादिक नगर के पास एक प्रमुख पाइपलाइन पर चल रहा मरम्मत कार्य है। डीजेबी द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, चिराग दिल्ली, खिड़की एक्सटेंशन, पंचशील विहार, साकेत और आस-पास के इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। इन इलाकों में 25 और 26 अपऐल को पानी की आपूर्ति नहीं होगी। डीजेबी ने निवासियों को किसी भी

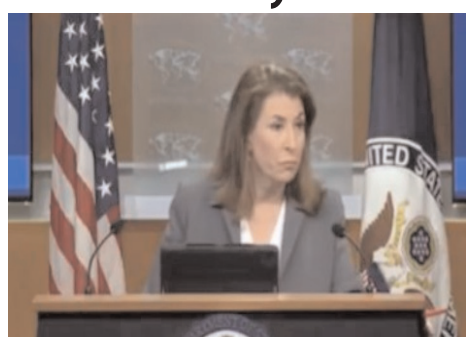


असुविधा से बचने के लिए पहले से ही पर्याप्त पानी जमा करने की सलाह दी है। नोटिस में कहा गया है, बंद के दौरान, अनुरोध पर पानी के टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। लोग दिए गए आपातकालीन नंबरों या टोल-फ्री हेल्पलाइन के माध्यम से डीजेबी से संपर्क कर सकते हैं।

इससे पहले, 21 अप्रैल को, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई हिस्सों में द्वारका वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से 1,000 मिमी फीडर लाइन पर रखरखाव और इंटरकनेक्शन कार्य के कारण पानी की आपूर्ति बाधित हुई थी। यशोभूमि द्वारका, भरथल गांव, धूलसिरस, बामनोली और आसपास के इलाकों में सुबह 10 बजे से 12 घंटे तक सप्लाई ठप रही थी। इसके अलावा, उद्योग नगर, पश्चिम विहार, विकास नगर, उत्तम नगर, चंचल पार्क और अन्य पड़ोसी कॉलोनियों सहित पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों में दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक पानी उपलब्ध नहीं था।

पहलगाम पर सवाल पूछ रहा था पाक पत्रकार, अमेरिकी प्रवक्ता ने किया नजरअंदाज, बोलीं- हम भारत के साथ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद कर दी। पत्रकार ने उनसे जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव को लेकर सवाल किया था। इस पर प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और सभी प्रकार के आतंकवाद की कड़ी निंदा करता है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, हम इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं करने वाले हैं, हम किसी दूसरे मुद्दे पर आपसे बात करने के लिए आएंगे। इस स्थिति पर तो कुछ नहीं बोलेंगे। राष्ट्रपति और सेकरेट्री ने पहले ही काफी कुछ कह दिया है, हमारा रुख स्पष्ट है। बिना नाम लिए टैमी ब्रूस ने पाक आतंकियों के खिलाफ कड़े एक्शन की बात कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन लोगों के लिए प्रार्थना करता है जिन्होंने आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाई और घायलों के ठीक होने के लिए



प्रार्थना करता है। पहलगाम में आतंकवादी हमले पर ब्रूस ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव रूबियो ने स्पष्ट किया है, अमेरिका भारत के साथ खड़ा है, आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं और घायलों के ठीक होने के लिए प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए फोन किया था। पीएम मोदी ने ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इस कायरतापूर्ण और जघन्य आतंकवादी हमले के अपराधियों और समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के रूप में जाना जाता है, में 26 लोगों की हत्या कर दी थी। इस आतंकी हमले के बाद पहली सार्वजनिक सभा में प्रधानमंत्री ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया था। बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कसम खाई कि भारत पहलगाम नरसंहार में शामिल हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पर संयुक्त राष्ट्र की नजर, कहा- दोनों देशों से संयम बरतने की अपील

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव पर संयुक्त राष्ट्र संघ की नजर है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस स्थिति को लेकर चिंतित हैं और बारीकी से नजर रख रहे हैं। गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है। ताकि हालात और न बिगड़ें। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम दो दिन पहले 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हैं। हालांकि गुटेरेस ने भारत-पाकिस्तान सरकारों से कोई सीधा संपर्क नहीं किया है, लेकिन मैं वह स्पष्ट रूप से स्थिति पर बहुत बारीकी और बड़ी चिंता के साथ नजर रख रहे हैं।

महासचिव ने भारत और पाकिस्तान दोनों सरकारों से अपील की है कि वे अधिकतम संयम बरतें और यह सुनिश्चित करें कि स्थिति और जो घटनाक्रम हमने देखा है वह और न बिगड़े। दुजारिक ने कहा कि हमारा मानना है कि पाकिस्तान और भारत के बीच कोई भी मुद्दा शांतिपूर्ण तरीके से, सार्थक, आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है और सुलझाया जाना चाहिए। सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले पर दुजारिक ने कहा कि मुझे लगता है कि यह हमारे द्वारा अधिकतम संयम बरतने की अपील और ऐसी कोई कार्रवाई न करने के दायरे में आएगा जो पाकिस्तान के हितों को नुकसान पहुंचाए। यह स्थिति को और खराब करना या तनावपूर्ण क्षेत्र में तनाव बढ़ाना है। उन्होंने पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। दुजारिक ने बताया कि महासचिव ने कहा है कि नागरिकों के खिलाफ हमले किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य हैं।

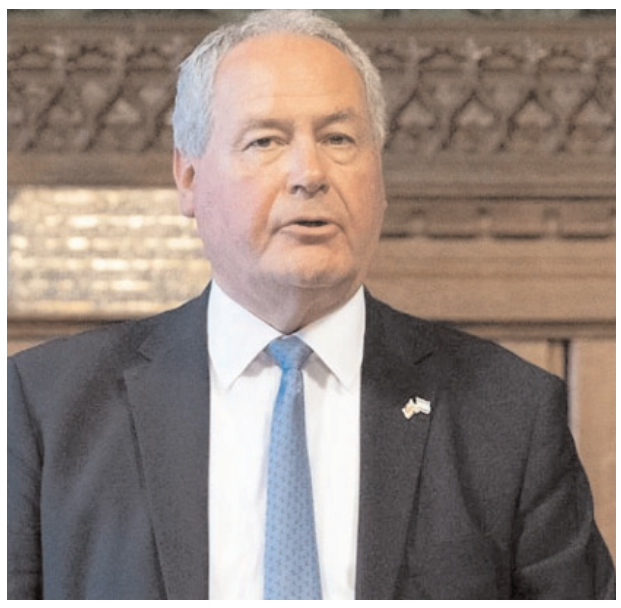
इमरान ने की हिंदू प्रेमिका की हत्या, कमरे में कंबल से बंधी मिली लाश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में गुरुवार को प्रेमी के कमरे में महिला का शव कंबल से बंधा मिला। बदबू फैली तो पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। शुरुआती जांच में गला दबाकर हत्या की बात सामने आई है। बेटे ने मां के प्रेमी के खिलाफ शिकायत दी है, जो फरार है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि इलायचीपुर गांव स्थित एक मकान के बंद कमरे से खून बहकर बाहर आ रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो अंदर महिला का शव जमीन पर पड़ा था। शव को कंबल में लपेटकर बांधा गया था। आसपास बदबू फैली हुई थी। मृतक महिला की पहचान 40 वर्षीय कृष्णा देवी निवासी हर्ष विहार, दिल्ली के रूप में हुई, जबकि कमरा फैजुल उर्फ इमरान नाम के युवक ने किराये पर ले रखा था। वह रंगाई-पुताई का काम करता है। लोगों ने बताया कि इमरान और कृष्णा के संबंध थे और वह अक्सर यहां आती थी। कृष्णा के बड़े बेटे और अन्य परिजनों ने भी मौके पर पहुंचकर इसकी पुष्टि की। बेटे ने इमरान पर मां की हत्या का आरोप लगा शिकायत दी है। एसीपी का कहना है कि महिला के गले पर निशान हैं। अंदेशा है कि गला दबाकर हत्या की गई है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत के कारण स्पष्ट होगा। लोग जिसे खून बता रहे थे, वह शरीर से निकलने वाला दृव्य है। शरीर के सड़ने पर यह निकलता है।

चाहे पाकिस्तान में घुसकर मारो, हम हर कदम पर साथ देंगे; ब्रिटिश सांसद का भारत को पैगाम

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के एक वरिष्ठ सांसद ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के लिए अपना पूरा समर्थन देने का वादा किया है। सांसद ने कहा कि भारत जो भी कदम उठाए, हम उसके साथ हैं। उन्होंने कहा कि भारत अगर पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई करता है तो भी पूरा समर्थन रहेगा। जम्मू-कश्मीर के पाहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्रिटेन स्थित भारतीय उच्चायोग में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान ब्रिटेन के कई सांसद और बड़ी हस्तियां भी शामिल हुईं। सभा में बोलते हुए ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भारत के समर्थन में एक सशक्त और भावनात्मक बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो भी कदम भारत सरकार इस हमले के बाद उठाना उचित समझे - चाहे वह सैन्य कार्रवाई ही क्यों न हो - उन्हें उसका पूरा समर्थन है।

ब्लैकमैन ने कहा, हम यहां दुख साझा करने आए हैं। जब आतंकी हमला करता है, तो वह पूरी मानवता के दिलों पर हमला करता है। यह हमला धार्मिक आधार पर नफरत को दर्शाता है, और इसे कतई सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में उठाया और सरकार से आग्रह किया कि वह भारत के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से जताए। उन्होंने जोर देते हुए कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में, भारत जो भी कदम आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ उठाएगा, हमें उसका समर्थन करना चाहिए। अगर आतंकियों को न्याय के कटघरे में नहीं खड़ा किया जा सकता, तो उन्हें खत्म कर दिया जाना चाहिए। मेरी उम्मीद है कि ब्रिटेन के सभी राजनीतिक दल भारत के साथ खड़े होंगे, चाहे वह कार्रवाई एलओसी के पार सैन्य रूप में ही क्यों न हो। बॉब ब्लैकमैन इंग्लैंड के हैरो ईस्ट से कंजर्वेटिव सांसद हैं। वे भारत के पद्म श्री पुरस्कार से भी सम्मानित हैं। ब्लैकमैन ने अपने कश्मीर दौरे को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 9 साल पहले कश्मीर घाटी की यात्रा की थी और घाटी की सुंदरता उनके मन में आज भी बसी हुई है। उन्होंने कहा, आतंकी चाहते हैं कि घाटी में पर्यटन न हो, लेकिन हम उन्हें ऐसा करने



नहीं देंगे।

कार्यक्रम में लेबर पार्टी की सांसद और इंडो-पैसिफिक मामलों की मंत्री केथरीन वेस्ट ने भी शिरकत की। उन्होंने हमले को भयानक और कायरतापूर्ण आतंकी हमला बताते हुए पीड़ितों के परिवारों और भारत के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, हम सभी को मिलकर इन खतरनाक समयों में एकजुट रहना होगा और न्याय की भावना के साथ-साथ उन परिवारों को सहारा देना होगा जो गहरे शोक में हैं।

यह हमला कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल होने को रोकने की साजिश थी: भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमला भारत में सामान्य स्थिति को रोकने, पर्यटन को बाधित करने और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को डर के साए में लाने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा, यह आजाद भारत के इतिहास में मुंबई हमलों के बाद नागरिकों की सबसे बड़ी हत्या है। पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुनकर मारा गया। यह सिर्फ और सिर्फ आतंक फैलाने की कोशिश थी। उन्होंने आगे कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने साफ कहा है - हम न भूलेंगे, न माफ करेंगे। जो लोग इस हमले के पीछे हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी - चाहे वे कहीं भी हों। भारत की एकता को तोड़ने की कोशिश कभी सफल नहीं हो सकती। हम भाषा, जाति, धर्म से परे एकजुट राष्ट्र हैं।

उच्चायुक्त ने कुछ पीड़ितों का व्यक्तिगत जिक्र करते हुए बताया कि वहां मौजूद कुछ लोग अपने हनीमून पर आए थे, जिनमें एक नवविवाहित जोड़ा और एक बच्चा शामिल थे। उन्होंने कहा, ये सामान्य लोग थे, जैसे आप और हम। बस कुछ पल अपने प्रियजनों के साथ बिताने आए थे, और उनकी जिंदगी छीन ली गई। इस श्रद्धांजलि सभा में केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन, महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट, ब्रिटिश सांसदों और भारतीय समुदाय के कई सदस्य उपस्थित थे। सभी ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए पीड़ितों और उनके परिजनों को समर्थन देने का संदेश दिया। पाहलगाम हमले के बाद भारत को वैश्विक मंच पर समर्थन मिलना शुरू हो गया है।

सेवा और समर्पण का प्रतीक है नर्सिंग : करुणामय









नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित







बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल के स्कूल ऑफ नर्सिंग में जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी के प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत में स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या श्रीमती नीलिमा कुमारी ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. बी.बी. करुणामय, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी, बोकारो जनरल अस्पताल के द्वारा परम्परागत रूप से दीप प्रज्वालित कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बी.बी. करुणामय ने अपने संबोधन में नर्सिंग पेशे को सेवा, संवेदना और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने छात्राओं को मानव सेवा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि एक नर्सिंग सिस्टर प्रत्येक मरीज के लिए आशा, सहानुभूति और विश्वास की प्रतिमूर्ति होती है। उन्होंने इसके उपरांत पारंपरिक रूप से नर्सिंग शपथ दिलाई, जिसमें 40 छात्राओं ने निष्ठा और सेवा भाव के साथ नर्सिंग पेशे की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिंद मंडल एवं डॉ. इंद्रनील चौधरी, एडिशनल मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. वर्षा घाणेकर, स्कूल ऑफ नर्सिंग की अध्यक्ष डॉ. सोफिया, वरिष्ठ चिकित्सकगण, छात्राएं एवं स्टाफ नर्सें बड़ी संख्या में उपस्थित थें । कार्यक्रम में प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें उनके उत्साह और रचनात्मकता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का संचालन तृतीय वर्ष की छात्राएं सुश्री तनुश्री और सुश्री अनुष्का ने किया।

'बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ द मंथ अवॉर्ड' कार्यक्रम का आयोजन

बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में मार्च 2025 के लिए 'बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ द मंथ अवॉर्ड' का आयोजन किया गया जिसमें आठ (08) कर्मचारियों को उनके कार्य में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया. इस समारोह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री हरिमोहन झा के साथ संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष सहित अन्य वरीय अधिकारी तथा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिक तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे. अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस सफलता में कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार का भी काफी योगदान है तथा उन्हें प्रोत्साहन के क्रम में बधाई देते हुए कहा कि कर्मचारियों को अपने रोज के कार्यों के अलावा नित नई चुनौतियों को स्वीकार कर उनका समाधान निकालना चाहिए तथा विकास की गति को बनाये रखना चाहिए.

पहलगाम आतंकी हमले का समर्थक बोकारो में गिरफ्तार



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड से बड़ी राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इन दलों की राजनीति की वजह से शरीयत को संविधान से ऊपर मानने वालों का मनोबल बढ़ रहा है। बाउरी का यह बयान उस वक्त आया जब पहलगाम आतंकी हमले का समर्थक बोकारो में गिरफ्तार किया गया। इस बीच एक और बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। राज्य के मंत्री हफीजुल का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वे कहते हैं - मुसलमान का सब्र टूटेगा तो मार-काट होगी। भाजपा ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि ऐसे सोच रखने वालों से देश को सुरक्षित रखने का उन्होंने संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पहलगाम के हत्यारे चाहे धरती के किसी भी कोने में छिपे हों, उन्हें सजा जरूर मिलेगी। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को भी नेस्तनाबूत करने की बात कही है।

केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिह्न : दीपांकर

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पहलगाम आतंकी हमले के मामले पर भाकपा माले ने दुख जताते हुए केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने आज रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण पहलगाम में जो भी घटनाएं हुई हैं उसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की होती है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में बड़े नेताओं के लिए सुरक्षा के कही इंतजाम किए गए हैं लेकिन आम लोगों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है। दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि पहलगाम की घटना ने केंद्र सरकार के सामने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं जिसका जवाब उन्हें देना होगा। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निजीकरण के खिलाफ आगामी 20 में को देशभर के मजदूर हड़ताल पर जा रहे हैं। बेरोजगारी निजीकरण और विस्थापन जैसी समस्याओं का हल होना चाहिए। दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि राष्ट्रीयकरण की नीतियां घटना के साथ निजीकरण की ओर देश बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

काला बिल्ला लगाकर मंत्री पहुंचे नमाज पढ़ने

देवघर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने काला बिल्ला लगाकर घटना को लेकर विरोध जाहिर किया है। इसके अलावा मंत्री आज नमाज पढ़ने भी काला बिल्ला लगाकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सिर्फ बोलने से नहीं होगा यह



एक आतंकी घटना है ना की कोई विशेष समुदाय का इसमें आतंकी है और इस पर एक्शन होना जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिस तरह से भाजपा इस मुद्दे को हिंदू मुस्लिम में लेकर जा रही है यह पूरी तरह से गलत है वही निशिकांत दुबे के कलमा पर ट्वीट को लेकर मंत्री जी ने कहा कि घटना के ठीक 10 दिन पहले निशिकांत दुबे गुलमर्ग में अपनी शादी की सालगिरह मनाते हैं जिसमें भाजपा के बड़े-बड़े नेता पहुंचते हैं उन्हें तीन लेयर की सिक्योरिटी दी जाती है लेकिन आम जनता को एक भी सिक्योरिटी नहीं दी जाती है इसको क्या समझा जाए इसके अलावा उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे अपने आप को देश का सर्वोच्च मान बैठे हैं।उन्होंने कहा कि वह कितनी बार शादी की सालगिरह मनाते है इसकी जानकारी नहीं है ।

अगलगी में दर्जनों दुकानें राख

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो रेलवे स्टेशन के पास झोपड़ी नुमा होटल और राशन सहित अन्य दुकानों में देर रात लगी भीषण आग में जमकर तांडव मचाया। इस आग लगी की घटना में एक दर्जन से अधिक दुकान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। इस आग लगने की घटना में लगभग 40 से 50 लख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना लगभग 12:30 बजे की बताई जा रही है। इस आग को बुझाने में चार दमकल की गाड़ी को लगाया गया तब जाकर आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना पर सुबह से ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। दुकानदारों ने बताया कि आज कैसे लगी यह जानकारी नहीं मिल पाई है लेकिन दुकान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया है।





कारा सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय के सभागार में आज कारा सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा ने की। इस अवसर पर उपायुक्त ने कारा सुरक्षा को लेकर समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जेल सुरक्षा को मजबूत बनाने और जेल परिसर में अनुशासन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, सुरक्षा उपकरणों जैसे सीसी टीवी की स्थिति का आकलन करते हुए उनकी समय पर मरम्मत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी से समन्वय और तत्परता के साथ कार्य करने की अपील की, ताकि जेल सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो। इसके अलावे कारा में कैदियों के लिए ससमय हेल्थ चेकअप कैम्प, एम्बुलेंस की व्यवस्था, समेत अन्य विषयों पर भी चर्चा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, एसडीपीओ और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

दो हजार से अधिक मरीजों का किया गया सफलतापूर्वक सिटी स्कैन

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन के प्रयास से 32 स्लाइस सी टी स्कैन मशीन का अधिष्ठापन सदर अस्पताल खूँटी में दस माह पूर्व किया गया है, जिसका संचालन स्वास्थ्य विभाग खूँटी द्वारा सफलता पूर्वक किया जा रहा है। इसके तहत रेडियोलॉजिस्ट कक्ष, कंसोल कक्ष, सिटी स्कैन कक्ष एवं अन्य व्यवस्था की गई है। खूँटी जिला का यह पहला 32 स्लाइस सिटी स्कैन केंद्र है। 32 स्लाइस सीटी स्कैन एक उन्नत चिकित्सा इमेजिंग तकनीक है जो शरीर की विस्तृत क्रॉस-सेक्शनल छवियां बनाने के लिए एक्स-रे का उपयोग करती है। 32 स्लाइस स्लाइस या छवियों की संख्या को संदर्भित करता है जो सीटी स्कैनर के प्रत्येक घुमाव पर प्राप्त की जा सकती हैं। 32 स्लाइस सीटी स्कैन शरीर की आंतरिक संरचनाओं की उच्च-गुणवत्ता वाली छवियां प्रदान कर सकता है। इसके अलावा यह पारंपरिक सीटी स्कैन की तुलना में कम समय लेता है और कम विकिरण जोखिम के साथ होता है। 32 स्लाइस सीटी स्कैन के कई लाभ हैं। सबसे पहले, यह तकनीक आंतरिक अंगों, हड्डियों और ऊतकों की उच्च गुणवत्ता वाली छवियां प्रदान करती है, जो डॉक्टरों को विभिन्न चिकित्सा स्थितियों का सटीक निदान करने में मदद करती है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस सीटी स्कैन केंद्र का लाभ जिले के मरीजों को मिल रहा है। अब तक मशीन के माध्यम से लगभग दो हजार से अधिक मरीजों का सफलतापूर्वक सिटी स्कैन किया गया है।

निमार्णाधीन हाई सिक्योरिटी जेल के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य का पहला हाई सिक्योरिटी जेल का निर्माण हजारीबाग में किया जा रहा है. राज्य के पहले निमार्णाधीन हाई सिक्योरिटी जेल के निर्माण कार्यों का निरीक्षण शुक्रवार को झारखंड के गृह सचिव वंदना दादेल के द्वारा किया गया. निरीक्षण के दौरान कारा महानिरीक्षक सुदर्शन मंडल, उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे. निरीक्षण के क्रम में गृह सचिव ने निमार्णाधीन हाई सिक्योरिटी जेल संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया. उन्होंने निर्माण कार्यों में लगे अधिकारियों से वार्ता कर निर्माण संबंधी बारीकियों की जानकारी ली.यह जेल हार्डकोर उग्रवादियों और अपराधियों को रखने के लिए बनाई जा रही है, जहां उन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी.

आतंकी घटना को लेकर गुमला के लोगों में जबरदस्त आक्रोश

गुमला/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी घटना को लेकर गुमला के लोगों में जबरदस्त आक्रोश देखा जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के द्वारा आज गुमला बंद के आह्वान पर गुमला बंद सुबह से ही स्वत सफल रहा। दुकानें नहीं खुली और सड़कें सुनसान रही।

यात्री व मालवाहक गाड़ी भी नहीं चले। व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ताओं ने भी घटना में मृतक लोगों के आत्मा की शांति के लिए शोकसभा की और न्यायिक कार्य से लग रहे। अंजुमन इस्लामिया के द्वारा भी इस घटना को लेकर आज ब्लैक डे घोषित किया गया और काला बिल्ला लगाकर टावर चौक में शोक सभा की। उनके हाथों में पाकिस्तान मुदार्बाद आतंकवादी मुर्दाबाद दशहतगर्दी नहीं चलेगी पहलगाम के क्रूर हत्यारों को कड़ी सजा मिले जैसे स्लोगन हाथों में लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर सदर अंजुमन के अध्यक्ष मुसाहिद आजमी ने पहलगाम की कड़ी निंदा की और कहा कि हत्यारों को कड़ी सजा मिले। बजरंग दल के राम विनोद पांडेय ने कहा कि पहलगाम की हत्या अत्यंत निंदनीय है जिसे लेकर हिंदू समाज आक्रोशित हैं। नतीजा आज गुमला पूरा बंद सफल रहा। अधिवक्ता संघ के सचिव बाबूलाल ने कहा कि पहलगाम की हत्या अत्यंत निंदनीय है दोषियों को कड़ी सजा मिले।

उन्होंने मृतकों के आश्रितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा आयोजित कर न्यायिक कार्य से अलग रहे। एसडीपीओ गुमला सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि हिंदू संगठनों के द्वारा आयोजित बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इस तरह पहलगाम में आतंकियों के द्वारा की गई क्रूर कार्रवाई का गुमला के सभी समुदाय के लोगों ने खुलकर निंदा की और सरकार सख्त कार्रवाई करें इसका आह्वान किया।



आतंकी हमला के विरोध में कैंडल मार्च निकाला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हिंदू सैलानियों पर हुए आतंकी हमला के विरोध में बहादुरपुर में कैंडल मार्च निकाला गया एवं शाहिद हिंदू नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। जिसका नेतृत्व सेलेश कुशवाहा एवं रोशन जायसवाल ने किया। इसमें मुख्य रूप से भाजपा प्रखंड अध्यक्ष मनोज ठाकुर, बारडीह पंचायत मुखिया पुष्पा देवी, बांसी कुशवाहा, रंजन कुमार, श्रीकांत कुशवाहा, बासुदेव नायक, धोनी अडि, शुभम पाल, विक्की नायक, कैलाश कुमार, आलोक पाल समेत अन्य बहादुरपुर वासी शामिल हुए।

सड़क सुरक्षा की बैठक कर उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में आज उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन, एवं सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां रम्बल स्ट्रिप एवं साइनेज बोर्ड लगाना सुनिश्चित किया जाए। साथ हीं ब्लैक स्पॉट, जहां रौशनी के अभाव में सड़क दुर्घटना हो रही है, ऐसे स्थानों पर सोलर लाइट लगाने को लेकर भी चर्चा किया गया। सड़क पर यातायात नियमों का पालन कराने के लिए नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जाए। हिट एंड रन जैसी घटनाओं पर रोकथाम के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, साथ हीं पीड़ित परिवारों को निर्धारित समय पर मुआवजा भुगतान की जाए। झारखंड

उपायुक्त ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें

सरकार के गुड समेमेरिटन पॉलिसी के विषय पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को मदद करने वाले व्यक्ति को उक्त योजना के तहत पुरस्कृत करने का भी निर्देश दिया गया। सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि सड़क सुरक्षा से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें। हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें, तेज गति से वाहन न चलाएं, नशे की हालत में गाड़ी न चलाएं, और सड़क पर सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि आपकी सुरक्षा आपके हाथ में है, इसलिए जिम्मेदारी से वाहन चलाएं और जिला प्रशासन को सहयोग करें। इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, एसडीपीओ, जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सभी अंचल अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नागफेनी में एनएच-43 ओवरब्रिज पर भीषण सड़क हादसा

गुमला/सिसई/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सिसई थाना क्षेत्र के नागफेनी गांव के समीप एनएच-43 पर बने नवनिर्मित ओवरब्रिज पर गुरुवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी को सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पूसो थाना क्षेत्र के पहामू गांव निवासी दिलीप साहू (40 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल महिला को गुमला सदर अस्पताल भेजा। दिलीप साहू अपनी पत्नी के साथ गुमला में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। नागफेनी स्थित ओवरब्रिज पर हल्के घुमाव के कारण सामने से आ रही पिकअप वैन के चालक ने बाइक सवार को नहीं देख पाया और आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

अवैद्य खनन व परिवहन पर पूर्णतया रोक एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त, लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गत एक माह के दौरान खनिज पदार्थों के अवैद्य खनन एवं परिवहन की रोकथाम की दिशा में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि खनिजों के अवैद्य खनन स्थलों को चिन्हित कर जिला खनन टास्क फोर्स टीम आपस में समन्वय बनाकर अवैद्य खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने जिला खनन पदाधिकारी, एमवीआई, सीओ एवं थाना प्रभारी को आपस में समन्वय स्थापित कर कार्रवाई का निदेश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न थाना क्षेत्र में विशेष छापामारी अभियान चलाया जाए, साथ हीं अवैद्य खनन एवं परिवहन के मामलों में विधिसम्मत कार्रवाई का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने ससमय स्टॉक यार्ड निरीक्षण के भी निर्देश दिए, साथ हीं स्टॉक यार्ड द्वारा यदि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायत प्राप्त होने पर जांच एवं कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसके अलावे राजस्व संग्रहण को लेकर भी उपायुक्त ने जानकारी लेते हुए विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, एसडीपीओ, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, एमवीआई खूंटी, एनडीसी सहित अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने दिए मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए दिशा निर्देश

मादक पदार्थों पर पूर्णतया विराम लगाना जिला प्रशासन की प्राथमिकताः उपायुक्त



खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त, श्री लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में NCORD की बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस विभाग एवं ठउडफ्ळ से संबंधित अधिकारियों द्वारा अफीम की खेती के मामले में की गई एफआईआर एवं अन्य कार्रवाई की जानकारी दी गई। प्रस्तुत प्रतिवेदनों के सभी बिंदुओं की उपायुक्त द्वारा समीक्षा की गयी एवं सभी संबंधित अधिकारियों को अग्रेतर कार्रवाई हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होंने जिले में शत प्रतिशत अफीम की खेती के रोकथाम को लेकर थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी को समय समय पर छापेमारी करने के साथ-साथ स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों संग बैठक करने का निर्देश दिया। बैठक के माध्यम से उन्हें जागरूक करने एवं वैकल्पिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर देने का निर्देश दिया। जिससे लोग अफीम की खेती छोड़ वैकल्पिक खेती के लिए प्रेरित हो। बैठक में थाना प्रभारी व अंचल अधिकारी को आपसी समन्वय के साथ अपने संबंधित क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती एवं अन्य मादक द्रव्य पदार्थों को चिह्नित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिले की सीमाओं एवं विद्यालयों के आस पास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं कार्रवाई को लेकर निर्देशित किया गया। साथ हीं विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाने को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में अफीम, ब्राउन शुगर समेत अन्य मादक पदार्थों को लेकर आवश्यक रूप से सघन छापामारी अभियान चलाया जाए, साथ ही मादक पदार्थों के खरीद-बिक्री करने वाले दोषियों के विरुद्ध भी त्वरित एवं विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। मादक पदार्थों के परिवहन पर भी विशेष निगरानी रखी जाए। मादक पदार्थों पर पूर्णतया विराम लगाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, एसडीपीओ, ठउडफ्ळ के सदस्य, कार्यपालक दंडाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com